हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित
हनुमान जयंती
रांची, गुरुवार, 2 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 306 मूल्य : 3 रुपए
www.koylanchalsamvad.com

धनबाद में भू-धंसान के बाद भड़का गुस्सा, गैस रिसाव से दहशत, बीसीसीएल अधिकारियों पर पत्थरबाजी, वाहनों में तोड़फोड़

धनबाद: कोयलांचल की धरती एक बार फिर भीषण भू-धंसान की गवाह बनी है. मंगलवार शाम जिले के सोनारडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत टांडाबाड़ी बस्ती में जोरदार धमाके के साथ दो घर अचानक जमींदोज हो गए. इस हृदयविदारक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोग जिंदा मलबे में समा गए.

घटना के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया. हादसे की गंभीरता तब और बढ़ गई जब धंसान वाली जगह से अचानक जहरीली गैस का रिसाव शुरू हो गया. गैस की तेज गंध और जमीन के भीतर से आ रही आवाजों ने स्थानीय निवासियों को और अधिक डरा दिया है. गैस रिसाव की खबर पाकर बीसीसीएल प्रबंधन, जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे हैं और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है, ताकि किसी और अप्रिय घटना से बचा जा सके. हालांकि राहत और बचाव कार्य शुरू करने पहुंची टीम को स्थानीय लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा. जब बीसीसीएल ने गैस रिसाव रोकने के लिए फिलिंग (गैस भराई) का कार्य शुरू किया

तो ग्रामीणों ने विरोध किया और बीच में ही काम रुकवा दिया.

बढ़ते विरोध के कारण प्रशासन को जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों को वापस ले जाना पड़ा. इस दौराम बीसीसीएल कर्मियों पर पत्थरबाजी भी की गई. साथ ही वाहनों में तोड़फोड़ की गई है. ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कोयला खनन जारी है, जिसकी कई बार शिकायत की गई. लेकिन प्रशासन ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की. लोगों का कहना है कि प्रशासन की इसी लापरवाही ने तीन जिंदगियों को संकट में डाल दिया. आक्रोशित ग्रामीण अब केवल आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं. वे सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास और अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. फिलहाल घटनास्थल पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है. पुलिस बल और बीसीसीएल के अधिकारी ग्रामीणों को समझाने-बुझाने में जुटे हुए हैं.

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर बाद बीसीसीएल के डायरेक्टर टेक्निकल, कोल इंडिया के डीटी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे थे. उनके साथ गोविंदपुर एरिया के महाप्रबंधक भी मौजूद थे. बताया जाता है कि जैसे ही कोल इंडिया और बीसीसीएल के शीर्ष अधिकारी वहां से लौटे ग्रामीणों का गुस्सा गोविंदपुर एरिया के महाप्रबंधक पर फूट पड़ा और पथराव शुरू कर दिया. हालात बिगड़ते देख सीआईएसएफ के जवानों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महाप्रबंधक को अपने सुरक्षा घेरे में लेकर सुरक्षित बाहर निकाला. गौरतलब है कि मंगलवार शाम हुए भू-धंसान में एक घर पूरी तरह जमींदोज हो गया था जिसमें तीन लोग लापता हो गए थे. देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद लगभग रात 2 बजे तीनों के शव मलबे से निकाले गए . इस घटना के बाद से ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है.बुधवार सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुटने लगे थे और बीसीसीएल अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे.जैसे ही अधिकारी मौके पर पहुंचे, लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और स्थिति बेकाबू हो गई.

इधर एक और चिंताजनक जानकारी सामने आ रही है कि घटनास्थल से गैस का रिसाव लगातार तेज होता जा रहा है. इसके चलते आसपास के घरों में रहने वाले लोग भयभीत होकर अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं.फिलहाल क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है.

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 33वां दिन

अमेरिका नाटो से अलग हो सकता है:ट्रम्प बोले- इसने जरूरत के वक्त मदद नहीं की

तेल अवीव/तेहरान: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वे नाटो से बाहर निकलने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने नाटो को कागजी शेर बताया। एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि वे पहले से ही नाटो से ज्यादा प्रभावित नहीं थे और उन्हें लगता है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी यही मानते हैं।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका हमेशा अपने साथियों के लिए खड़ा रहा है, लेकिन इस बार कोई भी अमेरिका के साथ नहीं आया। उन्होंने यूक्रेन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां अमेरिका ने मदद की थी, लेकिन अब वही समर्थन अमेरिका को नहीं मिल रहा। यह बयान तब आया है जब नाटो देशों ने ईरान जंग में अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया। अमेरिका चाहता था कि नाटो देश होर्मुज स्ट्रेट खुलवाने के लिए अपने वॉरशिप भेजें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

जंग से मिडिल ईस्ट को 18 लाख करोड़ का नुकसान

यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम ने कहा है कि मध्य पूर्व में चल रहा युद्ध पूरे इलाके की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। उनकी रिपोर्ट के मुताबिक यह संघर्ष अब सिर्फ कुछ देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा संकट बन गया है।

- रीजन की GDP 3.7% से 6% तक घट सकती है
- करीब 18 लाख करोड़ का नुकसान हो सकता है
- होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही 70% से ज्यादा घट गई
- तेल की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल हो गई है
- 16 लाख से लेकर 36 लाख नौकरियों पर संकट

ईरान ने 65 लोगों को किया गिरफ्तार, जासूसी का आरोप

ईरान की सुरक्षा एजेंसी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि उसने 65 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर आरोप है कि वे दुश्मन देशों के लिए काम कर रहे थे या आतंकवादी संगठनों से जुड़े थे। ईरान का कहना है कि हाल के महीनों में उसने कई लोगों को पकड़ा है, जो अमेरिका-इजराइल को जानकारी दे रहे थे और देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रहे थे।

ट्रम्प बोले- ईरान से डील की जरूरत नहीं, उनका एटमी प्रोग्राम डैमेज

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किसी समझौते (डील) की जरूरत नहीं है। अमेरिका यह युद्ध 2 से 3 हफ्तों में खत्म कर सकता है। उन्होंने कहा- ईरान को कोई डील करने की जरूरत नहीं है। जब हमें लगेगा कि वे इतने कमजोर हो गए हैं कि कई सालों तक परमाणु हथियार नहीं बना सकते, तब हम वहां से निकल जाएंगे। डील हो या न हो, अब यह जरूरी नहीं है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान के पास जो यूरेनियम बचा है, उससे उन्हें कोई चिंता नहीं है, क्योंकि वह जमीन के अंदर है और आसानी से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अमेरिका पहले ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान पहुंचा चुका है।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका जल्द ही ईरान से बाहर निकल जाएगा और इसके बाद तेल की कीमतें भी कम हो सकती हैं। इस युद्ध की वजह से थोड़ी परेशानी जरूर हो रही है, लेकिन इससे अमेरिका ज्यादा सुरक्षित हुआ है क्योंकि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट के बारे में उन्होंने कहा कि अब इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका नहीं लेगा। जो देश इस रास्ते से तेल ले जाते हैं, उन्हें खुद अपनी सुरक्षा करनी होगी।

झारखंड हाईकोर्ट में संवैधानिक पदों की नियुक्ति पर सुनवाई

झारखंड हाईकोर्ट में राज्य सूचना आयुक्तों, लोकायुक्त और अन्य संवैधानिक संस्थाओं में नियुक्ति के मामले में अवमानना और जनहित याचिकाओं की सुनवाई एक साथ हुई. चीफ जस्टिस एमएस सौनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने इस मामले में विस्तृत चर्चा की. सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि 25 मार्च 2026 को नियुक्ति संबंधी समिति की बैठक संपन्न हो गई है. बैठक में संवैधानिक पदों के लिए अनुशंसाएँ तैयार की गई हैं, लेकिन मुख्यमंत्री राज्य से बाहर होने के कारण फिलहाल नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है. महाधिवक्ता ने कोर्ट से अनुरोध किया कि सरकार को कुछ समय की मोहलत दी जाए, ताकि सभी आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी कर नियुक्तियाँ की जा सकें.

विष्णुगढ़ कांड में बच्ची की हत्या, डीजीपी करेंगी जांच की समीक्षा

हजारीबाग : हजारीबाग के विष्णुगढ़ में नाबालिग बच्ची की नृशंस हत्या मामले की जांच की समीक्षा डीजीपी तदाशा मिश्र करेंगी. जांच की समीक्षा करने के लिए डीजीपी हजारीबाग के लिए रवाना हो चुकी हैं. वहां वह बोकारो जोन के आइजी सुनील भास्कर, हजारीबाग प्रमंडल के डीआईजी अंजनी झा, एसपी अंजनी अंजन और मामले के अनुसंधान से जुड़े पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगी. अब तक की जांच में यह पता चला है कि बच्ची की हत्या गला दबाकर की गई थी. पुलिस अब यह पता लगाने में लगी है कि जिस जगह से बच्ची का शव मिला, हत्या उसी जगह की गई या किसी दूसरी जगह पर हत्या करके शव को वहां फेंक दिया गया. इस बीच पुलिस को यह भी सूचना मिली है कि जिस स्थान से बच्ची का शव मिला था, उसके पास में कहीं कुछ ब्लड गिरा हुआ है. पुलिस इसकी पुष्टि करने में जुटी हुई है. पुलिस इस बात की जांच भी कर रही है कि बच्ची के शरीर के साथ दरिंदगी उसकी मौत से पहले की गई या बाद में. अब तक की जांच के दौरान पुलिस ने करीब 12 लोगों को हिरासत में लिया है. हिरासत में लिये गये लोगों से पूछताछ की जा रही है. जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है, उसमें बच्ची की मां भी शामिल है. पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि बच्ची की मां जांच में सहयोग नहीं कर रही है. बार-बार बयान बदलती है और बीमारी का बहाना बनाकर पुलिस पूछताछ से बचने की कोशिश करती है. इस कारण पुलिस को उस पर शक बढ़ता जा रहा है.

अंबा प्रसाद ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, सीबीआई जांच की मांग की

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव और पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर विष्णुगढ़ मामले में ज्ञापन सौंपा है. उन्होंने संतोष गंगवार से मामले में हस्तक्षेप कर मामले की सीबीआई जांच कराने, पीड़ित परिवार को मुआवजा व पुनर्वास देने और राज्य महिला आयोग को मामले में सक्रिय करने की मांग की है. अंबा प्रसाद ने पत्र लिखकर राज्यपाल से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि विष्णुगढ़ थाना कांड संख्या 42/2026 में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे आम लोगों का भरोसा पुलिस से उठता जा रहा है.

असम में कल्पना सोरेन का दमदार अभियान: चाय बागान मजदूरों से सीधा संवाद, भूबेन मुरारी के लिए मांगे वोट

असम विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी कड़ी में गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने चबुआ विधानसभा क्षेत्र पहुंचकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) प्रत्याशी भूबेन मुरारी के पक्ष में जोरदार प्रचार किया और लोगों से समर्थन मांगा। प्रचार के दौरान कल्पना सोरेन और सांसद जोबा माझी चबुआ के चाय बागान इलाके में पहुंचीं। यहां उन्होंने काम कर रहे मजदूरों से सीधे बातचीत की और उनकी रोजमर्रा की समस्याओं को समझने की कोशिश की।

सामाजिक और आर्थिक हालात का लिया जायजा

दोनों नेताओं ने मजदूरों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। मजदूरों ने अपनी दिक्कतें भी खुलकर बताईं, जिनमें मजदूरी, स्वास्थ्य सुविधा और रहने की स्थिति जैसे मुद्दे शामिल रहे। कल्पना सोरेन ने मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि जेएमएम चाय बागान के मजदूरों (टी ट्राइब्स) के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर दिया कि झारखंड में आदिवासी और मजदूर वर्ग के उत्थान के लिए की गई पहल अब असम के चाय बागानों तक पहुंचाई जाएगी।

भूबेन मुरारी के लिए मांगे वोट

कल्पना सोरेन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि झामुमो प्रत्याशी भूबेन मुरारी को जीताकर विधानसभा भेजें, ताकि इलाके के विकास और मजदूरों की समस्याओं का समाधान हो सके।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 21 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं (कुछ नामांकन रद्द होने के बाद 18 सीटों पर मुकाबला)। चबुआ से भूबेन मुरारी पार्टी के उम्मीदवार हैं। पार्टी चाय बागान क्षेत्रों और आदिवासी बहुल इलाकों में मजबूत पकड़ बनाने पर फोकस कर रही है, जहां बड़ी संख्या में झारखंड और अन्य राज्यों से आए टी ट्राइब मजदूर काम करते हैं। जेएमएम के स्टार प्रचारकों में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन शामिल हैं। दोनों नेता हाल के दिनों में असम के विभिन्न हिस्सों में रैलियां और कार्यक्रम कर चुके हैं। पार्टी चाय मजदूरों की मजदूरी वृद्धि, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा और आवास की मांगों को प्रमुख मुद्दा बना रही है।

मोदी बोले- कांग्रेस के राजकुमार की हार की सेंचुरी पक्की: ममता ने कहा- भाजपा हमारा पैसा लूट रही और झूठ बोल रही

नई दिल्ली/असम: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है। पीएम धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा- जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं। इधर, असम के डिब्रूगढ़ पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- असम में डबल गुलामी वाली सरकार है, एक भ्रष्ट सरकार है। हम देख सकत हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज और सिंडिकेट राज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को असम पहुंचे। उन्होंने डिब्रूगढ़ में चाय बागान दौरा किया। वहां काम करने वाली महिलाओं से साथ बातचीत, उनसे चाय की पत्ती तोड़ना सीखा, साथ ही

महिलाओं ने बिहू नृत्य भी किया। पीएम ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

ममता का हेलिकॉप्टर तूफान के कारण नबाग्राम में नहीं उतर सका

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हेलिकॉप्टर बुधवार को मुर्शिदाबाद के नबाग्राम में खराब मौसम के कारण लैंड नहीं कर सका। अचानक आए तूफान और तेज हवाओं के चलते हेलिकॉप्टर को वापस बुरवान लौटना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 2:10 बजे इलाके में मौसम खराब हो गया, जिससे लैंडिंग संभव नहीं हो पाई। इसके बाद ममता बुरवान से सड़क मार्ग के जरिए नबाग्राम के लिए रवाना हुईं, जहां उन्हें चुनावी सभा को संबोधित करना था।

ममता बनर्जी इससे पहले बुरवान में एक जनसभा कर चुकी थीं और नबाग्राम की ओर जा रही थीं। पिछले हफ्ते भी खराब मौसम के कारण उनका विमान कोलकाता एयरपोर्ट पर तुरंत नहीं उतर सका था और करीब एक घंटे बाद लैंडिंग हुई थी।

डीएमके की घोषणा- टीवी-फ्रिज जैसे घरेलू सामान के लिए 8 हजार देंगे

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने घरेलू सामान खरीदने के लिए लोगों को 8,000 रुपए का कूपन देने का ऐलान किया है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कहा- इन 8 हजार रुपए से लोग टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन जैसे जरूरी घरेलू सामान खरीद सकेंगे। उन्होंने आगे कहा- पहले स्कूल के छात्रों को लैपटॉप दिए जाते थे, लेकिन डीएमके सरकार के तहत अब 10 लाख कॉलेज छात्रों को लैपटॉप दिए गए हैं।

प्रियंका बोलीं- असम में धमकी वाली सरकार है

कांग्रेस के प्रचार के लिए असम के शिवसागर पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- यह एक भ्रष्ट सरकार है। लोग देख सकते हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज है, सिंडिकेट राज है। मुझे लगता है कि लोग थक चुके हैं। वे चाहते हैं कि वही असम फिर से उभरे जो कभी हुआ करता था। वे एक ऐसी नई सरकार चाहते हैं जो सिर्फ लोगों की सेवा के लिए काम करे। लोग जानते हैं कि हमारे नेता ईमानदार हैं और वे उन्हें आगे लाना चाहते हैं।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में एक आतंकी ढेर:एक और आतंकी के छिपे होने की सूचना

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सेना ने बुधवार सुबह एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। यह ऑपरेशन मंगलवार रात से जारी था। एक अधिकारी ने बताया कि खास इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर, पुलिस और सेना की एक जॉइंट टीम ने मंगलवार शाम को घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एक आतंकी के छिपे होने की जानकारी मिली। अंधेरे की वजह से ऑपरेशन रोक दिया गया था। सुबह आतंकी को मार गिराया गया। इससे पहले फरवरी में सेना ने जम्मू-कश्मीर में 6 आतंकवादियों को मार गिराया था। किश्तवाड़ के चतरू में 3 आतंकी ढेर हुए थे। वहीं 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

सुरक्षाबलों के पिछले 4 बड़े एनकाउंटर

22 फरवरी: सेना ने 3 आतंकी ढेर किए

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। 3 आतंकी ढेर हो गए। सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे।

23 जनवरी: जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर मारा गया- जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 23 जनवरी को सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान को मार गिराया था। आतंकियों की तलाश में पिछले एक हफ्ते से ऑपरेशन चल रहा था। उस्मान पिछले 2 साल से अन्य आतंकवादियों के साथ डोडा-उधमपुर-कौथा इलाके में एक्टिव था। एनकाउंटर की साइट से अमेरिका में बनी M4 राइफल, हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ।

18 जनवरी: ग्रेनेड हमले में जवान शहीद

18 जनवरी को किश्तवाड़ के जंगलों में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों की मुठभेड़ हुई थी। आतंकियों के ग्रेनेड हमले में 8 जवान घायल हुए थे। 19 जनवरी को एक जवान हवलदार गजेंद्र सिंह इलाज के दौरान शहीद हुए थे। किश्तवाड़ के तरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में ऑपरेशन त्राशी-1 जारी है।

संक्षिप्त खबरें...

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रशिक्षण को लेकर भाजपा का एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। भारतीय जनता पार्टी बड़कागांव पूर्वी उरीमारी मंडल अंतर्गत गोंसाई बलिया पंचायत भवन में एस आई आर को लेकर बीएओ 2 एवं बुथ अध्यक्षों के साथ एक आवश्यक बैठक की गई। बैठक की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर एवं वंदे मातरम गान के साथ किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विजय यादव एवं संचालन सुमन गिरि ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हजारीबाग जिला मंत्री सह कार्यक्रम संयोजक कुणाल किशोर दुबे ने विस्तार पूर्वक एसआईआर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अवैध मतदाता को चिह्नित कर बिएलओ के साथ मिलकर पार्टी के द्वारा बिएलओ 2 बनाया गया है ,जो एकसाथ मिलकर कार्य करना है, संदिग्ध वोटरों को हटाना है, नये मतदाता को जोड़ना है साथ ही साथ विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज में मतदाताओं को सहयोग करना है। मौके पर मुख्य रूप से कार्यक्रम संयोजक कुणाल किशोर दुबे, पुर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीकांत निराला, मनीष पांडे, मंडल अध्यक्ष विजय यादव, सुमन गिरि, ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, अशोक साव, किशोर राणा, कृष्णा गुप्ता, बिनोद महतो, भगीरथ ठाकुर, विष्णु गुप्ता, देवेन्द्र कुमार, कुंवर महतो, हिरालाल साव, सचिदानंद पांडेय, महेश महतो, नितेश वर्मा, दामोदर महतो, सीता देवी, प्रियंका देवी, श्रुति कुमारी, रजिया खातून, किरण देवी, अरविंद गिरी, उमेश साव, तुलसी पासवान, मनोज प्रभाकर, बंधन प्रजापति, सुरज कुमार, विकास कुमार यादव, उदय चौधरी, बजरंग नायक, गणेश प्रजापति, सुनिल प्रजापति, आशिश कुमार, उमाशंकर महतो, प्रमेश गिरी, अनिता देवी, नारायण कुमार समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यालय के अवर सचिव रास बिहारी को सेवा निवृत्ति पर भावभीनी विदाई

हजारीबाग। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यालय, हजारीबाग के अवर सचिव रास बिहारी प्रसाद (झा. स. से.) सेवानिवृत्ति के अवसर पर कार्यालय परिसर में एक भावभीना विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमंडलीय कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उनके दीर्घ एवं समर्पित सेवा काल को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।इस अवसर पर बताया गया कि बिहारी ने वर्ष 1995 से अपनी सेवा प्रारंभ की और अपने लगभग तीन दशकों के कार्यकाल में विभिन्न दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता के साथ निर्वहन किया। अपने शांत स्वभाव,अनुशासन एवं कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के कारण वे सहकर्मियों के बीच सदैव आदरणीय रहे।समारोह को संबोधित करते हुए सचिव श्री बासुदेव प्रसाद ने कहा कि श्री बिहारी ने अपने लंबे सेवा काल में कार्यालय की कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी कार्यनिष्ठा, सरलता और प्रशासनिक अनुभव आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। सचिव ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय सेवानिवृत्ति जीवन की कामना करते हुए कहा कि सेवा निवृत्ति केवल एक पड़ाव है, बल्कि जीवन के अनुभवों को समाज के साथ साझा करने का नया अवसर भी है।कार्यक्रम के दौरान सहकर्मियों ने भी अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए श्री रास बिहारी के साथ बिताए गए समय को याद किया तथा उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्हें शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

महुआ चुनने घर से बाहर अपने बच्चों संग निकल रही है महिलाएं

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दीनों महिलाएं सुबह से ही महुआ चुनने घर से बाहर अपने बच्चों संग निकल जा रही हैं। ग्राम डूमरडीहा निवासी मेहीलाल मांझी ने बताया कि महुआ फूल के अनेक फायदे हैं।जिसके चलते ग्रामीण सुबह चार बजे से ही महुआ चुनने निकल जाते हैं जो दोपहर रहते हैं। जंगल और ग्रामीण क्षेत्र इन दिनों महुआ की खुशबू से सराबोर हैं।प्राकृतिक सुंदरता से घिरे चेचकप्पी पंचायत के डुमरडीहा के जंगलों में भी महुआ के पेड़ की भरमार है, जो न सिर्फ पर्यावरण की खूबसूरती बढ़ाते हैं, बल्कि स्थानीय आदिवासी समुदाय के लिए आजीविका का सबसे बड़ा सहारा भी बना हुआ हैं।हर साल की तरह इस वर्ष भी महुआ सीजन ने ग्रामीणों के जीवन में रौनक और आर्थिक उम्मीदें लेकर दस्तक दी है।डुमरडीहा के ग्रामीण और विशेष रूप से आदिवासी परिवार महुआ पर पूरी तरह निर्भर हैं। महुआ का फूल उनके लिए सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि सालभर की आजीविका का आधार है। जैसे ही महुआ गिरना शुरू होता है, गांवों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है।सुबह से ही महिलाएं, पुरुष और बच्चे जंगल की ओर निकल पड़ते हैं, पूरा दिन महुआ चुनने में बीतता है और शाम को वे इसे घर लाकर सुखाते हैं. महुआ का उपयोग घर में खाने में भी किया जाता है. साथ-साथ बाजार में बेचकर दैनिक जरूरतों जैसे सब्जी, राशन और कई जरूरी चीजें ग्रामीण खरीदते हैं. वहीं इसका सबसे ज्यादा उपयोग पारंपरिक पेय देसी दारू बनाने में भी होता है. यही वजह है कि महुआ सीजन को ग्रामीण "कमाई का मौसम" भी कहते हैं. इसके अलावा महुआ का फल भी उपयोग में आता है और इसे आयुर्वेदिक दवाएं बनाई जाती है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पगार ओपी अंतर्गत जोरदाग गांव के समीप हाइवा के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत घटना स्थल पर हो गयी। मृतक की पहचान चट्टी बरियातू गांव निवासी सुनील सोनी उम्र लगभग 45 वर्ष पिता स्व मोती साव के रूप में हुई है। घटना के विरुद्ध मृतक के परिजन एवं ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर ट्रांसपोर्टिंग सड़क को जाम कर दिया है। घटना स्थल पर पहुँची सीआईएसएफ के जवान एवं केरेडारी पुलिस को ग्रामीणों ने बैरंग लौटाया,वही दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे पगार ओपी प्रभारी दिनेश कुमार मंडल इस मामले पर ग्रामीणों से बात कर रहे थे। यह घटना बुधवार के एक बजे दिन की है।घटना के संदर्भ में बताया गया की सुनील सोनी जोरदाग रोड में अपने निर्माणाधीन घर से काम करवा कर बाइक नम्बर JHO2AR-8691से चट्टी बरियातू घर लौट रहे थे,उसी क्रम में एनटीपीसी के केडी कोल माइंस में चलने वाली नकास कम्पनी के हाइवा नम्बर JHO4AE-5349 का चक्का सुनील के सिर पर चढ़ गया,जिसके कारण घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।घटना के बाद ग्रामीणों ने घटना में शामिल हाइवा के अगला सीसा को तोड़ दिया एवं सभी टायरों का हवा निकाल दिया,साथ ही अन्य हाइवा का भी हवा निकाला गया है।मृतक के तीन पुत्री एवं दो पुत्र है,वही मृतक के परिजनों को रो रोकर बुरा हाल है।खबर लिखे जाने तक घटनास्थल पर समझौता के लिए कम्पनी के एक भी अधिकारी नहीं पहुँचे थे।ज्ञात हो की विगत 16 मार्च को मृतक की पत्नी झुनकी देवी को हजारीबाग स्थित फ़तहा के समीप सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी थी।

अंबा प्रसाद ने विष्णुगढ़ घटना को लेकर राज्यपाल से की मुलाकात

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। विष्णुगढ़ में बच्ची की निर्मम हत्या मामले को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने राज्य के राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की।राज्यपाल से मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक ने ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है।अंबा प्रसाद के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में पुलिस प्रशासन पर नाकामी का आरोप लगाई है। आरोपियों कि शीघ्र गिरफ्तारी करने की मांग को लेकर अंबा प्रसाद ने राज्यपाल से अपराध के अनुसंधान को सीबीआई को सौंपने तथा पीड़ित परिवार को मुआवजा और पुनर्वासन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इस दौरान पूर्व विधायक ने राज्यपाल से महिला आयोग को सक्रिय बनाने का भी अनुरोध किया है। अंबा प्रसाद ने राज्यपाल को अवगत कराते हुए कहा कि यह घटना दिल्ली के निर्भया कांड से भी दर्दनाक एवं घृणित है, पुलिस प्रशासन की नाकामी व असंवेदनशीलता आम लोगों की सुरक्षा पर सवालिया निशान है।पूर्व विधायक ने राज्यपाल को घटना पर व्यक्तिगत हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

रामनवमी दशमी जुलूस में हुई प्रिंस की हत्या करनेवाले आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग। हज़ारीबाग में रामनवमी दशमी जुलूस में युवक प्रिंस कुमार की हत्या मामले में सदर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपी कटकम दाग थाना क्षेत्र के बलियंत गांव निवासी करण भुइयां है. सदर पुलिस पकड़े गए आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है. जानकारी के अनुसार प्रिंस की हत्या करके आरोपी करण भुइयां फरार हो गया था. इसकी पहचान सीसीटीवी फुटेज से पुलिस ने की है. सदर पुलिस आरोपी करण भुइयां के घर छापामारी किया. वह जुलूस से वापस घर नहीं गया था. वह पुलिस से बचने के लिए पदमा जंगल में छुपा हुआ था. काफी मशक्कत के बाद सदर पुलिस ने उसे जंगल से गिरफ्तार किया है. बता दें कि रामनवमी दशमी जुलूस 29 मार्च को अशोक चौक के समीप प्रिंस कुमार को चाकू मार कर हत्या कर दी गई थी.

एसपीए गुरुकुल विद्यालय गोरहर में परीक्षा परिणाम घोषित

बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को थाना प्रभारी और समाजसेवियों नें किया सम्मानित

बरकट्ठा (हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोरहर स्थित एसपीए गुरुकुल विद्यालय के परीक्षा परिणाम सत्र 2025- 26 का बुधवार को प्रकाशित किया गया। इस मौके पर परीक्षा में अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में गोरहर थाना प्रभारी नीतीश कुमार, मुखिया प्रतिनिधि छोटन कोल, समाजसेवी सुनील पांडेय, पंसस लखन महतो, पंसस प्रतिनिधि राजकुमार गिरी के उपस्थिति में स्कूल फर्स्ट टॉपर - सिमरन कुमारी, सेकंड टॉपर -संजीत करण देव, थर्ड टॉपर - सतीश शर्मा को पुरस्कार और मेडल देकर सम्मानित किया। मौके पर संचालन कर रहे विद्यालय के निदेशक कार्तिक करण देव ने कहा हमारे विद्यालय में पिछले 6 वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसके परिणाम स्वरूप यह आदिवासी बहुत क्षेत्र होते हुए भी यहां के बच्चों में काफी प्रतिभा है और उनका रिजल्ट दिनों दिन अच्छा हो रहा है। वहीं थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने कहा विद्यालय के सभी बच्चे आप सब जो फर्स्ट सेकंड थर्ड आए हैं वह सब केवल यहां तक ही सीमित ना रहे हैं इससे आगे भी करने का जज्बा रखें और अपने माता-पिता का नाम रोशन करें। वहीं समाज सेवी सुनील पांडेय ने कहा यह विद्यालय बहुत कम समय में ही अपना अच्छा छाप लोगों के बीच छोड़ा है। जिससे बच्चों के अभिभावक काफी खुश है। विद्यालय फर्स्ट टॉपर सिमरन कुमारी सेकंड संजीत कुमार देव थर्ड सतीश कुमार को डिक्शनरी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सभी मुख्य अतिथियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया।प्रधानाचार्य पूजा मैम, शिक्षक ललित केश्वर पांडेय,रजनीकांत पांडेय,ऋतिक कुमार,राहुल कुमार,जितेंद्र कुमार,संजय कुमार,संदीप कुमार,शालू कुमारी, शमा परवीन,पिंकी कुमारी,बेबी कुमारी,संतोष कुमार,गीता कुमारी संजय सर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पीएम इंटरनेशनल स्कूल में ज्ञान प्रतियोगिता के टॉपर्स सम्मानित, साइकिल देकर बढ़ाया उत्साह

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड के कपका स्थित सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त पीएम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक सत्येंद्र प्रसाद, प्रबंधक निदेशक वीरेंद्र प्रसाद, प्राचार्य दिनेश कुमार भारती, प्रबंधक राजेश कुमार यादव एवं अभिभावकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।ग्रुप ए में सिद्धांत मंडल (पिताः महेश मंडल) को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर साइकिल देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पवन कुमार को हाथ घड़ी एवं शैक्षणिक सामग्री तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सत्यम कुमार को शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई।वहीं ग्रुप बी में सूरज राणा (पिताः फूलचंद राणा) को प्रथम स्थान पर साइकिल देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले साजन पासवान को हाथ घड़ी एवं शैक्षणिक सामग्री तथा रितेश कुमार यादव को शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई।इसके अलावा टॉप 20 में शामिल विद्यार्थियों को स्कूल बैग देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक सत्येंद्र प्रसाद ने बताया कि यह प्रतियोगिता रेलवे, बैंकिंग, एसएससी, एनडीए एवं एयरफोर्स जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के सिलेबस पर आधारित थी, जिसमें हिंदी, इंग्लिश, गणित, विज्ञान एवं रीजनिंग विषयों से प्रश्न पूछे गए थे। परीक्षा ओएमआर शीट पर आयोजित की गई थी तथा इसे वर्ष में चार बार आयोजित किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूकता एवं रुचि बढ़ेगी।प्रबंधक निदेशक वीरेंद्र प्रसाद ने बताया कि विद्यालय का वार्षिक कैलेंडर तैयार कर लिया गया है, जिसमें विज्ञान प्रदर्शनी, खेलकूद प्रतियोगिता, जीके ओलंपियाड, भाषण प्रतियोगिता, हस्तलेखन प्रतियोगिता, संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां समय-समय पर आयोजित की जाएंगी।वहीं प्राचार्य दिनेश कुमार राम ने बताया कि विद्यालय में आधुनिक लाइब्रेरी, विज्ञान लैब, मैथ लैब, खेल सामग्री एवं खेल मैदान की समुचित व्यवस्था है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध हो रही है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अभिभावकों ने अपने बच्चों के सम्मानित होने पर गर्व व्यक्त किया एवं विद्यालय परिवार को बधाई दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नवसृजित प्राथमिक विद्यालय शांति नगर गैड़ा में 71 बच्चों के बीच पोशाक वितरित

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय गैड़ा एवं नवसृजित प्राथमिक विद्यालय शांति नगर गैड़ा में 71 बच्चों के बीच पोशाक वितरित किया गया. मुख्य अतिथि उपमुखिया चंद्रदीप पांडेय, वार्ड सदस्य मंजू देवी, प्रधानाध्यापिका गायत्री देवी, प्रधानाध्यापक डेगलाल नायक ने कक्षा एक और दो के बच्चों के बीच स्कूल ड्रेस, स्वेटर, जूता, मौजा का वितरण किया. उपमुखिया चंद्रदीप पांडेय ने विद्यार्थियों से प्रतिदिन स्कूल यूनिफार्म पहनकर साफ सफाई के साथ विद्यालय जाने के लिए प्रेरित किया. कहा कि झारखंड सरकार के द्वारा बच्चों को पठन पाठन सामाग्री उपलब्ध कराकर शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है. इस अवसर पर शिक्षक देवेंद्र पांडेय, जिष्णु पांडेय, संजय पांडेय, मिथिलेश पांडेय, सुबोध पांडेय, महेंद्र पांडेय, उमाकांत पांडेय, प्रबोध पांडेय, पंकज राय, डोमन नायक, राजेश राणा समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

मौर्य पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अंग्रेजी माध्यम से संचालित मौर्य पब्लिक स्कूल कांडतरी का 2025- 26 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसका अध्यक्षता स्कूल के निर्देशक रामचंद्र कुमार एवं संचालन संतोष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर स्कूल के निर्देशक रामचंद्र कुमार ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं व बधाई देते हुए हुए कहा कि जो बच्चे अपने-अपने क्लास में रैंक प्राप्त किए हैं। वे लगातार मेहनत जारी रखें। और जो छात्र-छात्राएं को अच्छे रैंक नहीं प्राप्त हुए हैं। वे अगले बार के लिए प्रयास करे कि आपका भी रिजल्ट अच्छा हो। आगे उन्होंने कहा किसी भी क्षेत्र में सफल होना चाहते हो तो आपको अनुशासन, ईमानदारी , और समय के साथ कड़ी मेहनत करनी होगी । वहीं स्कूल के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार सिंह ने कहा की अगर आप आज मेहनत करते हैं तो कल आपका रंग लाएगी। वर्ग नर्सरी से सिक्स में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं में मिस्टी प्रिया हरीश प्रसाद दांगी आर्यन कुमार दिव्यांशु कुमार अंकुश कुमार अनमोल कुमार रिद्धि कुमारी दिव्यांशी कुमारी सानवी कुमारी प्रियांशु कुमारी मौके पर स्कूल के निर्देशक रामचंद्र कुमार प्रधानाध्यापक संतोष कुमार सिंह मनजीत गांझू कुंती कुमारी झुना कुमारी संगीता कुमारी नाजिया खातून मंतशा परवीन संजू कुमारी सुगंती देवी, स्कूल के छात्र छात्राएं मौजूद थे.

पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह के पहल से गांव में बहाल हुई बिजली, लगा नया ट्रांसफार्मर

हजारीबाग। हज़ारीबाग जिले के सदर प्रखंड के गुरहेत पंचायत अंतर्गत चलचलाईया गांव में पिछले एक सप्ताह से जले ट्रांसफार्मर के कारण उत्पन्न बिजली संकट को दूर करते हुए पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने पहल कर नया 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाया। ट्रांसफार्मर के बदलने के साथ ही गांव में बिजली आपूर्ति बहाल हो गई, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण गांव के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। गर्मी के इस मौसम में बिजली नहीं रहने से पेयजल, घरेलू कार्य और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी। मामले की जानकारी मिलते ही मुन्ना सिंह ने संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराई। उनके प्रयासों से बुधवार को गांव में नया 25 केवीए का ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया, जिससे लंबे समय से चल रही समस्या का समाधान हो गया। इस मौके पर मुन्ना सिंह ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली, सड़क, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने संबंधित विभागों को भी निर्देशित किया कि ऐसी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए ताकि आम लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। वहीं ग्रामीणों ने मुन्ना सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले एक सप्ताह से गांव में अंधेरा छाया हुआ था और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। इस अवसर पर आशीष महतो, संदीप मिंज, विशाल कुमार सहित कई गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की।

साकची में आधुनिक सुविधायुक्त जिला स्तरीय दिशोम गुरु मेमोरियल पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया

जमशेदपुर । साकची स्ट्रेट माईल रोड स्थित नवनिर्मित जिला स्तरीय पुस्तकालय का शुभारंभ जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी एवं जमशेदपुर पूर्वी के विधायक पूर्णिमा दास साहू, पूर्व विकास आयुक्त अरूण कुमार सिंह तथा उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की उपस्थिति में विधिवत उद्घाटन किया गया। साकची में जिला स्तरीय पुस्तकालय को आधुनिक स्वरूप में आम जनता एवं पुस्तक प्रेमियों हेतु दिशोम गुरु मेमोरियल लाइब्रेरी के रूप में समर्पित किया गया। जिला स्तरीय पुस्तकालय (दिशोम गुरु मेमोरियल लाईब्रेरी) के प्रथम तल में लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, दुकानें, शौचालय, द्वितीय एवं तृतीय तल पर ज़िला विज्ञान केंद्र सह डिजिटल लाइब्रेरी, रीडिंग रूम व शौचालय, चतुर्थ तल में व्यावसायिक उपयोग के लिए सभागार-कुल एरिया 22, 500 स्क्वायर फीट 9300 स्क्वायर फीट एरिया में बना है कुल भवन-भवन में दो लिफ्ट व दो सीढ़ी की सुविधा, पूरे भवन परिसर में अग्निशामक यंत्र की विशेष व्यवस्था की गयी है।

जिला स्तरीय पुस्तकालय के शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर विधायक मंगल कालिंदी ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तक प्रेमियों एवं साहित्य प्रेमियों को शहर में दिशोम गुरु मेमोरियल लाइब्रेरी के रूप में नया केन्द्र समर्पित किया जा रहा है। लाईब्रेरी के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के छात्र छात्राओं को परीक्षाओं की तैयारी के लिए सुविधा मिलेगी। इसके अलावे साहित्य एवं पुस्तक प्रेमी भी इस सुविधा से लाभांवित हो सकेंगे । वहीं पूर्वी के विधायक श्रीमती पूर्णिमा साहू ने अपने संबोधन में कहा कि यह पुस्तकालय परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए फायदेमंद साबित होगा इससे जमशेदपुर में अध्ययन के नये केन्द्र के रूप में पहचान मिलेगी। लाइब्रेरी में गरीब एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मुफ्त में स्तरीय पुस्तकें एवं आम पाठकों के लिए एक विश्वस्तरीय अध्ययन सामग्री उपलब्ध रहेगी। पूर्व विकास आयुक्त सह पूर्व अपर मुख्य सचिव सह पूर्व नगर विकास विभाग के सचिव अरूण कुमार सिंह ने कहा जिला प्रशासन के द्वारा लाइब्रेरी के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और आम पाठकों के लिए एक विश्वस्तरीय अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना बहुत हीं सराहनीय कार्य है। इसके बेहतर संचालन एवं रख रखाव में समाज के सभी वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और आम पाठकों के लिए एक विश्वस्तरीय अध्ययन सामग्री उपलब्ध रहेगी। विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ एक वातानुकूलित सभागार, पार्किंग की समुचित सुविधा मिलेगी. भवन के निचले तल पर दुकानों की व्यवस्था की गयी है. इसके अलावा बिल्डिंग में एक डिजिटल लाइब्रेरी के साथ ही एक किताब की दुकान, एक बहुदेशीय हॉल, एक कॉफी शॉप और एक एटीएम की सुविधा मिलेगी। उपायुक्त ने कहा वर्तमान में 8 हजार किताबों की क्षमता वाली दिशोम गुरु मेमोरियल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया है। इस लाइब्रेरी में 30 हजार किताबें रहेंगी। पुस्तक प्रेमी यहां बैठ कर किताबें पढ़ सकेंगे। इन किताबों में इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, साइंस आदि के अलावा जनरल नॉलेज और बड़े-बड़े लेखकों की किताबें शामिल रहेंगी। भविष्य में इसमें किताबों की क्षमता को 30 हजार तक बढ़ाया जाएगा। इसके अतिरिक्त डिजिटल लाईब्रेरी की सुविधा भी उपलबध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए आने वाले लोग जो भी सुझाव देंगे उसके अनुसार इस लाइब्रेरी की सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा। डीसी ने बताया कि इस लाइब्रेरी को संचालित करने के लिए पांच अधिकारियों की एक टीम बना दी गई है। यह टीम इस लाइब्रेरी की गतिविधियों पर नजर रखेगी। लाईब्रेरी के उद्घाटन के मौके पर उपायुक्त ने कहा कि इस लाईब्रेरी से छात्र-छात्राओं को पढ़ने की सामग्री मिलेगी। यही नहीं, प्रतियोगी छात्राओं के लिए भी यहां कई पत्रिकाएं और किताबें होंगी। उन्होंने कहा कि अभी तो यह शुरुआत है। भविष्य में सरकार यहां किताबों की संख्या और बढ़ाएगी। सुविधाओं में भी इजाफा होगा। यही नहीं, यहां निरंतर सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। यहां बैठ कर छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर सकते हैं। उन्होने बताया कि लाईब्रेरी हेतु लोगों के द्वारा किताबों को डोनेट भी किया गया है।

इस अवसर पर श्री मंगल कालिन्दी विधायक जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र, श्रीमती पूर्णिमा साहू विधायक जमशेदपुर पूर्वी के अलावा पूर्व विकास आयुक्त सह पूर्व अपर मुख्य सचिव सह पूर्व नगर विकास विभाग के सचिव श्री अरूण कुमार सिंह,उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी, उप विकास आयुक्त श्री नागेन्द्र पासवान, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री धनंजय, जेएनएसी के उप नगर आयुक्त श्री कृष्णा कुमार सहित बड़ी संख्या में पुस्तक प्रेमी मौजूद थे।

जिला अभियंता का कार्यालय जिला परिषद, खूँटी

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई० टेन्डर रिफरेन्स नम्बर – DOPR/DE/KHUNTI/22/2025-26
2ND CALL

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्रा० राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	कर्रा	खूँटी जिला के कर्रा प्रखण्ड अन्तर्गत बकसपुर में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण कार्य।	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	09 माह

नोट :–
1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समयः– 04.04.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे।
2. ई–निविदा डालने की अंतिम तिथिः– 11.04.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा की परिमाण विपत्र एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः– 11.04.2026 के अपराह्ण 05:00 बजे तक(e-Procurement Portal-jharkhandtenders.gov.in)
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 13.04.2026 अपराह्ण 04:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430752050
7. जिला परिषद, खूँटी/BCD के समुचित श्रेणी का निबंधन ही मान्य होगा।
8. **उपरोक्त निविदा का निष्पादन Double Bid System के अनुसार किया जायेगा।**
9. खूँटी जिला अन्तर्गत वैसे संवेदक जिनका कार्य Work Program के अनुसार नहीं चल रहा है। वे इस निविदा में भाग लेने हेतु अयोग्य समझें जायेगे।
10. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड राँची के संकल्प संख्या 2146 (एस) दिनांक 09.09.2024 में निहित प्रावधान के आलोक में संवेदक द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक दर Quote करने Additional Performance Security की राशि निम्नवत जमा करनी होगी।
    (i) 10 से 20 प्रतिशित Below की राशि का 20 प्रतिशत तथा
    (ii) 20 प्रतिशत से अधिक Below की राशि का 30 प्रतिशत अतिरिक्त जमानत की राशि जमा करना होगा।
11. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुरूप ही अग्रधन की राशि (ऑनलाईन) जमा करना होगा एवं इस संबंध में में कोई दावा मान्य नहीं होगा।
12. अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, खूँटी

PR 376424 District(26-27)#D

संक्षिप्त खबरें

रांची में मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

रांचीः रामनवमी के दिन शोभायात्रा के दौरान पॉकेट से मोबाइल उड़ाने वाला गिरोह सक्रिय था. रामनवमी के दिन रांची के चुटिया इलाके से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन गायब हो गए थे. मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल गायब करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है. रांची के सिटी एसपी पारस राणा चुटिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत 27 मार्च को रामनवमी पर्व को लेकर अलग-अलग क्षेत्रों से जुलूस निकाला गया था. जुलूस में शामिल लोगों में से कुछ लोगों के भीड़ में मोबाइल फोन गुम हो गए, जब इस संबंध में चुटिया थाना में शिकायत दर्ज की गई और जांच शुरू हुई तो जांच में पता चला कि पश्चिम बंगाल के चोरों के द्वारा तपोवन मंदिर में शामिल जुलूस और विभिन्न जुलूसों से मोबाइल फोन की चोरी की गई है. मामले में कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. सिटी एसपी ने बताया कि मोबाइल गायब होने के सबंध में जांच के क्रम में रांची रेलवे स्टेशन के आसपास सघन जांच और पूछताछ की गई थी. जांच के क्रम में 3 संदिग्ध व्यक्तियों से गहन पूछताछ की गई. पूछताछ के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि पुरुलिया, पश्चिम बंगाल में रहते हैं और विभिन्न शहरों में जाकर भीड़ वाले इलाके में शामिल होकर मोबाइल फोन की चोरी करते हैं और पश्चिम बंगाल में जाकर चोरी के फोन बेच देते हैं. इस संबंध में चुटिया थाना कांड सं0-38/26, 31.03.2026, धारा-112/317 (5)/3(5) भा.न्या.सं. दर्ज कर अग्रतर अनुसंधान किया जा रहा है. पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से चोरी के 16 मोबाइल बरामद किए हैं.

झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक के 8वें स्थापना दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

संवाददाता रांचीः झारखण्ड ग्रामीण बैंक के 8वें स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर बुधवार को बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, राँची द्वारा एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल की गई। बूटी मोड़ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में बैंक के सेवारत एवं सेवानिवृत्त बैंककर्मियों तथा ग्राहकों के लिए 'भगवान महावीर मनिपाल हॉस्पिटल, राँची' के सहयोग से एक दिवसीय 'निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर' का आयोजन किया गया।जाँच प्रक्रियाओं के समापन के बाद एक विशेष स्वास्थ्य सत्र का आयोजन किया गया। इसमें भगवान महावीर मनिपाल अस्पताल के सुप्रसिद्ध कंसलटेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. धनंजय कुमार ने बैंककर्मियों को संबोधित किया। डॉ. कुमार ने वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली (Lifestyle) से उत्पन्न होने वाली बीमारियों के जोखिमों, उनसे बचाव के तरीकों और उनके प्रभावी निराकरण पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने हृदय स्वास्थ्य और स्वस्थ दिनचर्या के प्रति उपस्थित सभी कर्मियों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में वर्तमान एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ ग्राहकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम का समापन क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश कुमार वर्मा के द्वारा भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल के चिकित्सकों एवं सहयोगी स्टाफ कर्मियों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

ट्रैफिक पुलिस के लिए सीपीआर प्रशिक्षण सत्र आज

संवाददाता रांचीः शहर में सड़क सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों में जीवन बचाने की दिशा में रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम दो अप्रैल 2026 को शाम 7:30 बजे रोटरी हॉल में आयोजित होगा। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस की भूमिका और भी अहम हो गई है। ऐसे में उन्हें सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) एवं बेसिक लाइफ सेविंग तकनीकों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है, ताकि दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर ही पीड़ित को प्राथमिक उपचार देकर उसकी जान बचाई जा सके। प्रशिक्षण सत्र का संचालन रांची क्रिटिकल केयर यूनिट के चेयरमैन डॉ. दिनेश अग्रवाल एवं सेक्रेटरी डॉ. मनोज कुमार करेंगे। सत्र में प्रतिभागियों को सीपीआर की सही तकनीक, सांस रुकने या हृदय गति रुकने की स्थिति में प्राथमिक उपचार, तथा घायल व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से संभालने के व्यावहारिक तरीके सिखाए जाएंगे। साथ ही लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से पुलिसकर्मियों को अभ्यास भी कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान शहर के ट्रैफिक प्रबंधन, दुर्घटना रोकथाम और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। विशेषज्ञ ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय बनाकर बेहतर प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करने पर जोर देंगे, जिससे गोल्डन आवर के दौरान पीड़ितों को शीघ्र सहायता मिल सके। आयोजकों का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण से न केवल पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, बल्कि आम नागरिकों में भी सड़क सुरक्षा और जीवनरक्षक उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

असम में बह रही है बदलाव की बयारः शिल्पी नेहा तिर्की

संवाददाता डिब्रूगढ़/रांचीः असम विधानसभा चुनाव प्रचार के क्रम में आज तिनखोंग विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी बिपुल गोगोई के समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा में शिल्पी नेहा तिर्की ने प्रियंका गांधी के साथ मंच साझा किया। उन्होंने कहा कि रैली में उमड़ा जनसैलाब इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश की जनता हेमन्ता विश्वा शर्मा के दस वर्षों के भ्रष्ट और जनविरोधी शासन से त्रस्त हो चुकी है और अब बदलाव के लिए तैयार है। इस अवसर पर गौरव गोगोई एवं जितेंद्र सिंह के ऊर्जावान संबोधनों ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया। सभा में मौजूद जनसमर्थन ने यह स्पष्ट कर दिया कि तिनखोंग ही नहीं, पूरे असम में इस बार परिवर्तन की लहर है। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जुबिन जी की रहस्यमयी मृत्यु की निष्पक्ष जाँच कर उन्हें न्याय दिलाया जाएगा। साथ ही चाय बागानों में काम करने वाले आदिवासी श्रमिकों की सभी जायज़ माँगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनता के सहयोग से असम में विकास, न्याय और सम्मान की नई शुरुआत होगी।

मनोरंजन फुल-ऑनः आपका लॉन्ग वीकेंड वॉचलिस्ट

संवाददाता रांचीः यह लॉन्ग वीकेंड बिल्कुल सही समय पर आया है, जब एंटरटेनमेंट की दुनिया में हलचल अपने चरम पर है। चाहे आप घर पर सुकून से समय बिताना चाहें, देर रात तक सीरीज देखना चाहें, या परिवार के साथ टीवी का आनंद लेना चाहें—यह लंबी छुट्टी काम से ब्रेक लेने और मनोरंजन से जुड़ने का बेहतरीन अवसर है। कोर्टरूम ड्रामा और युवाओं की कहानियों से लेकर इंटरनेशनल एक्शन तक, इस हफ्ते OTT पर विकल्पों की कमी नहीं है। Airtel IPTV के साथ इस अनुभव में IPL के रोमांचक मुकाबलों का तड़का भी लग जाता है। अब घर की सबसे बड़ी स्क्रीन पर 27 टॉप OTT ऐप्स, 657 लाइव टीवी चैनल्स और एक विशाल ऑन-डिमांड लाइब्रेरी का आनंद लें। यहाँ आपके लॉन्ग वीकेंड के लिए खास तौर पर चुनी गई लिस्ट दी गई है, जिसमें नए OTT प्रीमियर और स्ट्रीमिंग व लाइव क्रिकेट के बीच आसानी से स्विच करने का तरीका शामिल है। Airtel IPTV के साथ लाइव स्पोर्ट्स और OTT के बीच स्विच करना इतना आसान है कि आप बिना डिवाइस बदले एक पल में 'बिंज-वॉचिंग' से 'बाउंड्री-वॉचिंग' पर आ सकते हैं।

रांची जिला के विभिन्न अंचलों और प्रखण्डों में जनता दरबार का आयोजन

मांडर, सिल्ली, खलारी, अरगोड़ा, चान्हो और अनगड़ा अंचलों में प्रमाण पत्र, पेंशन व दाखिल-खारिज मामलों का निष्पादन

संवाददाता रांचीः उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार आज दिनांक 01.04.2026 को जिला के सभी अंचलों में जनता दरबार का आयोजन किया गया। मंगलवार को अवकाश होने के कारण उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर बुधवार को जनता दरबार आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याओं के समाधान हेतु उपस्थित हुए। जनता दरबार के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा राजस्व एवं कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामलों का त्वरित एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित किया गया, जिससे आम नागरिकों को मौके पर ही राहत मिली।

मांडर अंचल एवं प्रखंड में 50 मामलों का निष्पादनः मांडर अंचल में आयोजित जनता दरबार में विभिन्न आवेदकों को मौके पर ही प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। ग्राम मेशाल निवासी मोहम्मद शामी शान को आय प्रमाण पत्र तथा ग्राम करगे निवासी अनिकेत भगत को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं मांडर प्रखंड में वृद्धा पेंशन से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम मलती के रहमान अंसारी एवं सैमुन खातून, ग्राम बरगडी की सरस्वती देवी तथा ग्राम मुडमा के नागा उरांव को वृद्धा पेंशन की स्वीकृति प्रदान की गई। मांडर अंचल में कुल 50 मामलों का निष्पादन किया गया, जिसमें 17 जाति प्रमाण पत्र, 12 आय प्रमाण पत्र, 09 आवासीय प्रमाण पत्र, 03 पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र, 04 सर्वजन पेंशन योजना सहित अन्य मामले शामिल हैं।

सिल्ली अंचल में 64 मामलों का निष्पादनः सिल्ली में आयोजित जनता दरबार में कुल 64 आवेदनों का निष्पादन किया गया। इसमें 15 आय प्रमाण पत्र, 12 पारिवारिक सदस्यता, 09 आवासीय प्रमाण पत्र, 08 जाति प्रमाण पत्र, 08 तत्काल प्रमाण पत्र, 04 पंजी सुधार, 04 दाखिल-खारिज, 02 नकल एवं 02 आचरण प्रमाण पत्र शामिल हैं।

खलारी अंचल में 17 मामलों का निपटाराः अंचल कार्यालय खलारी में आयोजित जनता दरबार में कुल 17 मामलों का निष्पादन किया गया, जिसमें 05 आय प्रमाण पत्र, 04 आवासीय प्रमाण पत्र, 03 जाति प्रमाण पत्र, 02 पारिवारिक प्रमाण पत्र, 02 तत्काल आवेदन एवं 01 आचरण प्रमाण पत्र शामिल हैं।

अरगोड़ा अंचल में 62 आवेदन निष्पादितः अरगोड़ा अंचल में कुल 71 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 62 का निष्पादन किया गया। इसमें 32 आय प्रमाण पत्र, 18 जाति प्रमाण पत्र, 12 स्थानीय प्रमाण पत्र, 04 पेंशन, 03 पंजी-2 सुधार, 01 पारिवारिक सूची एवं 01 दाखिल-खारिज वाद शामिल हैं।

चान्हो अंचल में 212 मामलों पर कार्रवाईः चान्हो अंचल में कुल 212 मामलों पर कार्रवाई की गई, जिसमें 135 जाति प्रमाण पत्र, 70 आवासीय प्रमाण पत्र, 03 तत्काल आवेदन, 01 ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, 01 पारिवारिक सदस्यता एवं अन्य मामले शामिल हैं।

अनगड़ा अंचल में 137 मामलों का निष्पादनः अनगड़ा अंचल में कुल 137 मामलों का निष्पादन किया गया। इसमें 40 आय प्रमाण पत्र, 35 दाखिल-खारिज, 25 जाति प्रमाण पत्र, 22 आवासीय प्रमाण पत्र, 10 पंजी-2 सुधार, 02 परमिशन, 02 शुद्धि पत्र में जाति सुधार एवं 01 पारिवारिक सदस्यता शामिल हैं। ग्राम हेसल के कुंवर शाह के शुद्धि पत्र में सुधार तथा ग्राम चिलदाग के राजु कुमार के ऑनलाइन पंजी-2 में प्लॉट संख्या एवं नाम में सुधार करते हुए आवेदन का त्वरित निष्पादन किया गया।

जनता दरबार के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही त्वरित रूप से हो। राजस्व, प्रमाण पत्र, पेंशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामलों में मौके पर ही कार्रवाई कर लोगों को राहत प्रदान की जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा आमजनों से अपील की गई है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान हेतु जनता दरबार में उपस्थित होकर इस पहल का लाभ उठाएं।

रांची में सेवानिवृत्त शिक्षकों का भावपूर्ण विदाई सम्मान, पेंशन दरबार आयोजित

संवाददाता, रांचीः जिला प्रशासन द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में सोमवार को समाहरणालय स्थित ब्लॉक-ए कॉन्फ्रेंस हॉल में पेंशन दरबार सह सेवानिवृत्ति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने की। इस अवसर पर जिले के 10 सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं एक कर्मी को उनके दीर्घ, समर्पित और अनुकरणीय सेवा के लिए स्मृति चिह्न, शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माणकर्ता होते हैं और उनके योगदान से ही सशक्त पीढ़ियों का निर्माण होता है। उन्होंने सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी पेंशनरी लाभ उपलब्ध कराए जाने को प्रशासन की गहरी प्रतिबद्धता बताया और शिक्षकों को जीवन की नई पारी में सक्रिय व स्वस्थ रहने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जिला उप समाहर्ता बिवेक सुमन एवं जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज उपस्थित रहे। यह आयोजन शिक्षकों के कल्याण और सम्मान को प्राथमिकता देने की प्रशासनिक पहल को दर्शाता है।

प्रभाकर प्रभात बने ईडी रांची जोनल के नए जॉइंट डायरेक्टर, अजय लुहाच का हुआ रायपुर तबादला

रांचीः प्रवर्तन निदेशालय में बड़े पैमाने पर अधिकारियों का तबादला हुआ है. प्रभाकर प्रभात रांची ईडी जोनल के नए जॉइंट डायरेक्टर बनाए गए हैं. वहीं, अजय लुहाच का तबादला रांची से रायपुर किया गया है. इस संबंध में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है. प्रवर्तन निदेशालय ने बड़े पैमाने पर अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश जारी किया है, जिसमें कई फेरबदल किए गए. झारखंड में भी ईडी में बड़ा तबादला हुआ है. ईडी रांची जोनल के जॉइंट डायरेक्टर अजय लुहाच का तबादला रायपुर किया गया है. वहीं, रायपुर से प्रभाकर प्रभात को रांची भेजा गया है. जहां उन्हें रांची ईडी जोनल के नए जॉइंट डायरेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है. अधिसूचना के अनुसार अवनीश तिवारी पणजी से चंडीगढ़, राकेश कुमार सुमन कोच्चि से लखनऊ, मयंक पांडे गुवाहाटी से मुंबई ,प्रभाकर प्रभात रायपुर से रांची ट्रांसफर किए गए हैं. जबकि अजय लुहाच रांची से रायपुर जा रहे हैं. माधुर डी. सिंह मुख्यालय से गुरुग्राम और राज कुमार लखनऊ से मुख्यालय स्थानांतरित किए गए है.

अभयुदय ए. आनंद को कोच्चि जोनल कार्यालय, रामधन डागर को मुख्यालय, और सत्यमकाम दत्ता गुवाहाटी भेजे गए हैं. माधुर डी. सिंह को श्रीनगर का चार्ज भी मिला. वहीं, अजय लुहाच को पणजी जोनल कार्यालय की जिम्मेदारी भी सौंपा गया.

राज्यसभा में डॉ. प्रदीप वर्मा ने उठाया 'नशा मुक्त भारत' अभियान का मुद्दा, झारखंड में प्रयासों पर सरकार ने दी विस्तृत जानकारी

संवाददाता रांचीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में देशभर में संचालित 'नशा मुक्त भारत' अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में आज राज्यसभा में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया।
सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा झारखंड में संचालित नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन (NAPDDR) तथा 'नशा मुक्त भारत' अभियान की वर्तमान स्थिति को लेकर पूरक प्रश्न के माध्यम से चर्चा की। उन्होंने राज्य में नशे की बढ़ती चुनौती तथा उससे निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इस पर माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने विस्तृत एवं संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत किया।

गिरती कानून व्यवस्था के खिलाफ पुलिस मुख्यालय पहुंचा बीजेपी शिष्टमंडल, डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

रांचीः झारखंड में गिरती कानून व्यवस्था के खिलाफ बीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल डीजीपी तदाशा मिश्रा से मिला. इस प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की. प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय पहुंचे बीजेपी नेताओं में बालमुकुंद सहाय, नीलकंठ सिंह मुंडा, मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल और सीमा शर्मा शामिल थे.

इस दौरान बीजेपी नेताओं ने राज्य में तुष्टिकरण जनित अपराध पर पूर्ण लगाम लगाते हुए विधि व्यवस्था ठीक करने एवं अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की. बीजेपी नेताओं ने डीजीपी को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि झारखंड 6 सालों से तुष्टिकरण जनित अपराध एवं अपराधियों की चपेट में आ चुका है. यह तुष्टिकरण वर्तमान हेमंत सरकार की सोची समझी रणनीति का हिस्सा है. 'फूट डालो और राज करो' की नीति से अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक समाज में खाई बढ़ रही है, जिसके भयावह परिणाम सामने आ रहे हैं.

दिन प्रतिदिन विभिन्न समस्याओं से जूझ रही जनता अब अपने पर्व त्योहारों, धार्मिक सांस्कृतिक अनुष्ठानों में भी दहशत, भय के माहौल में जीने को मजबूर है. जब पुलिस एवं प्रशासन कानून के शासन को तिलांजलि देकर तुष्टिकरण की नीति का टूलकिट बन जाता है, तो जनता का विश्वास पुलिस प्रशासन से उठ जाता है.

केंद्र सरकार की सख्त कार्रवाई के कारण राज्य अब नक्सलवाद से मुक्त होने के कगार पर है लेकिन तुष्टिकरण जनित अपराध राज्य में सुरसा की भांति मुंह फैला रहा है. आए दिन सनातन, हिंदू समाज के उत्सव, पर्व त्यौहार एक समुदाय विशेष के निशाने पर होते हैं.

बीजेपी विधायक नवीन जायसवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि रामनवमी, दुर्गा पूजा, सरस्वती पूजा, छठ, दीपावली, सरहुल, शिवरात्रि जैसे त्योहारों में सुनियोजित तरीके से अड़ंगा डालना, शोभा यात्रा पर पत्थराव, मार्ग बाधित करना, हथियारों से आक्रमण करना, मंदिर, देवी देवता की प्रतिमा को खंडित करना, अपवित्र करना, जैसी वारदातें आम हो गई हैं. इसके अलावा बड़े पैमाने पर गौ तस्करों की सक्रियता, सनातन हिंदू समाज को आक्रोशित कर रही है. राज्य में प्रतिबंधित गौ मांस की बिक्री को बढ़ावा दिया जा रहा है. हाल के महीनों में राज्य के विभिन्न जिलों में घटी घटनाएं इसके ज्वलंत उदाहरण हैं. रांची में सरहुल जुलूस में पथराव, गढ़वा जिला के रामकंडा, धनबाद के बलियापुर में रामनवमी जुलूस पर पथराव और 28 मार्च को खूंटी के मुरहू में रामनवमी जुलूस पर पत्थरबाजी ये सारी घटनाएं बताती हैं कि ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले एक वर्ग विशेष के समुदाय का मनोबल सिर चढ़कर बोल रहा है.

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. सुम्बुल आलम सम्मानित

रांची। आइडियल इंटरनेशनल स्कूल की निदेशक डॉ. सुम्बुल आलम को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विमेंस अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडे सिंह के हाथों प्रदान किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

डॉ. आलम ने समाज के प्रति अपनी विशेष जिम्मेदारी निभाते हुए शहीदों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की सराहनीय पहल की है। इसके साथ ही उन्होंने कक्षा 9वीं से लेकर प्लस टू तक के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था कर समाज में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उनके इस प्रयास से न केवल आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा का अवसर मिल रहा है, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है।

पारस हॉस्पिटल में एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड व एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड की सुविधा हुई शुरू

संवाददाता, रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची में अब अत्याधुनिक एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (EUS) और एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड (EBUS) की सुविधा शुरू हो गई है। इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से पेट, लीवर, पैनक्रियाज और फेफड़ों से जुड़ी जटिल बीमारियों के निदान व उपचार में मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। खास बात यह है कि अब झारखंड के मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बड़े महानगरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा।

इस सुविधा का संचालन गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ आलोक चंद्रा, डॉ अनिकेत कुमार तथा पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ ओंकार कुमार झा के नेतृत्व में किया जा रहा है। विशेषज्ञों और अत्याधुनिक तकनीक के समन्वय से अब सटीक, सुरक्षित और प्रभावी उपचार संभव हो सकेगा।

बिग्रेडियर डॉ आलोक चंद्रा ने बताया कि EUS तकनीक से टीबी, कैंसर, लीवर और पैनक्रियाज जैसी गंभीर बीमारियों के निदान में उल्लेखनीय सुधार होगा। हाल ही में एक मरीज की छाती में गांठ का कारण सीटी स्कैन से स्पष्ट नहीं हो पा रहा था, लेकिन EUS की मदद से सटीक जांच कर सफल उपचार किया गया।

डॉ अनिकेत कुमार ने बताया कि EUS के जरिए पेट और आसपास के अंगों की सूक्ष्म जांच संभव है, साथ ही प्रभावित हिस्से से सीधे बायोप्सी लेकर बीमारी की पुष्टि की जा सकती है। आवश्यकता पड़ने पर इसी प्रक्रिया के दौरान इलाज भी किया जा सकता है।

डॉ ओंकार झा ने कहा कि EBUS तकनीक से फेफड़ों और आसपास के लिम्फ नोड्स की बिना सर्जरी जांच संभव हो गई है। इससे कैंसर, टीबी, सार्कोयडोसिस और लिंफोमा जैसी बीमारियों का सटीक निदान आसान हुआ है।

पारस हॉस्पिटल के फैसेलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि यह सुविधा झारखंड और आसपास के मरीजों के लिए बड़ी उपलब्धि है और पारस अस्पताल गुणवत्तापूर्ण व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

चार श्रम संहिताओं के खिलाफ रांची में काला दिवस सफलतापूर्वक संपन्न

संवाददाता रांचीः संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच, झारखंड (रांची) के आह्वान पर आज 1 अप्रैल 2026 को रांची में मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं के खिलाफ "काला दिवस" कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संयुक्त किसान मोर्चा का समर्थन भी प्राप्त था।

बुधवार शाम 5 बजे अल्बर्ट एक्का चौक, रांची में बड़ी संख्या में मजदूरों, कर्मचारियों, ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने एकत्र होकर केंद्र सरकार की श्रम-विरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने काले बैज और काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया तथा नारेबाजी और सभा के माध्यम से चारों श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग उठाई।

सभा को संबोधित करते हुए विभिन्न ट्रेड यूनियन नेताओं ने कहा कि ये श्रम संहिताएँ श्रमिकों के वर्षों के संघर्ष से हासिल अधिकारों को कमजोर करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कानूनों के माध्यम से कार्य समय को बढ़ाने, यूनियन बनाने के अधिकार को सीमित करने, हड़ताल के अधिकार को समाप्त करने, परमानेंट काम में ठेका आउटसोर्सिंग को बढ़ावा देने एवं वेतन तथा सामाजिक सुरक्षा को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

वक्ताओं ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इन संहिताओं को लागू करने की जल्दबाजी कॉरपोरेट के हित में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और श्रमिक हितों की अनदेखी को दर्शाती है। उन्होंने मांग की कि चारों श्रम संहिताओं को तत्काल वापस लिया जाए और श्रमिक संगठनों के साथ व्यापक परामर्श किया जाए।

इसके साथ ही वक्ताओं ने किसानों और खेत मजदूरों से जुड़े मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने बिजली संशोधन विधेयक और बीज विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि ये कानून किसानों को कॉरपोरेट कंपनियों पर निर्भर बनाने और कृषि पर उनका नियंत्रण कमजोर करने की दिशा में उठाए गए कदम हैं। साथ ही उन्होंने मनरेगा (MGNREGS) में काम की गारंटी को कमजोर करने और ग्रामीण रोजगार के अवसरों में कटौती पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जिससे खेत मजदूरों की आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉमरेड शुभेंदु सेन ने की। सभा को एटक के पंकज कुमार और सरिता देवी, एआईसीसीटीयू के भीम साहू, अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के गोपाल शरण सिंह, आईसा से त्रिलोकी नाथ, बेफ के एम एल सिंह, किसान सभा के मदुआ कच्छप, खेत मजदूर यूनियन के बीरेंद्र कुमार तथा सीटू के प्रतीक मिश्रा, हरेंद्र यादव और भवन सिंह ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में यह संकल्प लिया गया कि यदि सरकार इन मांगों पर ध्यान नहीं देती है, तो आने वाले समय में संघर्ष को और तेज किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो कई दिनों की हड़ताल का आह्वान किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें...

एचपी गैस एजेंसी जांच को पहुंचे सीओ व एमओ, एजेंसी मिली बंद, उपभोक्ता परेशान, जांच के बाद कार्रवाई के संकेत

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण (हजारीबाग): चौपारण प्रखंड में गैस उपभोक्ताओं की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद बुधवार को सीओ संजय यादव एवं एमओ विक्रम पांडेय एचपी गैस एजेंसी की जांच के लिए पहुंचे। हालांकि जांच के दौरान एजेंसी बंद पाई गई,जिससे अधिकारियों को मौके पर ही कई सवालों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, अधिकारियों ने एजेंसी संचालक से संपर्क करने का प्रयास भी किया, लेकिन उनका मोबाइल नंबर भी बंद मिला। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि वे कई दिनों से गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें निराश होकर खाली हाथ लौटना पड़ता है। लोगों ने आरोप लगाया कि "घर-घर गैस पहुंचाने का दावा किया जाता है, लेकिन हकीकत में एजेंसी पहुंचने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है।" इस संबंध में सीओ संजय यादव ने कहा कि, "लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके आधार पर जांच की गई। एजेंसी बंद मिली और संचालक से संपर्क भी नहीं हो सका। पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार की जा रही है, और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने आगे कहा कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और गैस वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं नियमित बनाना आवश्यक है।प्रशासन की इस कार्रवाई से उपभोक्ताओं को उम्मीद जगी है कि जल्द ही समस्या का समाधान होगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

चौपारण के दैहर से 13 अप्रैल को रवाना होगी सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): सांसद तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा पर ले जाने वाली विशेष गाड़ी आगामी 13 अप्रैल को ग्राम पंचायत दैहर से रवाना होगी। इसको लेकर दैहर शक्तिकेंद्र के संयोजक कैलाश पांडेय की अध्यक्षता में ग्राम भदान स्थित जन्मेजय कुमार सिंह के आवास पर एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन पंचायत सारथी जन्मेजय कुमार सिंह ने किया। बैठक में यात्रा कार्यक्रम, पात्रता, यात्रियों के चयन की प्रक्रिया तथा भ्रमण स्थलों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।वक्ताओं ने योजना की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए इसे सफल बनाने पर जोर दिया। साथ ही पंचायत स्तर पर निर्धारित मानकों के अनुरूप चयन सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं को भव्य तरीके से स्वागत कर यात्रा के लिए विदाई देने की रूपरेखा भी तैयार की। इस दौरान वक्ताओं ने हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के सिद्धांत को धरातल पर उतारा है।बैठक में जिला सांसद प्रतिनिधि अजय साहू, मांडू विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सह तीर्थ दर्शन प्रभारी द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, सह प्रभारी जुगनू सिंह, बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, सह सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान, रंजित चंद्रवंशी, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पप्पू चंद्रवंशी, चौपारण पश्चिमी मंडल सांसद प्रतिनिधि आशीष कुमार सिंह तथा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष देव कुमार दांगी सहित कई जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में मौत के आश्रितों को जनता दरबार में अंचल अधिकारी के हाथों मिला मुआवजा राशि

ओरमांझी : रांची उपायुक्त के निर्देश पर बुधवार को ओरमांझी अंचल कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान अंचल अधिकारी उज्ज्वल सोरेन ने सड़क दुर्घटना में मृत पांच लोगों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा चेक सौंपा। अंचल अधिकारी उज्जवल सोरेन ने बताया कि आनंदी गांव के नसीबन खातून पति स्वर्गीय जहीरूद्दीन अंसारी, मायापुर गांव के बकरीदन खातून पति स्वर्गीय जाकिर हुसैन अंसारी, हेंदीबिली गांव के रेखा देवी पति स्वर्गीय सुरेंद्र यादव, बेति चापर गांव के रामजीवन भोक्ता पिता स्वर्गीय योगा भोक्ता, गुरगाई गांव के सुशीला देवी पति स्वर्गीय भारत मुंडा शामिल है. सभी लाभुकों को राज्य सरकार की ओर से सहायता स्वरूप एक-एक लाख रुपए का मुआवजा राशि प्रदान किया गया, मृत्यु के उपरांत परिजनों द्वारा अंचल कार्यालय में आवेदन दिया गया था, जिसकी छानबीन के उपरांत परिजनों को यह राशि उपलब्ध कराई गई है, वही लाभको से अंचल अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा मिले पैसे का सदुपयोग करें, चेक प्राप्त करने के बाद लाभुकों ने राज्य सरकार,अंचल अधिकारी एवं अंचल के कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के प्रयास से आर्थिक सहायता मिला है, इस तरह की मदद को हम लोग कभी नहीं भूलेंगे, घर में मृत्यु के उपरांत हम लोगों का स्थिति काफी देनीय हो चुका था, अब जबकि हम लोगों को सहायता राशि मिली है तो हम लोग इसका अच्छा से इस्तेमाल करेंगे। जनता दरबार में जमीन से जुड़े कई मामलों का भी ऑन-द-स्पॉट निपटारा किया गया, जिससे लाभुकों के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ तौर पर देखने को मिली। प्रशासन की इस पहल से लोगों को त्वरित राहत मिली है। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि हरिमोहन महतो, अंचल लिपिक अभिजीत रंजन, आंचल ऑपरेटर दशरथ महतो मौजूद थे।

मिडिल ईस्ट वार के कारण कंपनी के उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है - टीवी नरेंद्रन : सीईओ टाटा स्टील

जमशेदपुर । बिस्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान टाटा स्टील के एमडी ने बताया कि वर्तमान में मिडिल ईस्ट में युद्ध का असर स्टील इंडस्ट्री पर भी पड़ने लगा है. उन्होंने बताया कि वर्तमान हालात एक चुनौती है जिसका असर कंपनी के उत्पादन के लिए माल ढुलाई पर हो रहा है, जिसके कारण उत्पादन लागत में बढ़ोतरी हुई है. उन्होंने कहा कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो मुश्किलें और बढ़ेंगी. युद्ध का सबसे बुरा असर टाटा स्टील की सब्सिडरी टिनप्लेट कंपनी पर पड़ा है. टिनप्लेट का परिचालन मुख्य रूप से प्रोपेन गैस पर निर्भर है. युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन बाधित हुई है, जिससे कंपनी के समक्ष प्रोपेन गैस का गंभीर संकट खड़ा हो गया है. अभी कंपनियों के पास केवल दो दिन का स्टॉक है. फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था और स्थानीय स्तर पर मिलने वाले टैंकरों से काम चलाया जा रहा है. लेकिन युद्ध लंबा खिंचता है तो संकट गहरा जाएगा. उन्होंने कहा कि कंपनी अपनी उत्पादन प्रक्रिया के लिए कोयला और चूना पत्थर जैसे कच्चे माल का आयात बाहरी देशों से करती है. युद्ध के कारण समुद्री मार्गों में जोखिम बढ़ा है.

नानी बाई की कठिनाई और भगवान पर अटूट विश्वास के वर्णन ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

जमशेदपुर। भक्त को भगवान से सीधे जोड़ने वाली नानी बाई रो मायरो धार्मिक कथा के दूसरे दिन बुधवार को विश्वविख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता पूज्या जया किशोरी ने व्यास पीठ से अपनी सुमधुर वाणी से कुमकुम पत्रिका का पहुँचना, नरसी मेहता का अंजार नगर प्रस्थान और श्रीकृष्ण नरसी मेहता मिलन की कथा का विस्तार से भावपूर्ण वर्णन किया। कथा में नानी बाई की कठिनाई और भगवान पर अटूट विश्वास का वर्णन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। जया किशोरी ने कहा कि कुमकुम पत्रिका भेजने की परंपरा के माध्यम से नरसी जी (नानी बाई के पिता) को मायरे (भात) का निमंत्रण दिया गया। बाजा-गाजा के साथ भेजा गया यह निमंत्रण न केवल रस्म का प्रतीक था, बल्कि कथा में भावनात्मक और भक्तिपूर्ण वातावरण भी निर्मित करता है। कथावाचक ने बताया कि जब नरसी मेहता को यह निमंत्रण मिला, तो उन्होंने बिना किसी सांसारिक चिंता के प्रभु भरोसे अंजार नगर के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान भगवान कृष्ण

ने स्वयं नरसी मेहता को केदार का राग और तुलसी की माला भेंट की, साथ ही वादा किया कि जब भी नरसी मेहता इस राग का गायन करेंगे, वे अपने सारे काम छोड़कर तुरंत उनके पास आ जाएंगे। कथा में एक अद्भुत प्रसंग यह भी आया कि भगवान कृष्ण ने नरसी जी की बैलगाड़ी स्वयं खाती (बढ़ई) का रूप धारण कर ठीक की और उन्हें अंजार नगर पहुँचाया।

जया किशोरी जी ने भजन- गाड़ी में बिठा ले रे बाबा... के माध्यम से यह दर्शाया कि भगवान अपने भक्त का भार उठाते हैं। उन्होंने कहा कि यह कथा भक्तिपूर्ण निश्चल भक्ति, भगवान के अपने भक्त के प्रति प्रेम और विश्वास की शक्ति का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है और श्रद्धालुओं को भक्ति मार्ग पर चलने तथा ईश्वर पर पूर्ण विश्वास रखने की प्रेरणा देती है।

तीन दिवसीय कथा का आयोजन शहर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था नारायणी सेवा ट्रस्ट जमशेदपुर द्वारा साकची स्थित चंद्रलाल अशोक कुमार भालोटिया सभागार, बोधि मंदिर मैदान (राजेन्द्र विद्यालय के बगल में) किया जा रहा है, जो 02 अप्रैल गुरुवार को समापन होगा। दूसरे दिन भी कथा का आरंभ होने से पहले विधिवत पूजा-अर्चना यजमानों द्वारा की गई। कोलकाता से आये आचार्य अभिषेक तिवारी ने पूजा करायी। व्यास पीठ से जया किशोरी के विराजमान होने के बाद पारंपरिक रूप से उनका स्वागत सत्कार किया गया। कथा में तीसरे दिन गुरुवार 2 अप्रैल को जया किशोरी अपनी सुमधुर वाणी से नानी बाई एवं नरसी मेहता मिलन, श्री कृष्ण रूकमणी सहित मायरा भरने की कथा का वाचन करेंगी। जया किशोरी जी की सुमधुर वाणी से कथा सुनने के लिए पूरा पंडाल भरा हुआ था, लगभग तीन हजार से अधिक श्रद्धालुगण उपस्थित थे। बुधवार को भी कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख रूप से राजकुमार चंदूका, राजकुमार संघी, कैलाश सरायवाला, विजय मित्तल, अनिल नरेडी, ललित सरायवाला, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, नवीन पोद्दार, किशन सोंथालिया, अभिषेक भालोटिया, रोहित अग्रवाल, राम रतन कांवटिया, समीर दिवान, अजय खेमका, अजय अग्रवाल, नेहा सोंथालिया, मेघा चौधरी, स्नेहा अग्रवाल, कृतिका गुप्ता, रिंकी भालोटिया, विजय लक्ष्मी भालोटिया आदि का योगदान रहा।

रामगढ़ आर्मी स्कूल में भावुक विदाई समारोह, तीन वरिष्ठ शिक्षकों को दी गई सम्मानजनक विदाई

संवाददाता रामगढ़: रामगढ़ कैंट स्थित आर्मी स्कूल में मंगलवार को एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के तीन वरिष्ठ शिक्षकों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम का माहौल एक ओर भावुक रहा, तो दूसरी ओर प्रेरणा से भी भरपूर नजर आया।

विद्यालय परिवार ने कपिल देव पाठक (TGT, संस्कृत), राठौड़ सर (TGT, खेल शिक्षक) और सुधाकर सर (PGT, केमिस्ट्री) के लंबे एवं समर्पित सेवाकाल को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया। इन शिक्षकों ने लगभग तीन दशकों तक अपनी सेवाएं देकर न केवल शिक्षा प्रदान की, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इन शिक्षकों का मार्गदर्शन उनके जीवन में सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। कई छात्र-छात्राएं भावुक होते दिखे और अपने प्रिय शिक्षकों के योगदान को याद किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि इन शिक्षकों ने अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट शिक्षण के माध्यम से विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर शिक्षकों को भावभीनी विदाई दी गई। पूरे समारोह के दौरान एक युग के समापन और नई यात्रा की शुरुआत का भाव स्पष्ट रूप से झलकता रहा। यह विदाई केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि समर्पण, सेवा और प्रेरणा की एक गौरवपूर्ण कहानी का सम्मान था।

देश सेवा से लौटे वीर सपूत का भव्य स्वागत, ओरमांझी में छोटन करमाली सम्मानित

ओरमांझी: देश की सरहदों की रक्षा कर स्वदेश लौटे सैनिक छोटन करमाली के सम्मान में ओरमांझी में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। भारतीय सेना से हाल ही में सेवानिवृत्त हुए छोटन करमाली का स्वागत पूरे उत्साह और गौरव के साथ किया गया।

समारोह के दौरान"भारत माता की जय"और"वंदे मातरम्"के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। ढोल-नगाड़ों के साथ फूल-मालाएं एवं अंग वस्त्र भेंट कर वीर सैनिक को सम्मानित किया गया।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि छोटन करमाली ने अपने सेवा काल में अदम्य साहस, अनुशासन और समर्पण का परिचय देते हुए देश की रक्षा की है। उन्होंने न केवल ओरमांझी बल्कि पूरे समाज का मान बढ़ाया है। उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

अपने संबोधन में छोटन करमाली ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश सेवा का अवसर उनके जीवन का सबसे गौरवपूर्ण समय रहा है। उन्होंने युवाओं से भी देश सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया।

यह सम्मान समारोह न केवल एक सैनिक के प्रति सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि युवाओं के लिए देशभक्ति और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा का भी माध्यम साबित हुआ।

इस अवसर पर मुखिया दीपक बड़ाईक, ग्राम प्रधान दीनदयाल लोहार, मुण्डा बबलू करमाली, उत्तम करमाली, प्रीतम करमाली, टुनटुन साहू, दुर्गा शंकर साहू, रीता देवी, सुनील नायक, किरण देवी, मुन्नी देवी, सीता देवी, पंचम देवी, सुंदर नायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मंडा पूजा को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई

बुढ़मू : बुढ़मू प्रखंड के बंसरी गांव में ग्रामीणों की बैठक बुधवार को ग्राम प्रधान शिबु पाहन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिव उपासना का पूजा मंडा पूजा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मौके पर आगामी 11 अप्रैल को फुलखुन्दी व 12 अप्रैल को झूलन सह मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पूजा की सफलता को लेकर कमेटी का भी गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष दीपक सिंह,सचिव सुनील महतो व कोषाध्यक्ष कृष्णा साहु चुने गए। वहीं कमेटी में संरक्षक परिबा साहु, कौशल साहु, जनार्दन साहु, मणिकांत साहु, संदीप साहु, विश्वनाथ मुंडा,शंकर लोहरा व घनश्याम साहु बनाये गए हैं। इस अवसर पर गांव के दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

इटखोरी में निर्माणाधीन सरकारी भवन में बैर के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

कोयलांचल संवाद संवाददाता, इटखोरी (चतरा): इटखोरी प्रखंड कॉलोनी मध्य विद्यालय के पीछे पंचायत भवन परिसर में एक निर्माणाधीन सरकारी भवन में बैर पेड़ से लटकता एक युवक का मिला शव। इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि शव करीब तीन दिन पुराना है और उससे तेज बदबू आ रही थी तो आस पास लोगों को बदबू महसूस होने पर पुलिस को सूचना दी। सूचना

मिलते ही शव को पुलिस अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया गया। मृतक की पहचान धनखेरी गांव के अहमद खलीफा के पुत्र 16 वर्षीय मोहम्मद आदिल युवक के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मेरा बच्चे को नशे का लत लग गया था उसी कारण घर में समझाने का प्रयास किए लेकिन नहीं समझा और ऐसा कदम उठा लिया । पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को शॉप दिया जिसके बाद बुधवार को हीं मिटी दे दिया है.

, इसकी जाँच पुलिस कर रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कुछ कहा जा सकता है कि यह हत्या या आत्माहत्या है।

ओरमांझी के चुटुपालु के पास सड़क दुर्घटना में दूध टैंकर चालक की दर्दनाक मौत

ओरमांझी। ओरमांझी थाना क्षेत्र के चुटूपालू के पास रांची रामगढ़ मुख्य मार्ग पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दूध टैंकर चालक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ईंट लदा हाईवा गाड़ी नंबर JH 09 AK 1636 पहले से सड़क पर खराब हालत में खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहा दूध टैंकर UP 32 RT 2978 अनियंत्रित होकर सीधे हाईवा में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक अंदर ही फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक करीब डेढ़ घंटे तक केबिन में फंसा रहा। काफी मशक्कत के बाद दो हाइड्रा मशीनों की मदद से उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बताई गई है। समाचार लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो पाई थी।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए गए। लोगों का कहना है कि यदि खराब हाईवा को समय रहते सड़क किनारे सुरक्षित तरीके से हटा दिया गया होता, तो यह हादसा टल सकता था।

शव को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिस्का अस्पताल भेज दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब बड़ा सवाल यह है कि सड़क पर खड़े इस वाहन के लिए जिम्मेदार कौन है और क्या प्रशासन इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई करेगा या फिर यह मामला भी अन्य हादसों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

फर्टिलिटी जागरूकता ओएसिस फर्टिलिटी जननी यात्रा रथ पहुँची ओरमांझी

ओरमांझी। देशभर में चल रही फर्टिलिटी जागरूकता अभियान को लेकर ओएसिस फर्टिलिटी जननी यात्रा रथ बुधवार को पहुँची। जननी यात्रा अंचल मैदान मे महिलाओं को जागरूक करने के लिए जागरूकता शिविर सह मोबाइल हॉस्पिटल का उद्घाटन रांची के पुर्व सांसद रामटहल चौधरी ने फीता काट कर किया। शिविर के माध्यम से लोगो सलाह, मुफ्त जाँच और वैज्ञानिक आधार पर सही मार्गदर्शन दिया गया।

मौके पर मुख्य अतिथि पुर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि मेडिकल रोज नया नया आविष्कार कर रहा है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ रहा है। आईवीएफ तकनीक से गरीब परिवार के महिलाओं को मां बनने के लिये बेहतर सावित हो रहा है।

विशिष्ट अतिथि न्यू लाईफ हॉस्पिटल के मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डा0 धनेश कुमार ने कहा कि बांझपन कोई अभिशाप नही है।इसका समय पर इलाज कर दुर किया जा सकता है। किसी कारण वंश कोई महिला लम्बे समय तक मां नही बन पा रही है तो समय पर इलाज करा कर वह मां बन सकती हैं। सही समय पर जांच करने से पता चलता हैं कि आखीर किस कारण से मां नही बन पा रही है तो इसे जांच खर ठीक किया जा सकता है।

मौके पर शिविर के माध्यम से लोगों को

आईवीएफ के बारे में जानकारी देते हुए जननी यात्रा के केंद्र अधीक्षक स्वापन्लि श्रेष्ठ राय ने कहा कि प्रजनन चिकित्सा के क्षेत्र में भारत का भरोसेमंद नाम, ओएसिस फर्टिलिटी है। जननी यात्रा कर देशव्यापी फर्टिलिटी जागरूकता का पहल ओएसिस जननी यात्रा के रूप में कर रही है। यह यात्रा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में कई दंपतियों तक पहुँचकर उन्हें मार्गदर्शन दिया है। यात्रा के माध्यम से शहरों और क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचकर फर्टिलिटी से जुड़ी सही जानकारी, विशेषज्ञ सलाह और शुरुआती जाँच की सुविधा प्रदान कर रहे है।

आजकल बदलती लाइफस्टाइल, देर से परिवार शुरू करने का चलन और सही जानकारी की कमी के कारण फर्टिलिटी से जुड़ी समस्याएँ बढ़ रही हैं। ओएसिस जननी यात्रा लोगों के लिए एक मददगार पहल बनकर सामने आई है। इस यात्रा के तहत मोबाइल हॉस्पिटल के माध्यम से मुफ्त फर्टिलिटी कंसल्टेशन, मुफ्त एएमएच और हीमोग्लोबिन टेस्ट, मुफ्त सीमेन एनालिसिस और सुरक्षित सैंपल कलेक्शन की सुविधा दी जा रही है, ताकि दंपतियों को समय रहते सही सलाह और जाँच मिल सके।

मौके पर फाउंडर डा0 दुर्गा राव ने कहा कि समय में विज्ञान ने फर्टिलिटी के इलाज के तरीके बदल दिए हैं। ओएसिस जननी यात्रा के जरिए हम यह जानकारी सीधे लोगों तक पहुँचा रहे हैं, ताकि जो दंपति परिवार शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं, उन्हें शुरुआत में ही सही मार्गदर्शन मिल सके। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, डा0 धनेश कुमार, डा0 स्वापन्लि श्रेष्ठ राय, पुजा उपाध्यक्ष, विवेक रंजन, बबलू राणा, रितू रजनी, सुप्रीति, शिवानी एक्का, सरिन कुमार, विशेश्वर महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार सरकार

न्यायालय–अधीक्षक मद्यनिषेध, सिवान

अति अल्पकालीन आम–सूचना

एतद् द्वारा नीचे अंकित विपक्षी/प्रतिवादी को सूचित किया जाता है कि बिहार मद्यनिषेध उत्पाद अधिनियम 2016 के अन्तर्गत जब्त वाहनों के अधिहरण हेतु प्राप्त प्रस्ताव के आलोक में अद्योहस्ताक्षरी के न्यायालय में अधिहरण वाद संधारित है:–

क्र0 सं0	अधिहरण वाद संख्या	थाना का नाम	थाना काण्ड संख्या	वाहन निबंधन संख्या/चेचिस नं0/इंजन नं0	वाहन का प्रकार	वाहन मालिक का नाम व पता
1	42/2025	GUTHANI	140/2025	Reg no-JH01AA2415 Che no-MA3EKE42S00177769 Eng no-G13BBN497495	CAR	Kamlwsh Kumar S/o Awdhesh Mahto C/o Bhadho Munda Pertol Sugnu Ranchi Jharkhand Pin-825103
2	.03/2025	GUTHANI	325/2025	Reg no- JH09P9351 Che no- MA1YA2BVNA2G57416 Eng no- BVA4H20312	FOUR WHEELER XYLO	Mr.Sidheshwar Tiwari S/o Shri Prithvi Tiwari At H.No-355,Bari Co-Operative B.S City Ps+Dist Bokaro State Jharkhand Pin-827010`

उपरोक्त वादों की सुनवाई की अगली तिथि–16.04.2026 निर्धारित करते हुए विपक्षी/प्रतिवादी एवं सम्बद्ध व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि उक्त वाद में निर्धारित तिथि तक स्वयं तथा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद (संसोधन) नियमावली–2022 के नियम 12(क) के अन्तर्गत प्रपत्र–IV भरकर जप्त वाहन के अवमुक्ति हेतु वाहन के नवीनतम बीमाकृत मुल्य का 10 से 50 प्रतिशत राशि शास्ति के मद में चालान के माध्यम से जमा करना सुनिश्चित किया जाय। निर्धारित तिथि तक अनुपस्थित रहने की स्थिति में यह समझा जायेगा कि आपको अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है और तदोपरान्त एक पक्षीय सुनवाई करते हुए राजसात आदेश पारित कर दिया जायेगा, जिसके लिए पूर्ण रूप से आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

PR- 027502 (Excise) 2025-26

अधीक्षक मद्यनिषेध, सिवान

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

बिहार सरकार

समाहरणालय, गया

(न्यायालय, धनराज कुमार, वरीय उप समाहर्त्ता, गया)

अल्पकालीन आवश्यक सूचना

उत्पाद अधिहरण वाद, नोटिस बनाम

बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत् जब्त वाहनों के विरूद्ध धनराज कुमार, वरीय उप–समाहर्त्ता, गया के न्यायालय में चल रहे अधोलिखित अधिहरण वादों से संबंधित वाहन मालिकों के लिए आवश्यक सूचना

क्र. स.	उत्पाद अधिहरण वाद संख्या/वर्ष	जब्त वाहन का विवरण		संबंधित थाना काण्ड सं0/उत्पाद वाद सं0	वाहन मालिक का नाम–पता
1	02/2025 बिहार सरकार बनाम जय प्रकाश सिंह	टाटा पंच चार पहिया	Reg. no-JH02BN-8961, Engine No.- REVTRN20GWXMC0195, Chachis No.- MAT634079PPGA2169	उत्पाद वाद सं0–993/25(सदर), दिनांक–09.09.25	जय प्रकाश सिंह, पिता–सकलदेव सिंह, ग्राम–भौर हरदिया, पो0–हरदिया, थाना–नवादा, जिला–नवादा, पिनकोड–805125
2	30/2025 बिहार सरकार बनाम पुनम कुमारी	मोटरसाईकिल	Reg. No.-JH01V5038, Engine No.-JA06EB8GC08417, Chachis No.- MBLJA06EG8GC07812	उत्पाद वाद सं0–193/25(शेरघाटी), दिनांक–26.06.2025	पुनम कुमारी, पिता–सतीस कुमार अग्रवाल, सा0–हरमु हाउसिंग कॉलोनी, पो0–रॉची, थाना–रॉची, जिला–झारखण्ड, पिनकोड–999999
3	34/2025 बिहार सरकार बनाम अभिजीत कुमार	टी0वी0एस0 अपाची	Reg. no.-JH01DV-1811, Engine No.- CR7AL21L1532AL1756, Chachis No.- MD637CE74L2AL1756	उत्पाद वाद सं0–273/25(शेरघाटी), दिनांक–04.09.2025	अभिजीत कुमार, पिता–रोजन्द्र राम, ग्राम–हनुमान मन्दिर (थारपखाना रॉची), पो0–लालपुर, थाना–लालपुर, जिला–रॉची, झारखंड, पिनकोड–834001

एतत् द्वारा उपर्युक्त अधिहरण वादों से संबंधित वाहन मालिकों को सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्व अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में अधिहरण वाद संचालित है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।

अतः क्रमाक 01 से 03 पर स्थित वादों के संबंध में सूचना दी जाती है कि समाचार पत्र में इस सूचना के प्रकाशन के सात कार्य दिवसों के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष साक्ष्य सहित रखना सुनिश्चित करेंगें अन्यथा उपलब्ध तथ्यों/साक्ष्यों के आधार पर जब्त वाहनों के अधिहरण हेतु एक पक्षीय सुनवाई करते हुए विधि सम्मत् आदेश पारित कर दिया जाएगा।

इसे अत्यावश्यक समझा जाए।

निविदा की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

(धनराज कुमार)
वरीय उप समाहर्त्ता, गया।

PR- 027441 (District) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त खबरें...

पटना के फेमस डॉक्टर से मांगी 10 लाख की रंगदारीः रकम नहीं देने पर जान लेने की धमकी दी

पटना. पटना में चर्चित चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर से रंगदारी मांगी गई है। जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर स्थित जन चिकित्सा हॉस्पिटल के डॉक्टर अभिषेक कुमार सिंह से फोन कर 10 लाख रुपये की डिमांड हुई है। वहीं, रकम नहीं देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई है। इस घटना के बाद डॉक्टर और उनके परिजनों में खौफ का माहौल है। इस मामले में पीड़ित डॉक्टर अभिषेक सिंह ने जक्कनपुर थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित डॉक्टर अभिषेक सिंह के अनुसार, 30 मार्च 2026 की रात करीब 8:52 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया था। कॉल करने वाले ने खुद को दबंग बताते हुए 10 लाख रुपये की मांग की। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। डॉक्टर ने बताया कि कॉल काटने के बाद भी उसी नंबर से लगातार कॉल आने लगे, लेकिन उन्होंने दोबारा फोन रिसीव नहीं किया।

सहरसा, सुपौल, खगड़िया में आंधी से पेड़ गिरे-घर टूटेःनेशनल हाई-वे पर लंबा जाम; बारिश का अलर्ट

पटना. मौसम विभाग ने आज बिहार के 3 जिलों कैमूर, बक्सर और रोहतास में बारिश का अलर्ट जारी किया है। खगड़िया में देर रात चली आंधी से भारी नुकसान हुआ है। लोगों के घर टूट गए हैं। पेड़ गिरने से नेशनल हाई-वे जाम हो गया है। किशनगंज में भी सुबह-सुबह कोहरा देखने को मिला। कई शहरों में आज सुबह से बादल छाए हैं। ठंडी हवा चल रही है। सुपौल में भी आंधी से पेड़ गिरे हैं। इससे फसलों और कई घरों को नुकसान पहुंचा है। सहरसा में भी आंधी से नुकसान हुआ है। यहां भी पेड़ गिरने से यात्रायात प्रभावित है। सिमरी बख्तियारपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के आवास पर लगी उनकी सरकारी गाड़ी पर भी दीवार और छप्पर गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई है। आज सुबह से पटना सहित कई जिलों में आसमान परबादल छाए हुआ हैं, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। हालांकि, कुछ जिलों में धूप भी निकला हुआ है, लेकिन ठंडी हवा चलने से गर्मी से राहत मिली है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य का सबसे अधिक तापमान डेहरी में 37.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, किशनगंज में न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सबसे कम रहा।

ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक, कहा-मेरी गर्लफ्रेंड को बुलाओःपुलिस बोली- नीचे आओ, सीधा ससुराल जाएंगे

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में गर्लफ्रेंड से शादी करने की जिद में एक लड़का 120 मीटर ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसका कहना था कि वह अपनी गर्लफ्रेंड से शादी करना चाहता है, लेकिन लड़की की शादी कहीं और तय की जा रही है। वहां मौजूद लोगों ने जब लड़के से उतरने के लिए कहा, लेकिन वो नहीं माना। उसका कहना था कि पहले उसकी गर्लफ्रेंड को बुलाया जाए, तभी वहां उतरेगा। मोबाइल टावर पर चढ़ने के बाद उसने डायल 112 को फोन भी किया। उसने पुलिस से कहा, 'मेरी गर्लफ्रेंड की शादी कहीं और तय हो रही है। आपलोग मेरी गर्लफ्रेंड को लेकर आइए और उससे मेरी शादी तय करवाइए, तभी मैं नीचे उतरूंगा, नहीं तो कूदकर जान दे दूंगा। मामला मुजफ्फरपुर जंक्शन इलाके का है।' मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़के से कहा, तुम नीचे आ जाओ, तुमको सीधा ससुराल ले चलेंगे। हम लिखकर देते है, पूरा प्रशासन तुमको लेकर चलेगा। लड़की के परिवार से हमलोग बात करेंगे। चंदा मिलाकर थाने में तुम्हारी शादी होगी।'

मां की लाश को घंटों आवाज देती रही बच्चीःपैरों के पास रातभर रोती रही; सुबह पड़ोसियों ने देखा

सीवान. सीवान में एक बच्ची अपनी मां के शव के पैरों के पास रातभर रोती रही, वहीं मां फंदे से लटकी थी। सुबह जब पड़ोसियों ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी तो मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची। पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव की है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय चंदा देवी के रूप में हुई है। थाना प्रभारी विजय रंजन ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मृतका घर में अपनी बच्ची के साथ अकेली रहती थी, जबकि उसका पति बाहर काम करता है। उसके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। रामगढ़ गांव की रहने वाली 20 वर्षीय चंदा देवी की शादी करीब ढाई साल पहले लगन महतो से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही पति रोजी-रोटी के लिए बेंगलुरु चला गया। इसके बाद चंदा गांव में अपनी डेढ़ साल की मासूम बच्ची के साथ अकेले रहने लगी। पड़ोसी अजय ने कहा कि महिला पूरे दिन घर में ही रहती थी। कभी-कभार पड़ोसियों से बातचीत करती थी। पति के दूर रहने के कारण वह मानसिक रूप परेशान रहने लगी थी।

पालीगंज के नहर में अधेड़ महिला का शव मिलाःतीन दिनों से घर से लापता, हत्या या हादसा; जांच जारी

बिहटा. पटना के पालीगंज थाना क्षेत्र के कुरकुरी गांव में बुधवार सुबह एक अधेड़ महिला का शव नहर से बरामद बरामद किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से पुलिस को कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिलने से पुलिस जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि, सुबह खेत की ओर जाते समय नहर में महिला का शव देखा गया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक अधेड़ महिला की पहचान पालीगंज थाना क्षेत्र के रामपुर नगमा गांव निवासी सोहराई भगत की 80 वर्षीय पत्नी सीतापति के रूप में हुई है। वह पिछले तीन दिनों से घर से लापता थी। वह मानसिक रूप से बीमार भी चल रही थी। आज खबर चलने के बाद परिवार के लोग घटनास्थल में पहुंचे और पहचान की। मामले को लेकर राजीव चंद्र सिंह (डीएसपी-1, पालीगंज) ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। फॉरेंसिक जांच के लिए FSL टीम को भी बुलाया गया है। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मामला हत्या का है या फिर कोई हादसा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

गया में नाबालिग लड़की-युवक लापता, पुलिस ने किया बरामदःपरिजनों ने लगाया अपहरण का आरोप

गया. गया शहर के चंदौती थाना क्षेत्र के नियाज़ीपुर गांव में आज एक नाबालिग लड़की और युवक लापता हो गया। परिजनों ने इसे अपहरण बताया, लेकिन पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह प्रेम प्रसंग का मामला निकला है। नियाज़ीपुर गांव निवासी किरण मांझी और 15 साल की लड़की के बीच कई साल से प्रेम संबंध था। दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। दोनों अचानक अपने घरों से लापता हो गए। लड़की के परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और युवक पर अपहरण का आरोप लगाया। लड़की के माता-पिता ने दावा किया कि उनकी बेटी अपनी मर्जी से नहीं गई है। उन्होंने किरण मांझी पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया। लड़की की मां के अनुसार, उनकी बेटी सुबह खेत में टॉयलेट के लिए गई थी, तभी युवक ने उसका अपहरण कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की और कुछ ही समय में दोनों को बेलागंज थाना क्षेत्र से बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए चंदौती थाना पुलिस को सौंप दिया गया। चंदौती थाना अध्यक्ष अनिल चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह प्रेम प्रसंग का मामला प्रतीत होता है। युवक-युवती आपसी सहमति से घर से गए थे। हालांकि, लड़की के नाबालिग होने के कारण मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। नाबालिग लड़की का बयान कोर्ट में दर्ज कराया जाएगा, जिससे स्पष्ट होगा कि यह प्रेम प्रसंग का मामला है या अपहरण का मामला है।

ससुराल में 3 बच्चों की मां प्रेमी के साथ पकड़ाई

बेगूसराय। बेगूसराय में 3 बच्चों की मां ससुराल में प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गई। घर में सास-ससुर नहीं थे, बच्चों को सुलाने के बाद महिला ने प्रेमी को रात में घर बुलाया था। दोनों के अफेयर के बारे में सास-ससुर को पहले से पता था। सास-ससुर को डर था कि फिर से बहू ने आत्महत्या की सोची तो हम फंस जाएंगे। इसी डर से वे लोग घर से भाग गए थे। महिला घर में अकेली थी, उसने अपने प्रेमी को बुला लिया था, पर पड़ोसियों ने सास-ससुर को खबर कर दी। जिसके बाद सास-ससुर घर लौटे और दोनों को आपत्तिजनक में पकड़ लिया।

लड़की की लाश मिली, दो भाइयों पर रेप कर आरोपः बॉडी के पास मिले नोट में लिखा- 5 लाख लो, मुंह खोला तो जान से मार देंगे

पूर्णिया. पूर्णिया में मक्के के खेत से 25 साल के युवती का शव मिला है। ग्रामीणों ने रेप के बाद हत्या की आशंका जताई है। बॉडी के पास से एक नोट भी मिला है। घटना के.नगर थाना क्षेत्र के बेला रिकाबगंज पंचायत के वार्ड-9 की है। नोट में मृतका ने दो भाईयों पर रेप का आरोप लगाया है। नोट पर मृतका का नाम भी लिखा है। नोट को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। नोट और उसके ऊपर लिए हस्ताक्षर की जांच कर रही है। मृतका कसबा की रहने वाली है। घटना की जानकारी देते हुए पिता ने बताया कि बेटी ने दो शादी कर रखी थी। 3 साल पहले पहली शादी हुई थी। मगर शादी के कुछ ही महीने पति की मौत हो गई थी। इसके बाद उसने अपनी पसंद से दूसरी शादी कर ली थी। वो पूर्णिया में ही किराए का मकान लेकर रह रही थी। शादी के बाद से घर वालों से बातचीत बंद थी। आज फोन पर शव मिलने की जानकारी मिली। बॉडी के पास से एक नोट मिला है। नोट में दो लड़के के नाम का जिक्र है। नोट में लिखा है कि अल्तमश खान और माशूक खान नाम के दो भाई ने पहले दोस्ती की। इसके बाद झांसे में लेकर रेप किया।

लड़के के पिता ने मुंह बंद रखने को कहा

जब उसने ये बात दोनों के पिता आवेश आलम को बताई। तो आवेश आलम ने 5 लाख लेकर मुंह बंद करने की बात कही। मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी दी। बॉडी के पास झोला भी रखा है। जिसमें कपड़े और कुछ जरूरी चीजें रखी है। ऐसा लगता है वो थाने आकर पुलिस को कुछ बताना चाहती थी। मगर उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि गांव कुछ लोग रोजाना की तरह रिकाबगंज बांध होकर गुजर रहे थे। तभी तेज गंध आई। कुछ ही दूरी पर कुत्ते भौंक रहे थे। कुछ दूर जाने पर ग्रामीणों ने मक्के के खेत के किनारे एक युवती का शव पड़ा देखा। इलाके में ये खबर आग की तरह फैल गई और घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही के.नगर थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की और उसे पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच GMCH भेज दिया। मृतका के शव के पास से एक नोट मिला। हालांकि नोट किसने लिखी है इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस अब इस नोट की सत्यता और लिखावट की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने बताया कि प्रथम दृष्टया से मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में गहरा आक्रोश और भय व्याप्त है।

पटना में बंधक बनाकर नाबालिग से रेप, आरोपी गिरफ्तार

पटना में नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी पर 12 वर्षीय बच्ची को बहला-फुसलाकर बंधक बनाकर दो बार रेप करने का आरोप है। पीड़िता मंगलवार को अपने परिजनों के साथ महिला थाना पर शिकायत दर्ज करने पहुंची थी, जहां आरोपी पक्ष के भी लोग पहुंच गए। इस दौरान थाने के बाहर और अंदर समझा बुझाकर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया गया।

आरोपी के बचाव में उसकी मां और बहन भी थाने पर आई थी। समझौता के लिए 1 लाख से लेकर 10 लाख रुपए तक का प्रलोभन दिया गया। लेकिन पीड़िता अपने स्टेटमेंट पर कायम रही।

पीड़िता की ओर से थाने पर लिखित शिकायत की गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने जिला सदर अस्पताल गर्दनीबाग में उसका मेडिकल कराया। पीड़िता की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। आवेदन के मुताबिक, मसौढ़ी का रहने वाला प्रिंस कुमार (32 वर्ष) उनकी नाबालिग बेटी (12 वर्ष) को बहला फुसलाकर मीठापुर बाईपास भूपतीपुर स्थित रेंट के मकान में ले गया। वहां दो बार 16 मार्च और 19 मार्च को उसके साथ रेप किया। फिर बच्ची को डराया कि इस बात की जानकारी किसी को मत देना। इसके बाद मांग में सिंदूर भी भर दिया। पीड़िता की मां ने बताया कि, 'मांग में सिंदूर देखने के बाद जब मैंने बेटी से पूछा तो उसने सारी घटना की जानकारी दी। इसके बाद जब मैं आरोपी के बहन के रूम पर पूछने गई तो उल्टे उन लोगों ने मेरे साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। मुझे डराने की कोशिश की गई।' पीड़िता की मां के आवेदन के आधार पर महिला थाने में केस रजिस्टर्ड किया गया है। 31 मार्च को पीड़िता की मां थाने पर बेटी को लेकर आई थी। उसने बताया कि, 'बहुत दिनों से वो मेरे साथ गंदी हरकत कर रहे थे।' वहीं, आरोपी प्रिंस ने पुलिस के सामने लिव-इन-रिलेशन में रहने की बात कही है। सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीएम नीतीश कुमार ने बिपार्ड का किया निरीक्षणः पटना में बन रही नई बिल्डिंग, छात्रावास का लिया जायजा

फुलवारीशरीफ, पटना. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना के फुलवारी शरीफ स्थित बिहार प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (बिपार्ड) के नवनिर्मित भवन और निर्माणाधीन हिमाद्री छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ लगभग 25 मिनट तक पूरे परिसर का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बिपार्ड के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन की संरचना, सुविधाओं और प्रशासनिक उपयोगिता का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भवन का उपयोग बेहतर तरीके से किया जाए, ताकि प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता और दक्षता में बढ़ोत्तरी हो सके। उन्होंने मौके पर उपस्थित विभाग के कई अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी सहित पटना के जिलाधिकारी, एसएसपी, एसडीएम और संबंधित थाना अध्यक्ष समेत कई वरीय अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी और परिसर में प्रशासनिक गतिविधियां तेज रहीं। प्रेस प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री के नजदीक आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिससे वे दूर से ही तस्वीरें और वीडियो बनाते दिखे।

सीएम कार्यक्रम में हंगामा करने वाले छात्रों पर एफआईआर दर्ज

पटना विश्वविद्यालय परिसर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम के दौरान छात्रों के हंगामे को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पीरबहोर थाना में आवेदन देने के बाद पीयू छात्र संघ अध्यक्ष समेत 6 छात्रों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज कर लिया गया है। यह आवेदन ड्यूटी पर तैनात प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी विरेन्द्र चौधरी ने दिया है। उन्होंने अपने आवेदन में नामजद छात्रों और 30-35 अज्ञात छात्रों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, हंगामा और विधि-व्यवस्था भंग करने के आरोप में कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के मुताबिक, 30 मार्च को नए भवनों के उद्घाटन कार्यक्रम में विरेन्द्र चौधरी की ड्यूटी लगाई गई थी। मुख्यमंत्री के आने से पहले करीब 15-20 छात्र कार्यक्रम स्थल के पास पहुंचे और हंगामा करने लगे। छात्रों का आरोप था कि उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया और शिलापट्ट पर कुलपति का नाम भी नहीं लिखा गया है। कुछ ही देर में अन्य छात्र भी वहां पहुंच गए और 30-35 छात्रों की भीड़ जमा हो गई।

मधुबनी में एलपीजी-पेट्रोल-डीजल सप्लाई सामान्यः47 हजार सिलेंडर स्टॉक

मधुबनी. दरभंगा के प्रमंडलीय आयुक्त हिमांशु कुमार राय ने बुधवार को मधुबनी में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक समाहरणालय सभागार में एलपीजी गैस, पेट्रोल-डीजल, पीएनजी, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और प्रवासी श्रमिकों की स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित की गई थी। बैठक में जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से आपूर्ति व्यवस्था, मूल्य नियंत्रण, जनसंचार, उर्वरक उपलब्धता और कालाबाजारी रोकथाम पर विस्तृत जानकारी दी। समीक्षा के दौरान जिले में एलपीजी आपूर्ति सामान्य पाई गई। मधुबनी में 103 गैस एजेंसियों के माध्यम से लगभग 10.37 लाख उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान की जा रही है। मार्च माह में 4.27 लाख बुकिंग के मुकाबले 3.86 लाख सिलेंडरों की आपूर्ति की गई। वर्तमान में 47 हजार सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है। आयुक्त ने लंबित बुकिंग का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। जिले में पेट्रोल की 2170 केएल और डीजल की 2902 केएल क्षमता के विरुद्ध पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत 948 निरीक्षण किए गए, जिसमें 215 गैस सिलेंडर जब्त किए गए और 5 प्राथमिकी दर्ज की गईं। आयुक्त ने सीमावर्ती क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया, ताकि अवैध गतिविधियों और कालाबाजारी को रोका जा सके।

पटना से चोरी करके नेपाल बॉर्डर पहुंचाते थे मोबाइल फोनःरक्सौल बॉर्डर इलाके से तस्कर गिरफ्तार, 15 लाख के मिले 55 मोबाइल

पटना. पटना पुलिस ने मोबाइल चोर गिरोह के नेटवर्क का खुलासा किया है। जो पटना के अलग-अलग इलाकों से मोबाइल चोरी करके बाई रोड रक्सौल बॉर्डर ले जाते थे। इसके लिए सुविधा के अनुसार निजी वाहनों का भी इस्तेमाल तस्कर कर रहे थे। आशंका है कि वहां जमा करने के बाद नेपाल में सप्लाई होती थी। पकड़े गए आरोपी पटना के कदमकुआं, शाहपुर और चिरैया पूर्वी चंपारण के हैं। इनके पास चोरी के कुल 55 मोबाइल फोन मिले हैं। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपए है। फिलहाल पटना पुलिस पूछताछ के आधार पर इनके लिंकेज खंगाल रही है। हाल ही में जक्कनपुर इलाके से भी इसी तरीके का एक गिरोह पकड़ा गया था। जो पटना से मोबाइल फोन चोरी करके बस के जरिए रक्सौल भेज रहा था, और वहां से नेपाल में सप्लाई होती थी।

पटना सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि बीते 30 मार्च को सचिवालय थाने की पुलिस को सूचना मिली कि सचिवालय हॉल के पास मोबाइल स्नेचिंग गिरोह के कुछ मेंबर घटना को अंजाम देने के सिलसिले में आए हैं। इसी सूचना के आधार पर घेराबंदी करके सर्च किया गया।

इस दौरान दो संदिग्ध सचिवालय हॉल्ट के पास से पकड़े गए। उनके बैग की तलाशी ली गई तो 22 मोबाइल फोन मिले। इनकी निशानदेही पर पटना और पूर्वी चंपारण की रक्सौल में छापेमारी की गई। जहां से 33 और मोबाइल फोन के साथ 2 अन्य लोगों को पूर्वी चंपारण की रक्सौल बॉर्डर इलाके से अरेस्ट किया गया। इसमें रवि कुमार, रौशन कुमार, साजन और आदित्य समेत 4 लोगों को अरेस्ट किया गया है। फिलहाल उनके लिंकेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों की माने तो नेपाल में मोबाइल फोन खपाए जाते हैं। वहां आईएमइआई नंबर रन नहीं कर पता है। जिसके चलते बिहार या भारत में चोरी किए गए मोबाइल फोन को पकड़ना ट्रैक करना आसान नहीं होता है। इसके चलते मुश्किलें आती हैं।

पटना में जदयू एमएलए के कारोबारी दोस्त को मारी गोलीःअपार्टमेंट की सीढ़ियों पर छिपे थे; पीछे से आवाज दी, मुड़ते ही फायरिंग की

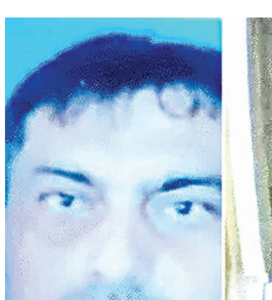

पटना. पटना में जेडीयू विधायक श्याम रजक के करीबी को अपार्टमेंट में घुसकर बदमाशों ने गोली मार दी। घायल की पहचान दिलीप कुमार(40) के रूप में हुई है। दिलीप छड़-गिट्टी का कारोबार करते हैं। बदमाशों ने पांच राउंड फायरिंग की। दिलीप को एक गोली पेट में लगी है। दूसरी गोली हाथ को छूती हुई निकल गई। घटना शास्त्रीनगर थाना इलाके के जीएस इंक्लेव की है। इस वारदात का 2 मिनट 5 सेकेंड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे 2 बदमाश हेलमेट लगाए अपार्टमेंट की सीढ़ियों के पास छिपकर बैठे हैं। जैसे ही दिलीप सीढ़िओं पर चढ़ते हैं। बदमाश पीछे से आवाज देते हैं और गोली चला देते हैं। एक गोली दिलीप के पेट में लगी है। वो अंदर की तरफ भागते हैं। बदमाश भी उनके पीछे दौड़ते हैं और 4 गोली और दिलीप को निशाना बनाकर चलाते हैं, लेकिन बदमाशों का निशाना चूक जाता है। कारोबारी दिलीप कुमार मंगलवार की रात करीब 9.30 बजे अपने दफ्तर से अपार्टमेंट पहुंचते हैं। वो बताते हैं कि, जैसे ही मैं सीढ़ी चढ़कर फ्लैट की ओर बढ़ रहे थे, पहले से घात लगाए दो युवक आए और उसमें से एक ने मुझे पीछे हाथ से नॉक करता है। मैं देखने के लिए पीछे मुड़ा तब तक उसने गोली मार दी। मैं ऊपर की ओर जान बचाने के लिए भागा, लेकिन एक बदमाश पिस्टल लेकर पीछा करता रहा। एक मेरे पीछे-पीछे पिस्टल लेकर बढ़ा। कुछ सीढ़ी चढ़ने के बाद फिर वह वापस लौटकर फायरिंग करते भाग गया। घटना के बाद उन्हें तुरंत रुबान हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दिलीप कुमार 'एमपी इंजिकॉन' कंपनी चलाते हैं, जिसका दफ्तर बोरिंग रोड स्थित कुमार टावर में है। उनकी कंपनी बड़ी निर्माण कंपनियों को मैटेरियल सप्लाई करती है। एमपी ईनजीकौन एसपी सिंगला जैसी बड़ी-बड़ी कंपनियों में छड़ गिट्टी की सप्लाई देती है। दिलीप, जदयू विधायक श्याम रजक के अच्छे मित्र हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद श्याम रजक भी उन्हें देखने आए हैं। अस्पताल पहुंचे दिलीप के पार्टनर रवि कुमार ने बताया कि, 'दफ्तर से दिलीप सीपी ठाकुर रोड नंबर 2 शिवपुरी स्थित G.S इंक्लेव अपार्टमेंट में आ रहे थे। तभी बदमाशों ने उनके ऊपर फायरिंग कर दी। हमारी कंपनी एसपी सिंगला जैसी बड़ी-बड़ी कंपनियों को मैटेरियल सप्लाई करती है। मुख्य काम भवन, पुल, पुलिया, आदि कंस्ट्रक्शन में मैटेरियल सप्लाई करने का है।'

बॉयफ्रेंड के सामने गर्लफ्रेंड का मर्डरःप्रेमी से सुसाइड नोट लिखवाकर, उसे भी मारा

बगहा (बेतिया (पश्चिमी चंपारण). "हमने प्लान के मुताबिक लड़की से जबरन फोन करवाकर लड़के को जंगल में बुलाया। फिर लड़के के सामने लड़की की हत्या की। इसके बाद लड़के से सुसाइड नोट लिखवाकर उसकी भी हत्या कर दी और दोनों के शव को पेड़ से लटका दिया, ताकि मामला आत्महत्या जैसा लगे।" यह कबूलनामा आरोपी रामू मुसहर और लड़की के मामा जितेंद्र निषाद का है, जिन्हें पुलिस ने बगहा के वीटीआर जंगल में मिले प्रेमी जोड़े के कंकाल मामले में गिरफ्तार किया है। 3 महीने पहले 22 जनवरी को एक प्रेमी जोड़े के कंकाल पेड़ से लटके मिले थे। जांच के बाद मृतकों की पहचान अखिलेश यादव और उनकी प्रेमिका दुलारी कुमारी के रूप में हुई। दोनों एक ही गांव के रहने वाले थे। बगहा एसपी रामानंद कौशल ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा कि मामले में स्पीडी ट्रायल चलाकर आरोपियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी।

बिहार में खनन सेक्टर में निवेश के नए मौकेः विजय सिन्हा बोले- राजस्व में दोगुना उछाल, 3592 करोड़ का आंकड़ा पार; रोहतास-बांका में ब्लॉक नीलामी

पटना. बिहार में खनन और राजस्व व्यवस्था को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज प्रेसवार्ता करते हुए कई अहम दावे और घोषणाएं कीं। उन्होंने साफ कहा कि, पहले खनन विभाग पर बाहुबलियों का दबदबा रहता था, लेकिन अब यह विभाग "भय" से निकलकर पूरी तरह "राजस्व आधारित" व्यवस्था में बदल चुका है। विजय सिन्हा ने बताया कि, वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद कुल 3592 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल हुआ, जिसे उन्होंने "नया इतिहास" बताया। राज्य के 21 जिलों ने 100% लक्ष्य हासिल कर इस उपलब्धि में अहम योगदान दिया।

अवैध खनन पर सख्ती, 78 घाटों को किया सरेंडर

डिप्टी सीएम ने बताया कि, बिहार में फिलहाल 473 बालू घाट संचालित हो रहे हैं। वहीं, 78 घाटों को संचालकों द्वारा सरेंडर कर दिया गया, जिससे करीब 600 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। ये घाट अधिक बोली लगाकर अवैध खनन के उद्देश्य से लिए गए थे, लेकिन सख्ती बढ़ने के बाद इन्हें छोड़ना पड़ा। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरेंडर करने वाले ऐसे लोगों को भविष्य में किसी भी टेंडर प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा।

डिजिटल सिस्टम से पारदर्शिता खनन व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए कई डिजिटल कदम उठाए गए हैं—

खनिज परिवहन के लिए ई-चालान सॉफ्टवेयर लागू

लाइसेंस प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन

बालू से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर

इसके अलावा "बिहारी योद्धा पुरस्कार" के तहत अवैध खनन की सूचना देने वाले 96 लोगों को सम्मानित किया गया है।

नई नीलामी और निवेश की तैयारी सरकार ने खनन क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए नई नीलामी प्रक्रियाओं की घोषणा की है—

रोहतास में 3 खनिज ब्लॉक की नीलामी

25 मई तक टेंडर की अंतिम तिथि

बांका में कॉपर, लेड और जिंक ब्लॉक की नीलामी

बाहरी राज्यों से खनिज लाने पर सख्ती।

सरकार ने खनन क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए नई नीलामी प्रक्रियाओं की घोषणा की हैः

रोहतास में 3 खनिज ब्लॉक की नीलामी।

25 मई तक टेंडर भरने की अंतिम तिथि।

बांका में कॉपर, लेड और जिंक ब्लॉक की नीलामी।

बाहरी खनिज पर सख्त नियम

विजय सिन्हा ने एक बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि, 'अब दूसरे राज्यों से बालू या अन्य खनिज लाने वाले वाहनों के लिए ट्रांजिट पास अनिवार्य होगा। नियम का उल्लंघन करने पर 25 गुना तक जुर्माना लगाया जाएगा।'

पत्थर खनन के लिए नई योजना

सरकार ने पत्थर खनन को व्यवस्थित करने के लिए 30 स्थानों का चयन किया है। जल्द ही इन क्षेत्रों के लिए नई नीति और प्रक्रिया की घोषणा की जाएगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि इन सभी कदमों से न केवल राजस्व में वृद्धि होगी, बल्कि अवैध खनन पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जाना तय

दुनिया का सबसे ताकतवर देश, अमेरिका इस वक्त अपने देश और वैश्विक स्तर पर दोनों तरफ से भारी दबाव में नजर आ रहा है। एक तरफ पश्चिम एशिया में ईरान के साथ लड़ाई जारी है, दूसरी तरफ देश के अंदर ही ट्रंप के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों में बड़े पैमाने पर 3300 से ज्यादा स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों का नाम था- नो किंग्स देश में कोई राजा नहीं चलेगा। लोकतंत्र में राजा जनता है। अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है। सवाल उठता है, आखिरकार यह आंदोलन कितना बड़ा है? ट्रंप के खिलाफ विरोध की यह तीसरी बड़ी लहर है। इससे पहले भी लाखों लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। इस बार का आंकड़ा सबसे बड़ा है। अमेरिका के सभी राज्यों में इस आंदोलन की आग फैल गई है। 3300 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इस आंदोलन की खास बात यह है, यह शहरों के साथ-साथ गांवों में भी देखने को मिला है। लोगों ने खुलकर अपना विरोध जताया है। इस बार सबसे बड़ा विरोध मिनसोटा की राजधानी सेंट पॉल में हुआ। जहां मशहूर सिंगर ब्रूस प्रिंस्टीन ने भी आंदोलन में भाग लिया, और एक खास गाना गाया। जो हाल की एक दुखद घटना से जुड़ा हुआ था। उनके साथ कई बड़े सेलिब्रिटी जिसमें एक्टर्स, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी आंदोलन के मंच पर नजर आए। सवाल उठता है, अमेरिका और आस-पास के देश के लोगों में आखिर किस बात का गुस्सा भरा है? प्रदर्शन करने वालों के पास कम प्रशासन की शिकायतों की लंबी फेहरिस्त थी। सबसे ज्यादा नाराजगी ट्रंप सरकार की इमीग्रेशन नीति को लेकर है। लोगों का मानना है, सख्ती और छापेमारी से आम लोग डर और भय के साथ जी रहे हैं। इसके अलावा ईरान के साथ चल रहे संघर्ष का विरोध, ट्रांसजेंडर के अधिकारों में कटौती, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई जैसे मुद्दों पर लोगों ने खुलकर आवाज उठाई है। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और सैंडियागो जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बैनर और नारों के साथ सरकार के खिलाफ यहां पर भारी गुस्सा दिखा। ट्रंप के खिलाफ विरोध के असर की बात की जाए, तो यह विरोध अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। यूरोप के कई देशों में लोग इसी तरह के संदेश के साथ ट्रंप के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। कहीं तानाशाही के खिलाफ तो कहीं युद्ध के खिलाफ नारे लगे। यूरोप के देशों में अच्छीखासी भीड़ सड़कों पर देखने को मिली। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी हाल ही में बैठक से बहिष्कार कर ट्रंप की नीतियों का विरोध किया। ट्रंप समर्थकों का कहना है, इन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत नहीं है। उनका कहना है कि यह सब राजनीतिक एजेंडा है। ट्रंप के विरोध में जो तस्वीर जमीन पर दिख रही है, उसके अनुसार जिस तरह संसद और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों और विशिष्ट वर्ग में राष्ट्रपति ट्रंप का विरोध बढ़ रहा है। उनके ऊपर हाल ही में इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोप लगे हैं। संसद से अनुमति लिए बिना ट्रंप ने यह युद्ध छेड़ा है। जिसके कारण वह संसद में अलग-थलग पड़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कुछ ऐसे राज्यों में भी प्रदर्शन हुए हैं, जहां ट्रंप को भारी समर्थन मिला था। अमेरिका में माहौल इन दिनों काफी गर्म है। पिछले कुछ महीनो में महंगाई काफी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका एक तरफ बाहरी तनाव, दूसरी तरफ आंतरिक विरोध से जूझ रहा है। दोनों स्थितियों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दिन-प्रतिदिन कमजोर होते चले जा रहे हैं। आने वाले समय में यह आंदोलन किस दिशा में जाएगा, यह देखना अहम होगा। अमेरिका और इजरायल ने जिस तरह से ईरान पर आक्रमण किया है, इसका असर अब सारी दुनिया के देशों पर पड रहा है। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर मुद्रा और पेट्रोल डॉलर व्यापार को काफी नुकसान हुआ है जिसका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी पढ़ रहा है। ट्रंप के समय में कर्ज भी तेजी के साथ बढ़ा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम नागरिक बहुत परेशान हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की इमेज साइको के रूप में देखने को मिल रही है। जिसके कारण राजनीतिक क्षेत्र में कहा जा रहा है, कि डोनाल्ड ट्रंप शायद ही अपना कार्यकाल पूरा कर पाएं। जिस तरह से उन्होंने अमेरिका को मुसीबत में फंसाया है। डेमोक्रेटिक के साथ-साथ रिपब्लिकन सांसद भी उनके विरोध में खड़े हो रहे हैं। जिसके कारण ज्यादा दिनों तक राष्ट्रपति पद पर बने रहना उनके लिए आसान नहीं होगा।

झूठ की रफ्तार बनाम सच की मजबूती

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के इतिहास में झूठ और सच की जंग सबसे पुरानी है। झूठ हमेशा आकर्षक होता है, तेज़ी से फैलता है और आसानी से लोगों को अपनी ओर खींच लेता है,जबकि सच को अपनी जगह बनाने में समय लगता है। यही कारण है कि यह कहावत जन्मी कि "जब सच अपने जूते के फीते बाँध रहा होता है, तब तक झूठ पूरी दुनिया का चक्कर लगा चुका होता है।"यह कथन केवल साहित्यिक व्यंग्य नहीं बल्कि सामाजिक,राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी वास्तविकताओं का आईना है। राजनीति, समाज और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की वास्तविकताओं को गहराई से दर्शाती है।झूठ की त्वरित गति और सच की धीमी स्वीकृति का प्रभाव आज वैश्विक राजनीति से लेकर सोशल मीडिया,पत्रकारिता शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक फैला हुआ है। कहा जाता है कि "सत्य की जीत होती है," लेकिन राजनीति की जमीनी सच्चाई यह है कि झूठ की गति हमेशा सच से कई गुना तेज़ होती है। इसको अगर हम भारत की राष्ट्रीय राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के परिपेक्ष में देखें तो दोनों ही इस कहावत का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। सोशल मीडिया, चुनावी प्रचार, युद्धकालीन प्रोपेगेंडा और वैश्विक कूटनीति, हर जगह झूठ पहले जनता के मन को जकड़ लेता है, जबकि सच को अपनी जगह बनाने में समय लगता है। 21वीं सदी में इंटरनेट और सोशल मीडिया ने झूठ की रफ्तार को और भी तेज़ कर दिया है। अब एक झूठी खबर कुछ ही मिनटों में पूरी दुनियाँ का चक्कर लगा सकती है।फ़ेक न्यूज़ः-चुनावों के दौरान झूठी खबरें जनमत को प्रभावित करती हैं।निवेश जगत में अफवाहें शेयर बाज़ार को हिला सकती हैं। झूठी खबरें शेयर की कीमतें बढ़ा या गिरा देती हैं, जबकि सच सामने आने में समय लगता है।राजनीति झूठ और सच की सबसे बड़ी प्रयोगशाला है। नेता अक्सर वादे और दावे करते हैं जिनमें सच कम और झूठ ज़्यादा होता है। झूठ की गति इतनी तेज़ होती है कि चुनाव तक उसका असर बना रहता है, लेकिन सच सामने आने पर जनता का मोहभंग होता है। यही कारण है कि कई लोकतांत्रिक देशों में पॉपुलिस्ट नेता झूठ का सहारा लेकर सत्ता तक पहुँच जाते हैं।मीडिया की भूमिकाः-पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सच को सामने लाना है, लेकिन मीडिया भी झूठ का सबसे बड़ा साधन बन सकता है। उत्तर-सत्य युग शब्द इसी कारण अस्तित्व में आया। आज कई मीडिया हाउस टीआरपी के लिए झूठ को हवा देते हैं। हालाँकि, जाँच-पड़ताल पत्रकारिता अभी भी सच की रक्षा करती है। इस विषय की चर्चा मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इस आर्टिकल के माध्यम से तीन भागों में करूँगा पहला भागः झूठ की गति बनाम सच की मजबूती।दूसरा भाग :- भारत की राष्ट्रीय राजनीति में झूठ और सच का समीकरण।तीसरा भागः- अंतरराष्ट्रीय राजनीति में झूठ और सच का समीकरण।मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि इसकी सटीकता का कोई प्रमाण नहीं है मीडिया में उपलब्ध जानकारी का रिसर्च कर इस आर्टिकल को तैयार किया गया है।चूँकि बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई है कहावत है"जब सच अपने जूते के फीते बाँध रहा होता है, तब तक झूठ पूरी दुनिया का चक्कर लगा चुका होता है।"इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,झूठ की रफ्तार और सच की धीमी चालः राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक गहन व सटीक विश्लेषण करेंगे।

साथियों बात अगर हम सबसे पहले भाग 1ः झूठ की गति बनाम सच की मजबूती को समझने की करें तो (1) क्यों फैलता है झूठ तेज़ी से?-झूठ हमेशा सनसनीखेज और भावनात्मक होता है। यह जनता की भावनाओं, डर और पूर्वाग्रहों को भड़काता है। सच तर्क और सबूत पर आधारित होता है, इसलिए उसकी गति धीमी होती है।(2) सच की स्थायी ताकत-इतिहास गवाह है कि भले ही झूठ तेजी से फैल जाए, लेकिन स्थायी जीत हमेशा सच की होती है। गांधीजी का सत्याग्रह, मंडेला का रंगभेद- विरोधी संघर्ष, और क्लाइमेट चेंज की वैज्ञानिक चेतावनियाँ,ये सब दर्शाते हैं कि सच देर से सही, लेकिन जीतता जरूर है।(3)समाधान और भविष्य की राह-फैक्ट-चेकिंग संस्थाएँः अल्ट न्यूज़ (भारत),स्नोपेस (अमेरिका) और बीबीसी फैक्ट चेक जैसी संस्थाएँ झूठ को चुनौती दे रही हैं।(4)अनेक तकनीकी पहलू-(1) टेक्नोलॉजीः- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डीपफेक और फेक न्यूज़ पकड़ी जा सकती हैं। (2)शिक्षा और जागरूकताः-जनता को मीडिया साक्षरता सिखाना ज़रूरी है ताकि वे झूठ और सच में अंतर कर सकें।

भगदड़ हादसा आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेंगे

"इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए।"

नरेंद्र भारती

बिहार के नालंदा जिले में स्थित शीतला माता मंदिर में हुआ, जहां 31 मार्च 2026 को भगदड़ मचने से 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मृतकों में ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। घटना के बाद मंदिर परिसर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल रहा। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मंदिर और मेला को बंद करा दिया है तथा स्थिति को नियंत्रण में करने के प्रयास किए जा रहे हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हादसे पर दुख जताया है और मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्देश दिया है। साथ ही, घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश भी जारी किए गए हैं चारों तरफ लाशों का अंबार लग गयाL पल भर में जीते जागते लोग लाशों में तब्दील हो गए यह बहुत ही भयानक मंजर था। सरकार ने मृतकों के लिए दस दस लाख मुआवजे का ऐलान कर दिया हैL गत 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धांलुओं की मौत हो गईं थी और 50 के लगभग घायल हो गए थे। मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ। मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था।यहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी। 29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गईं थी और काफ़ी लोग घायल हुए थे। 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गईं थी और बहुत लोग घायल हो गए हैं। 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे। भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफ़ी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई। रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी। देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फ़रवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे। रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं।

इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए।

सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फ़रवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी। 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे।2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी। नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है। प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके।

बिजली कंपनियां बनाम गैरों पे करम अपनों पे सितम...

"2003 से लागू विद्युत सुधारों के उद्देश्यों में बिजली दरों को युक्तिसंगत बनाने, बिजली बोर्डों के खराब वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने , राजनीतिकरण खत्म करने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा प्रमुख थे। ढाई दशकों के बावजूद यह उद्देश्य विशेषतः उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा अधूरे ही हैं। दर निर्धारण को लेकर मनमानी जहां की तहां है। अनुभवी नियमित कर्मचारियों की कमी के चलते मैदानी व्यवस्था संविदा और ठेका कर्मियों पर निर्भर है। फलस्वरूप शिकायत निवारण और बेहतर गुणवत्ता की उपभोक्ता सेवा सपना बन कर रह गई है।"

चैतन्य भट्ट

कुकिंग गैस की किल्लत झेल रहे लोगों के बिजली से चलने वाले इंडक्शन कुकर उपयोग करने के इरादों को भी झटका लगा है। प्रदेश में विद्युत वितरण कंपनियों के 10.19 % टैरिफ वृद्धि के प्रस्ताव पर नियामक आयोग द्वारा 4.80 % की बढ़ोतरी को मंजूरी दिए जाने से घरेलू, औद्योगिक और कृषि सहित सभी श्रेणियों के लिए बिजली महंगी हो रही है। 150 यूनिट तक की खपत पर दी जाने वाली सरकारी सब्सिडी अभी जारी रहेगी।अपने कुप्रबंधन का खामियाजा आम उपभोक्ताओं से वसूलने वाली विद्युत वितरण कंपनिया पावरी एक्सचेंज के माध्यम से 3.81 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बाहर बेच रही हैं दूसरी ओर अपने प्रदेश के उपभोक्ताओं को वही बिजली सात से आठ रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बेची जा रही है विद्युत कंपनियों की इस मनमानी पर ये कहा जा सकता है गैरों पे करम अपनों पे सितम

इधर स्मार्ट मीटरिंग से टाइम आफ डे टैरिफ भी अस्तित्व में आ गया है। विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा खरीदी जाने वाली बिजली के लिए एकीकृत इनर्जी एक्सचेंज व्यवस्था है। इस एक्सचेंज पर बिजली की दरें मांग और सप्लाई के आधार पर बदलती रहती हैं। पहले खरीदी गई बिजली की औसत दर के हिसाब से बिक्री दरें निर्धारित होती थीं। स्मार्ट मीटरिंग से संभव हो गया है कि उपभोक्ताओं से उपयोग के समय एक्सचेंज पर लागू दर के ही हिसाब से कीमत वसूली जा सके। एक तरह से यह व्यवस्था उपभोक्ताओं के हित में है जो अपनी आवश्यकता को उस समय लागू दरों से नियंत्रित कर सकते हैं। कंपनियां भी उपभोक्ताओं को इसका लाभ दे सकती हैं जैसे नई टैरिफ व्यवस्था में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के लिए सुबह 9 से शाम 5 के बीच बिजली उपयोग पर 20% की छूट मिलेगी जबकि शाम 6 से रात 10 बजे के बीच अतिरिक्त शुल्क लगेगा।

लेकिन बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर गंभीर सवाल भी उठते हैं। बिजली कंपनियों में वित्तीय कुप्रबंधन चरम पर है। 4200 करोड़ रुपए से अधिक के संचित घाटे ने वितरण कंपनियों की आर्थिक हालत खराब कर रखी है। कंपनियों के अनुसार पिछले सालों में उनके 3,451 करोड़ रुपए के बढ़ोतरी प्रस्तावों को आयोग द्वारा मंजूर नहीं किए जाने से स्थिति और बिगड़ी है। बिजली खरीदी पर लगभग 300 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च हुआ है। पिछले साल केंद्र ने विद्युत उत्पादन में लगने वाले कोयले पर 400 रुपए प्रति टन जीएसटी सेस हटा दिया था। एक्सपर्ट्स के अनुसार इससे प्रति यूनिट होने वाली 17 से 18 पैसे की कमी का फायदा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच रहा है। स्मार्ट मीटर लगाते समय दावा था कि इनका खर्च उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा। स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी रुकेगी, लाइन लॉस कम होगा और बचत से ही इनकी लागत निकल जाएगी। यह सारे दावे हवा हो गए हैं। अब स्मार्ट मीटर लगाने पर हुआ 820 करोड़ खर्च कंपनियां उपभोक्ताओं से वसूलना चाहती हैं। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने फैसला लिया था कि 31 अगस्त 2023 तक के घरेलू उपभोक्ताओं के बढ़े हुए बिजली बिल बकाया की लगभग 4800 करोड़ की वसूली रुकवा दी जाए। वादा था कि इसकी भरपाई सरकार खुद करेगी यानी वितरण कंपनियों को सरकार से पैसे मिलेंगे जो अभी तक नहीं मिले।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर कह चुके हैं कि सरकार का पूरा प्रयास है कि उपभोक्ताओं पर बिजली दरों में बढ़ोतरी का अतिरिक्त बोझ न पड़े। उन्होंने यह भी दावा किया था कि 2028 तक प्रदेश की बिजली कंपनियां घाटे से उबर कर आर्थिक रूप से मजबूत हो जाएंगी। बिजली को और सस्ता कैसे किया जाएगा सवाल पर मंत्री जी का कहना था, प्रदेश के कुल 1 करोड़ 35 लाख बिजली उपभोक्ताओं में से करीब एक करोड़ उपभोक्ता अटल गृह ज्योति योजना के तहत सिर्फ 100 रुपए में बिजली पा रहे हैं। ऐसे में बिजली को और सस्ता कैसे किया जा सकता है ? स्पष्ट है, बिजली क्षेत्र में निर्णयों को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त कर पेशेवर और स्वतंत्र रूप से कार्य करने का उद्देश्य सरकारी प्राथमिकता नहीं है। 2003 से लागू विद्युत सुधारों के उद्देश्यों में बिजली दरों को युक्तिसंगत बनाने, बिजली बोर्डों के खराब वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने , राजनीतिकरण खत्म करने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा प्रमुख थे। ढाई दशकों के बावजूद यह उद्देश्य विशेषतः उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा अधूरे ही हैं। दर निर्धारण को लेकर मनमानी जहां की तहां है। अनुभवी नियमित कर्मचारियों की कमी के चलते मैदानी व्यवस्था संविदा और ठेका कर्मियों पर निर्भर है। फलस्वरूप शिकायत निवारण और बेहतर गुणवत्ता की उपभोक्ता सेवा सपना बन कर रह गई है। जरा से हवा पानी में सप्लाई घंटों बाधित रहती है। करोड़ों की केंद्रीय सहायता के बावजूद वितरण कंपनियों आर्थिक रूप से बदहाल हैं। नियामक आयोग के सरकारी नियंत्रण से निकल कर स्वतंत्र रूप से कार्य करने का ध्येय किताबी साबित हो रहा है। मूल अवधारणा के अनुसार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के चयन में निष्पक्षता और तकनीकी विशेषज्ञता महत्वपूर्ण थी। मगर शुरुआती दौर में अध्यक्ष के रूप में निवृतमान हाईकोर्ट जज का चयन अपवाद बन कर रह गया। उसके बाद यह पद शीर्ष स्तर के सेवा निवृत्त अफसरों के पुनर्वास का माध्यम बन कर रह गया है। पूरा जीवन सरकारी सेवा में गुजारने वाले से सरकार और सरकारी कंपनी के विपरीत उपभोक्ता के हक में निर्णय लेने की प्रत्याशा मृग मरीचिका ही है। विद्युत वितरण व्यवस्था अभी भी पेशेवर नहीं बल्कि राजनीतिक नफे नुकसान और मुफ्त रेवड़ियों पर निर्धारित होती है।

भीड़ में भी अपनी अलग दुनिया बसाए इन मासूमों को पहचानिए

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया की इस भागदौड़ और शोर-शराबे में जब हम सामान्य होने का दिखावा कर रहे होते हैं, तब हमारे बीच ही कुछ ऐसे मासूम चेहरे होते हैं जिनकी अपनी एक खामोश और अलग दुनिया होती है। 2 अप्रैल का दिन कैलेंडर में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में दर्ज है, लेकिन सवाल यह है कि क्या हम वाकई इस शब्द के पीछे के मर्म को समझते हैं? ऑटिज्म, जिसे हिंदी में स्वलीनता कहते हैं, कोई बीमारी नहीं है। यह तो कुदरत का एक अलग अंदाज है, जहाँ किसी बच्चे के सोचने, समझने और दूसरों से जुड़ने का तरीका हमसे थोड़ा अलग होता है। अक्सर हम ऐसे बच्चों को देखकर या तो नजरें चुरा लेते हैं या फिर उन पर बेचारा होने का ठप्पा लगा देते हैं। समाज की यही सहानुभूति दरअसल उनके लिए सबसे बड़ा पिंजरा बन जाती है। हमें समझने की जरूरत है कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति को हमारी दया की नहीं, बल्कि हमारे साथ और सम्मान की जरूरत है। वे दुनिया को वैसे नहीं देखते जैसे हम और आप देखते हैं। उनके लिए रंगों के मायने अलग हो सकते हैं, भीड़ का शोर उन्हें डरा सकता है और उनकी खामोशी में ही सबसे गहरा संवाद छिपा होता है। पहचान की बात करें तो इसके लक्षण बहुत सूक्ष्म होते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर सीधे नजरें मिलाने से कतराते हैं। उन्हें अपनी बात कहने या दूसरों की बात समझने में मुश्किल होती है। कई बार वे एक ही क्रिया को बार-बार दोहराते हैं, जैसे हाथों को हिलाना या गोल घूमना। वे अपनी ही धुन में रहना पसंद करते हैं और अचानक हुए किसी शोर से परेशान हो सकते हैं। अगर कोई बच्चा अपनी उम्र के हिसाब से बोलना शुरू नहीं कर रहा या सामाजिक मेलजोल से कट रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि वह अपनी एक अलग दुनिया में स्वलीन है।

वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो यह स्थिति जन्म से होती है और जीवन भर साथ रहती है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में हर सौ में से एक बच्चा ऑटिज्म के साथ पैदा होता है। भारत में जागरूकता की कमी के कारण इसे अक्सर पागलपन मान लिया जाता है। विडंबना देखिए कि जिस बच्चे को सिर्फ थोड़े से धैर्य और प्यार की जरूरत थी, उसे हम अपनी गलतफहमियों की वजह से समाज से काट देते हैं। सही समय पर पहचान और ट्रेनिंग के जरिए ये बच्चे भी समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बन सकते हैं, बस जरूरत है तो हमें अपना नजरिया बदलने की। पिछले एक दशक से पत्रकारिता और समाज को देखते हुए मैंने महसूस किया है कि ऑटिज्म इलाज का नहीं, बल्कि एहसास का विषय है। इसे एक स्पेक्ट्रम कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण हर किसी में अलग होते हैं। कोई बच्चा गणित के सवालों को चुटकियों में हल कर देता है, तो कोई रंगों से ऐसी जादुई पेंटिंग बनाता है कि देखने वाले दंग रह जाएं। इतिहास गवाह है कि अल्बर्ट आइंस्टीन और आइजैक न्यूटन जैसे महान वैज्ञानिकों में भी ऑटिज्म के लक्षण थे। तो फिर हम क्यों इन बच्चों को दूसरों से कमतर आंक लेते हैं?

आज के डिजिटल युग में, जहाँ हर रिश्ता लाइक और कमेंट तक सिमट गया है, ऑटिज्म से जूझ रहे लोग हमें मौन की असली ताकत सिखाते हैं। वे बनावटी नहीं होते, वे झूठ नहीं बोलते और वे दुनिया भर की चालाकियों से कोसों दूर होते हैं। असल चुनौती उन बच्चों के साथ नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार के साथ है। हम उन्हें अपनी तरह नॉर्मल बनाना चाहते हैं, जबकि असल जरूरत हमें उनकी मासूम दुनिया को समझने की है। अखबारों और टीवी की बहसों में अक्सर सत्ता और सियासत के मुद्दे गूंजते हैं, लेकिन उस मां या पिता के संघर्ष पर बात कम होती है जिसका बच्चा स्कूल में उपहास का पात्र बनता है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है। हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है।

सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को "राम का दास" कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं। हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है-"ज्ञानिनामग्रगण्यम"। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है।

हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है।

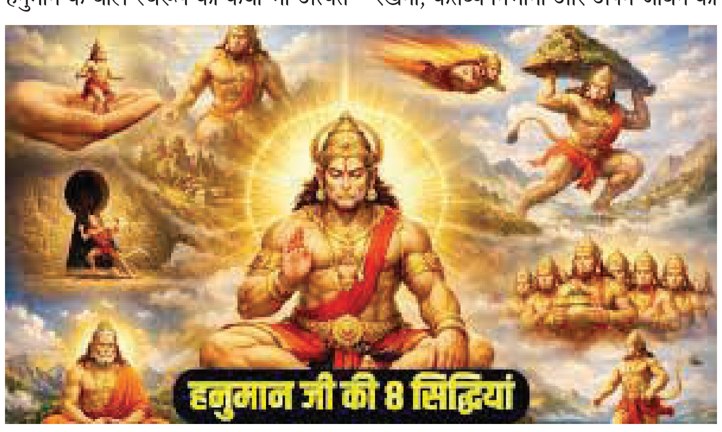

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है। यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी।

आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है। जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा। जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा। जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी।

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा। यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है- अपने भीतर के हनुमान को जगाइए, जीवन को शक्ति, ज्ञान, भक्ति और सेवा का संगम बनाइए।

अदम्य बल, अटूट भक्ति

हनुमान जन्मोत्सव का दिव्य संदेश

2 अप्रैल 2026, गुरुवार को चैत्र मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री हनुमान जन्मोत्सव पूरे देश-दुनिया में श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। श्री हनुमान को शक्ति, साहस, बुद्धि, विनम्रता और अटूट भक्ति का सर्वोच्च प्रतीक माना जाता है। वे भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त, संकटमोचन और कलियुग के देवता कहे जाते हैं। इस दिन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। भक्त व्रत रखकर सिंदूर, लड्डू, चूरमा और लाल ध्वज अर्पित करते हैं। मान्यता है कि इस दिन उनकी उपासना से भय, रोग, संकट और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है। हनुमान जी अंजनीपुत्र, पवनपुत्र और केसरीनंदन कहलाते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार उनका जन्म त्रेतायुग के अंतिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को हुआ। इंद्र के वज्र प्रहार से ठुड्डी (हनु) पर आघात होने के कारण वे हनुमान कहलाए। उन्हें रुद्र का ग्यारहवाँ अवतार तथा अष्ट सिद्धियों और नव निधियों का दाता माना जाता है। उनका स्वरूप असीम बल, तीक्ष्ण बुद्धि और परम भक्ति का अद्वितीय संगम है। रामायण में हनुमान जी की भूमिका निर्णायक और अनुपम है। समुद्र लांघकर लंका पहुँचना, अशोक वाटिका में सीता माता को श्रीराम के संदेश से धैर्य देना, लंका दहन कर रावण को चुनौती देना, युद्ध में पराक्रम दिखाना और लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाना—ये सभी प्रसंग उनकी निष्ठा, साहस और कर्तव्यबोध को दर्शाते हैं। वे इच्छानुसार सूक्ष्म से विराट रूप धारण कर सकते थे, जो उनकी शक्ति के साथ-साथ विवेक और परिस्थिति-बोध का भी प्रमाण है। हनुमान जी केवल बलवान योद्धा ही नहीं, बल्कि अत्यंत बुद्धिमान, नीतिज्ञ और विनम्र सेवक हैं। उन्होंने कभी अपनी शक्ति का अहंकार नहीं किया और सदा स्वयं को श्रीराम का दास माना। उनकी सबसे बड़ी शक्ति उनकी अटूट भक्ति है। गोस्वामी तुलसीदास ने सुंदरकांड में उनके लिए कहा है—"कवन सो काज कठिन जग माहीं, जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं।" अंततः, श्री हनुमान का जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति सेवा, त्याग और लोककल्याण में निहित है। आज के समय में, जब अहंकार और स्वार्थ बढ़ रहा है, हनुमान जी का चरित्र हमें विनम्र रहकर, कर्तव्यनिष्ठ बनकर और परोपकार के मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा देता है। जय श्री राम, जय हनुमान।

संकट हरता, सुखकर्ता, कलियुग के देवता हैं पवनपुत्र हनुमान

सनातन धर्म में सप्ताह के प्रत्येक दिन को किसी न किसी देवता को समर्पित किया गया है और भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त पवनपुत्र हनुमान को मंगलवार का दिन समर्पित माना गया है। हनुमान जयंती, जिसे 'हनुमान जन्मोत्सव' भी कहा जाता है, प्रतिवर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। इस वर्ष यह पावन पर्व 2 अप्रैल को मनाया जा रहा है। हनुमान जयंती को 'हनुमान जन्मोत्सव' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि ऐसी मान्यता है कि महाबली हनुमान आज भी धरती पर विद्यमान हैं और अपने भक्तों की सहायता के लिए सदैव उपस्थित रहते हैं। पुराणों के अनुसार, जब हनुमानजी ने भगवान श्रीराम की सेवा, भक्ति और समर्पण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया, तब माता सीता ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था। यही कारण है कि उन्हें 'चिरंजीवी' माना जाता है और उनके जन्मोत्सव को विशेष श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह पर्व हिन्दू समाज के लिए केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक चेतना और आस्था का प्रतीक है। हनुमान जन्मोत्सव अच्छाई की विजय और न्याय की स्थापना के संकल्प का स्मरण कराता है। यह दिन सभी को प्रेरणा देता है कि वे धर्म के मार्ग पर चलते हुए जीवन में सच्चाई, सेवा और समर्पण को अपनाएं।

भगवान श्रीराम का जन्म लगभग 5114 ईसा पूर्व अयोध्या में हुआ माना जाता है और यह मान्यता है कि हनुमानजी का जन्म श्रीराम के जन्म से पूर्व हुआ था ताकि वे श्रीराम की सेवा में समर्पित हो सकें। हनुमानजी हिन्दू धर्म के सबसे पूज्यनीय और लोकप्रिय देवताओं में से एक हैं।

उनकी पूजा केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में फैले हिन्दू समुदाय द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। भगवान हनुमान को कलियुग का देवता माना गया है, जो शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यह मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा करने से सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं, आरोग्यता प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी की पूजा अत्यंत फलदायक मानी जाती है। हनुमान चालीसा का पाठ इस दिन विशेष रूप से किया जाता है। 16वीं शताब्दी के महान संत, कवि और भक्त गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा की रचना की थी, जो आज भी करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केन्द्र है। हनुमान चालीसा में हनुमानजी के गुण, पराक्रम, भक्ति और उनके चमत्कारों का विस्तारपूर्वक वर्णन है। ऐसा कहा जाता है कि इसका पाठ करने से भय और दुख दूर होते हैं और साधक को मानसिक शांति प्राप्त होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान हनुमान का जन्म त्रेतायुग में हुआ था, जब भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। भगवान शिव ने भगवान राम की सेवा हेतु रुद्रावतार हनुमान के रूप में जन्म लिया। वाल्मीकि रामायण, महाभारत, पुराणों और अन्य ग्रंथों में हनुमानजी के पराक्रम, भक्ति और सेवाभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन मिलता है। माता अंजना और वानरराज केसरी के पुत्र हनुमान को जन्म से ही असाधारण शक्तियां प्राप्त थीं। उन्हें सूर्य से शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य मिला और अनेक देवी-देवताओं ने उन्हें अपने-अपने आशीर्वाद से शक्तिशाली बना दिया। हनुमानजी को अष्ट सिद्धियां और नव निधियां प्राप्त हैं। यही कारण है कि उन्हें अजेय, अमर और महाबली देवता माना गया है।

आज जब संसार अनेक प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब हनुमान जन्मोत्सव का संदेश हमें शक्ति, साहस और संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उनकी भक्ति, निष्ठा और सेवा का भाव प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में होना चाहिए ताकि हम सभी अपने कर्त्तव्यों का निष्ठा से पालन करते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकें।

राम कथा के अमर गायक हैं श्रीहनुमानजी महाराज

सच्चिदानंद स्वरुप परब्रह्म परमात्मा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्री राम के अतिप्रिय सेवक, निष्ठावान एवं समर्पित भक्त और भगवान श्रीराम के अत्यंत विश्वसनीय पार्षद श्री हनुमानजी महाराज श्रीराम भक्ति तत्व के महानतम आदर्श हैं, वे अपने आराधकों को जीवन के चरम लक्ष्य राम भक्ति की और अग्रसर करते हुए राम भक्तों को अपना आश्रय प्रदान करते हैं। दाता हैं। श्री हनुमानजी राम भक्ति में रत मनुष्यों की संकटापन्न स्थिति में उनके संकटों का निवारण करते हुए जीवन में शुभ मङ्गल का संचार करने वाले प्रत्यक्ष देवता है, वे एक तरफ जहां राम चरणारविन्द में द्रढ निष्ठा पूर्वक समर्पित रहते हैं, वहीं राम काज हेतु सदैव तत्पर भी रहा करते हैं। यद्यपि हनुमानजी सब जगह विद्यमान हैं, तथापि जहां जहां भगवान् श्री राम का कीर्तन गाया जाता है, अथवा जहां राम कथा होती है, वहां वहां मारुति नंदन भाव विभोर होकर उसी समय पहुंच जाते हैं। राम कथा के अमर गायक श्री हनुमानजी महाराज आज भी रसिकजनों को राम कथामृत प्रदान करते हुए स्वयं भी ऋषि मुनियों से राम कथा का श्रवण करते हैं।

गोस्वामी तुलसीदास श्री हनुमानजी महाराज का स्तवन कुछ इस तरह करते है-

यत्र यत्र रघुनाथ कीर्तनं, तत्र तत्र कृतमस्तकाञ्जलिम्।
वाष्पवारिपरिपूर्णलोचनं, मारुतिं नमत राक्षसांतकम्।।

अर्थात जहां जहां रघुनाथ श्रीराम का कीर्तन होता है, अथवा श्रीराम की पावन कथा, स्मरण या जप होता है, वहां वहां नैत्रों में अश्रुपूरित आनंद लिए हनुमानजी तत् काल उपस्थित हो जाते हैं। ऐसे राक्षसों के लिए काल स्वरूप श्री हनुमानजी को प्रणिपात किया जाना चाहिए। रामायण में उल्लेख मिलता है कि भगवान् श्री राम और भगवती सीता द्वारा प्रदत्त आशिर्वाद से श्री हनुमानजी अजर अमर हैं, और कल्प पर्यन्त पृथ्वी लोक में निवास करते हुए श्री राम कथा को कहते और श्रवण करते हैं। श्री राम चरित मानस के सुंदरकांड में गोस्वामी तुलसीदास देवी सीता द्वारा हनुमानजी को अपना आशीर्वाद प्रदान किए जाने का वर्णन करते हुए लिखते हैं कि

आसिष दीन्हि रामप्रिय जाना,होहु तात बल सील निधाना।
अजर अमर गुननिधि सुत होहू,करहुं बहुत रघुनायक छोहू।

अर्थात सीता माता ने हनुमानजी को भगवान् श्री राम का प्रिय जानकर उन्हें आशीर्वाद दिया कि है तात! तुम बल और शील के निधान, अजर अमर और गुणों की निधि होओ, और श्रीरघुनाथजी तुम पर बहुत कृपा करें। श्री हनुमानजी महाराज प्रत्यक्ष देवता माने जाते हैं, और यह मान्यता है कि किसी भी दैहिक, दैविक और भौतिक ताप अथवा संकटपूर्ण किसी अन्य गंभीर परिस्थिति में जब उसके समाधान का कहीं कोई रास्ता नहीं दिखाई देता हो, तब हनुमानजी की शरण ग्रहण कर आत्म निवेदन करने पर आसन्न संकटापन्न स्थिति के समाधान का रास्ता निकल आता है। हनुमान चालीसा में कहा गया है-

नासै रोग हरै सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा। संकट ते हनुमान छुड़ावै, मन क्रम बचन ध्यान जो लावै।

अर्थात जो लोग निरंतर अपकी उपासना करते हैं, दुःख उनके समीप भी नहीं आता, और जो मनुष्य श्रद्धा भक्ति पूर्वक आपका स्मरण, आराधना करते हैं, उनके संकट दूर हो जाते हैं। हनुमानजी का जन्म और उनके कर्म अद्भुत एवं विस्मयकारी हैं। धर्म शास्त्रों के अनुसार भगवान् शिव के द्वारा अपने स्वामी श्री राम की सेवा की तीव्र अभिप्सा के निमित्त उन्होंने ग्यारहवें रुद्र के रूप में वायुदेव केसरी और देवी अञ्जना के पुत्र हनुमान के रूप में जन्म लिया, और भगवान् श्री राम की सेवा कर अपनी अभिलाषा पूरी की।

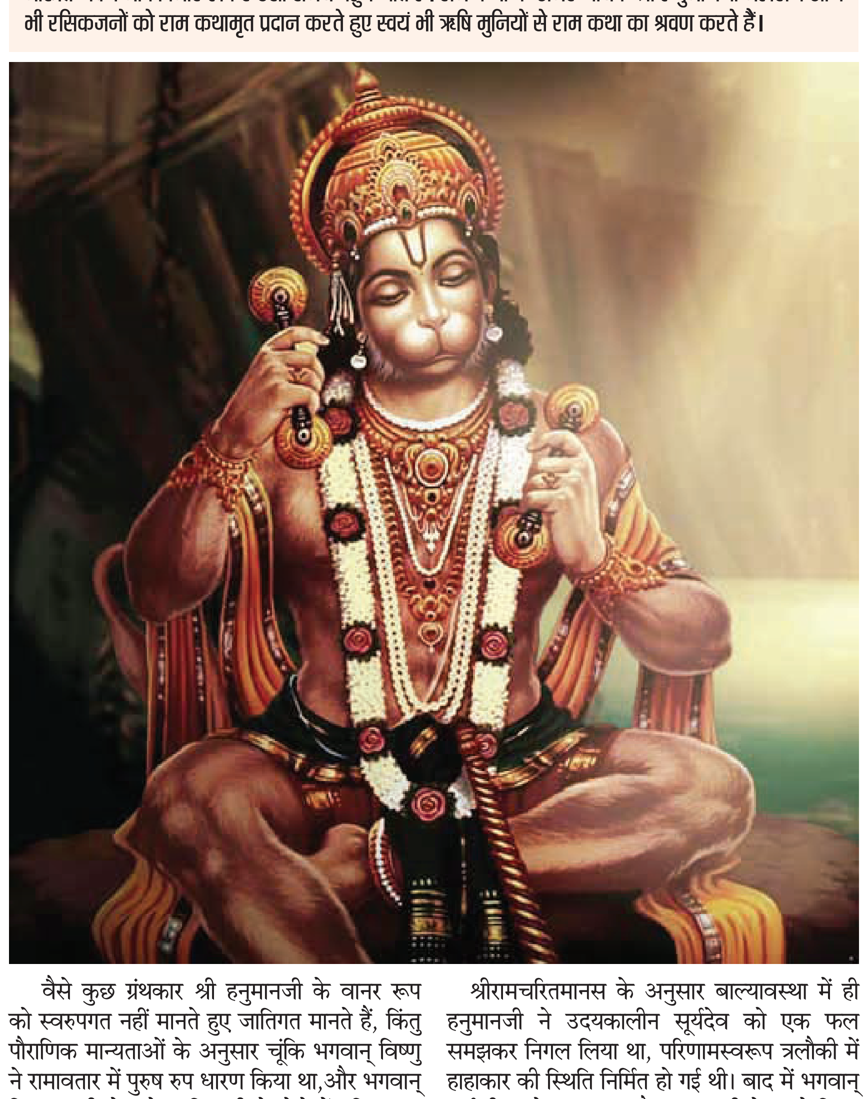

वैसे कुछ ग्रंथकार श्री हनुमानजी के वानर रूप को स्वरुपगत नहीं मानते हुए जातिगत मानते हैं, किंतु पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चूंकि भगवान् विष्णु ने रामावतार में पुरुष रुप धारण किया था,और भगवान् शिव उनकी सेवा के अभिलाषी थे, ऐसे में यदि मनुष्य रूप में जन्म लेकर सेवा करते तो यह दास भाव के अनुकूल नहीं होता, इसलिए उन्होंने मनुष्य से निम्न समझी जाने वाली वानर योनि में जन्म लेकर दास भाव से अपने स्वामी श्री राम की सेवा की।

श्रीरामचरितमानस के अनुसार बाल्यावस्था में ही हनुमानजी ने उदयकालीन सूर्यदेव को एक फल समझकर निगल लिया था, परिणामस्वरूप त्रलौकी में हाहाकार की स्थिति निर्मित हो गई थी। बाद में भगवान् सूर्य ही उनके गुरु हुए, और हनुमानजी ने उनसे शिक्षा ग्रहण की, वे सूर्य देव के स्नेह भाजन हुए और उनसे तेज,औज, बुद्धि और बल पा गए।

हमारे वेद, उपनिषद एवं पौराणिक ग्रंथों में भगवान् श्री राम के पावन नाम की बड़ी महिमा गाई गई है, और हनुमानजी महाराज तो भगवान् श्री राम के अतिप्रिय दास हैं, इसलिए वे राम नाम स्मरण को कभी बिसारते ही नहीं, और हर क्षण अपने प्रभु का स्मरण किया करते हैं। श्री रामरक्षा स्तोत्र में गोस्वामी तुलसीदास भगवान् शिव और माता पार्वती के बीच हुए संवाद का उल्लेख करते हुए एवं राम नाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहते हैं-

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे,
सहस्त्र नामतत्तुल्यं राम नाम वरानने।

अर्थात है देवी पार्वती ! राम राम राम इस प्रकार तीन बार राम नाम का उच्चारण सहस्त्र नाम के तुल्य है, इसलिए मैं सदैव राम नाम में ही रमण करता हूं। भगवान् शिव स्वयं को श्री राम के दास मानते हैं, और श्री हनुमान स्वयं रुद्रावतार हैं ऐसे में सेवक अपने स्वामी का विस्मरण आखिर कैसे कर सकते है, एतदर्थ श्री हनुमानजी नित्य निरंतर राम नाम में ही रमे रहते हैं। विराट वैभव से परिपूर्ण श्री हनुमानजी महाज्ञानी और अतुलनीय बल के धाम हैं, फिर भी विनयशील हैं, और राम काज में अत्यंत लघु रुप धारण कर लेते हैं। हनुमानजी भगवान् श्री राम की आज्ञा पाकर जब सीता माता की खोज हेतु निकले तो वे अत्यंत लघु रूप में आकाश मार्ग से गमन करते हुए लंका पहुंचे श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी लिखते है कि-

मसक समान रूप कपि धरी,
लंकहि चलेऊ सुमिरि नरहरि।
अति लघु रूप धरेऊ हनुमाना,
पैठा नगर सुमिरि भगवाना।

अर्थात, लंका की भूमि पर कदम रखने के पहले उन्होंने मनुष्य रूप में पृथ्वी पर विचरण कर रहे, अपने स्वामी श्रीराम का स्मरण करते हुए लंका की सीमा में प्रवेश किया,और जब लंका नगरी में माता सीता की खोज शुरू की, तब भी लघु रूप धारण कर सर्व प्रथम अपने स्वामी श्री राम का स्मरण करते हुए सीताजी का अनुसंधान करने लगे। हनुमानजी शुद्ध भक्त हैं, इसलिए अहंकार रहित हैं, और उनके द्वारा राम काज निष्पादन हमें प्रैरित करता है कि किसी बड़े उद्देश्य की पूर्ति के लिए छोटा हो जाना ही ठीक है। अहंकार पूर्वक किए गए किसी भी महान कार्य में पूरी तरह सफलता नहीं प्राप्त हो सकती, इसीलिए हनुमानजी अपने स्वामी श्री राम की आज्ञा पाकर जब सीता माता की खोज हेतु निकले तो अपने मुख में राम नाम को धारण किया किंतु अपने स्वरूप को अत्यंत छोटा आकार प्रदान किया। हनुमानजी महाराज अजर अमर हैं, और सब युगों में वर्तमान है, और अपने आराधकों को संरक्षण प्रदान करते हुए उन्हें राम भक्ति पथ पर अग्रसर करते हैं, श्री हनुमानजी राम कथा के अमर गायक हैं, ओर आज भी रसिकों जनों को राम कथा का अमृत प्रदान करते हुए ऋषि मुनियों से स्वयं भी राम कथा का श्रवण करते हैं।

अटारी बार्डर पर होने वाली रिट्रीट सेरेमनी का समय बदला, अब 5:30 बजे से होगी शुरू

अमृतसर,(ईएमएस)। भारत-पाकिस्तान अटारी सीमा पर होने वाली रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। अटारी-वाघा बॉर्डर पर हर रोज होने वाली इस देशभक्ति से भरपूर सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। नए फैसले के मुताबिक अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 5:30 बजे से शुरू होकर 6:00 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट सेरेमनी 5 बजे शुरू होकर साढ़े 5 बजे तक चलती थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में बदलाव जरूरी था। यह नया समय 1 अप्रैल से लागू कर दिया गया है यानी अब जो भी पर्यटक या स्थानीय लोग इस सेरेमनी को देखने जाएंगे, उन्हें नए समय के मुताबिक ही पहुंचना होगा। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी भारत और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विशेष परंपरा है, जिसमें जोश, अनुशासन और देशभक्ति की झलक देखने को मिलती है। हर दिन हजारों लोग इस आयोजन का हिस्सा बनते हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे समय का विशेष ध्यान रखें और तय समय से पहले ही पहुंचकर अपनी सीट सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एआईयूडीएफ के नंबर दो के नेता रहे अमीनुल इस्लाम कांग्रेस में शामिल

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गतिविधियाँ तेज हैं। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) से निलंबित होने के बाद मनकचर के विधायक अमीनुल इस्लाम बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कभी एआईयूडीएफ में 'नंबर दो' की हैसियत रखने वाले इस्लाम ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में पार्टी का दामन थामा। इस्लाम का राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। एआईयूडीएफ छोड़ने के बाद उन्होंने असम गण परिषद (एजीपी) में शामिल होने का प्रयास किया, लेकिन टिकट न मिलने के कारण उनका वहां का सफर छोटा रहा। एआईयूडीएफ ने मार्च में उन्हें छह साल के लिए निलंबित किया था। पार्टी महासचिव हाफिज बशीर अहमद ने कहा कि इस्लाम की पार्टी विरोधी गतिविधियाँ बार-बार विवादास्पद और पार्टी हितों के लिए हानिकारक रही हैं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद इस्लाम ने अपनी मुलाकातों का उल्लेख किया। उन्होंने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष गौरव गोगोई, एआईसीसी महासचिव जितेंद्र सिंह और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ हुई चर्चा को सार्थक और सौहार्दपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह बातचीत मनकचर के समग्र विकास और नई संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण रही। अगले विधानसभा चुनाव में असम में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा (बीजेपी) के नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस के बीच होगा। मुख्यमंत्री सरमा की अगुवाई में भाजपा सरकार तीसरे कार्यकाल की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस सत्ता में वापसी की पूरी कोशिश करेगी। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने असम विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया है।

बंगाल में चुनाव के बीच एक्शन में ईडी, बिल्डर के आवास सहित की ठिकानों पर तोबड़तोड़ छापेमारी

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बड़ा एक्शन लिया है। खबर है कि केंद्रीय एजेंसी ने रियल एस्टेट डेवलपर सोना पप्पू के आवास सहित की ठिकानों पर तोबड़तोड़ छापेमारी की है। बताया जा रहा हैं कि बुधवार तड़के हुई यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग और हेराफेरी के आरोपों के चलते की गई है। हालांकि, अब तक साफ नहीं हो सका कि रेड के दौरान किसी की गिरफ्तारी हुई है या नहीं। ईडी ने दक्षिण कोलकाता के बालीगंज में यह रेड की और पप्पू के घर दबिश दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोप हैं कि उसने फ्लैट देने के नाम पर लोगों से रुपये जमा कराए, लेकिन बदले में घर नहीं दिया। साथ ही हेराफेरी के भी आरोप सामने आ रहे हैं। ईडी के रडार पर पप्पू से जुड़ी एक कंस्ट्रक्शन कंपनी भी है, जहां जांच अधिकारी मौजूद हैं और तलाशी अभियान चला रहे है। खबरें हैं कि ग्राहकों की तरफ से आरोप लगाए गए हैं कि उन्हें फ्लैट या पैसा कुछ भी नहीं मिला है। अब जांच एजेंसी कंपनी और प्रोजेक्ट्स से जुड़े खातों और कागजों की जांच कर रही है। दरअसल, अधिकारियों को कंपनी के द्वारा लेनदेन और ग्राहकों से ली गई रकम को निजी लाभ में इस्तेमाल करने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। फरवरी में कोलकाता में कंकुलिया रोड पर हिंसा की घटना हुई थी। तब बदमाशों ने गोलीबारी की और बम फेंके थे। रिपोर्ट के अनुसार, कोलकाता के गोलपार्क के पास रहने वाले लोगों का आरोप है कि यह हमला कुख्यात अपराधी सोना पप्पू के नेतृत्व वाले एक गिरोह ने किया था। निवासियों ने बताया कि हमलावर बंदूकों, बमों और धारधार हथियारों से लैस थे और उन्होंने इलाके में दहशत फैला दी थी। कोलकाता पुलिस के अनुसार, इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

24 लेखकों और कवियों को साहित्य अकादमी पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राष्ट्रीय साहित्यिक परिदृश्य में प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025 की घोषणा के तहत देश की 24 भारतीय भाषाओं के 24 लेखकों और कवियों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में आयोजित 'फेस्टिवल ऑफ लेटर्स' के दूसरे दिन प्रदान किया गया, जहां साहित्य प्रेमी और विद्वान मौजूद थे। इस साल अंग्रेजी साहित्य के लिए लेखक और पूर्व राजनयिक नवतेज सरन को उनके उपन्यास क्रिमसन स्पेनिंग के लिए सम्मानित किया है। वहीं हिंदी साहित्य में प्रतिष्ठित लेखिका ममता कालिया को उनके चर्चित संस्मरण 'जीते जी इलाहाबाद' के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। साहित्य अकादमी द्वारा दिए जाने वाले इस सम्मान में विजेताओं को एक विशेष पेटी प्रदान की गई, जिसमें उत्कीर्ण तांबे की पट्टिका, एक शॉल और एक लाख रुपए की नकद राशि शामिल है। यह पुरस्कार भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से दिया जाता है और इसे देश के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मानों में गिना जाता है। 'फेस्टिवल ऑफ लेटर्स' के दौरान विभिन्न सत्रों में साहित्य, भाषा और संस्कृति पर विचार-विमर्श भी किया।

अमरावती को आंध्र की राजधानी बनाने वाला बिल पासः लोकसभा में विदेशी अंशदान संशोधन विधेयक पर हंगामा, एफसीआरए बिल वापस लो के नारे लगे

नई दिल्लीः लोकसभा ने बुधवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) बिल, 2026 को पास कर दिया है। इस बिल के जरिए अमरावती को रज्य की एकमात्र और स्थायी राजधानी का कानूनी दर्जा मिलेगा। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह बिल पेश किया था। इस पर एक घंटे से ज्यादा बहस हुई, जिसके बाद इसे वॉयस वोट से मंजूरी दे दी गई। इससे पहले बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने विदेशी अंशदान संशोधन बिल को लेकर हंगामा किया। उन्होंने एफसीआरए बिल वापस लो के नारे लगाए। स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों से शांत रहने की अपील की, लेकिन विपक्षी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध करते रहे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज एफसीआरए बिल पर लोकसभा में बहस नहीं होगी। यह बिल विदेशी अंशदान (विनियमन) कानून में संशोधन से जुड़ा है, जिसे 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था।

एफसीआरए संशोधन बिल में क्या है?

- इसमें विदेशी फंडिंग से जुड़े नियमों को और स्पष्ट और सख्त करने का प्रस्ताव है, ताकि एनजीओ को मिलने वाले विदेशी चंदे में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई जा सके।
- बिल में यह भी प्रावधान है कि जिन एनजीओ का पंजीकरण रद्द, सरेंडर या समाप्त हो जाता है, उनकी विदेशी फंडिंग और संपत्तियों के प्रबंधन व निपटान के लिए एक नामित प्राधिकरण बनाया जा सकता है।

राज्यसभा में सीएपीएफ बिल पास, विपक्ष ने किया वॉकआउट

राज्यसभा ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सामान्य प्रशासन विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पास कर दिया। इस दौरान विपक्ष ने बिल को संसद की चयन समिति को भेजने की मांग करते हुए सदन से वॉकआउट किया। सरकार का कहना है कि यह बिल सीएपीएफ के सभी बलों के लिए एक समान नियम व्यवस्था बनाएगा, जिससे भर्ती प्रक्रिया बेहतर होगी और सील का मान्य बढ़ेगा। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि यह बिल देश के संघीय ढांचे को मजबूत करेगा और सेवाओं को अधिक व्यवस्थित बनाएगा। वहीं विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे चयन समिति को भेजने की मांग की। मंत्री के जवाब से संतुष्ट होकर विपक्ष ने कर्मियों करते हुए सदन से वॉकआउट किया। सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर संसदीय स्वयंसेवकों का सम्मान न करने का आरोप लगाया।

केरल में एडीपीएस के सबसे ज्यादा केस, यूटी में जम्मू-कश्मीर टॉप पर

सरकार ने राज्यसभा में बताया कि 2023 में NDPS (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज) कानून के तहत सबसे ज्यादा केस केरल में दर्ज किए गए। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के लिखित जवाब के मुताबिक, केरल में 30,697 केस दर्ज हुए। इसके बाद महाराष्ट्र (15,610) और पंजाब (11,589) का स्थान रहा। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में देशभर में कुल 1,20,010 केस दर्ज हुए।तमिलनाडु में 10,126 और उत्तर प्रदेश में 9,387 केस दर्ज किए गए, जो इस सूची में शामिल अन्य बड़े राज्य हैं। केंद्रशासित प्रदेशों में जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा 2,232 केस दर्ज हुए।

इसके बाद दिल्ली (1,325) और पुडुचेरी (148) का स्थान रहा। कुल मामलों में राज्यों में 1,16,051 और केंद्रशासित प्रदेशों में 3,959 केस दर्ज किए गए। NDPS एक्ट1985 नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों को कंट्रोल करने वाला कानून है। इसमें 2014 में संशोधन किया गया था। यह देशभर में लागू है।

कांग्रेस सांसद बोले- तेलंगाना के हिस्से का पानी डायवर्ट होने का खतरा

पेद्दापल्ली से कांग्रेस सांसद गद्दम वंशी कृष्ण ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन पानी, फंड और रोजगार में अन्याय के कारण शुरू हुआ था, लेकिन आज भी वादे पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर बंकाचल्ला प्रोजेक्ट लागू होता है, तो तेलंगाना के हिस्से का करीब 200 TMC पानी डायवर्ट हो सकता है। इससे उत्तर तेलंगाना, खासकर पेद्दापल्ली में सूखे जैसे हालात बन सकते हैं।

सांसद ने कहा कि तेलंगाना की अनदेखी हो रही है। आंध्र प्रदेश में कई एयरपोर्ट हैं, लेकिन तेलंगाना में सुविधाएं सीमित हैं। पेद्दापल्ली में एयरपोर्ट की मांग पर भी कोई प्रगति नहीं हुई। सरकार को इन मुद्दों पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

बंगाल एसआईआर- 60 लाख में 47 लाख आपत्तियां निपटींः सुप्रीम कोर्ट बोला- सात अप्रैल तक सबका निपटारा होगा

ट्रिब्यूनल गलत तरीके से जोड़े-हटाए नामों को सुधारेंगे

नई दिल्लीः कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा 31 मार्च तक कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने बताया कि उन्हें मंगलवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का लेटर मिला है। इसमें बताया गया है कि हर दिन लगभग 17.5 लाख से 2 लाख आपत्तियों को निपटाया रहा है।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सभी लंबित आपत्तियों का निपटारा 7 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- हम तथ्यों और आंकड़ों से काफी संतुष्ट हैं। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनल को वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़े या हटाए नामों को सुधारने का अधिकार भी दिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला- ट्रिब्यूनल नए दस्तावेज स्वीकार कर सकते हैं

कोर्ट ने कहा- वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लोगों की अपील सुन रहे ट्रिब्यूनल नए दस्तावेजों को स्वीकार कर सकते हैं। हालांकि बिना वेरिफिकेशन दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पहले कोर्ट ने कहा था कि अपीलीय ट्रिब्यूनल ऐसे नए दस्तावेज स्वीकार नहीं करेंगे, जो पहले जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं किए गए थे। हालांकि अब कोर्ट ने अपने आदेश में बदलाव किया।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने चिंता जताई कि नए वोटर के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए एक साथ बड़ी संख्या में फॉर्म-6 जमा किए जा रहे हैं। इसपर कोर्ट ने कहा- जब तक कोई चीज रिकॉर्ड में न हो, हम जुबानी दलीलों के आधार पर कोई फैसला नहीं कर सकते।

24 मार्चः सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- बंगाल छोड़कर सभी जगह एसआईआर ठीक से हुआ

इससे पहले पिछली सुनवाई में सीजेआई सूर्यकांत ने मौखिक रूप से कहा था कि पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया सुचारु रूप से हुई, लेकिन पश्चिम बंगाल में इसमें दिक्कतें सामने आईं। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में भी जटिल मुद्दे थे, फिर भी कुल मिलाकर वहां सबकुछ ठीक रहा।

बेंच ने यह भी संकेत दिया कि इस पूरी प्रक्रिया के लॉजिस्टिक (प्रबंधन) की जिम्मेदारी कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिल को दी गई है। साथ ही पक्षों को सलाह दी गई कि अगर कोई विशेष समस्या बनी रहती है, तो वे उसे कोर्ट के सामने रखें।

बीना विधायक निर्मला सप्रे बोलीं-अभी भी कांग्रेस में हूं, कोर्ट ने किया रिकॉर्ड

-नेता प्रतिपक्ष सप्रे के बीजेपी में शामिल होने के सबूत करें पेश, अगली सुनवाई 20 को

जबलपुर,(ईएमएस)। सागर जिले की बीना सीट से विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान सप्रे ने कहा कि वह अब भी कांग्रेस में हैं। इस बयान को कोर्ट ने रिकॉर्ड में लिया। याचिकाकर्ता नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को सप्रे के बीजेपी में शामिल होने के सबूत पेश करने को कहा। इस पर सिंघार ने जवाब दिया है कि वे 9 अप्रैल तक पार्टी व्हिप की प्रतियां पेश करेंगे। मामले की अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। इसी दिन विधानसभा अध्यक्ष के सामने भी सुनवाई तय है। बता दें 2023 में बीना सीट से निर्मला सप्रे ने कांग्रेस की टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था। 5 मई 2024 को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान वे सीएम डॉ मोहन यादव के साथ बीजेपी के कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। इसके बाद उनके बीजेपी में शामिल होने के दावे किए गए थे। 5 जुलाई 2024 को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सप्रे की विधानसभा सदस्यता खत्म करने के लिए स्पीकर के समक्ष याचिका लगाई। इसमें कहा कि संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत पार्टी बदलने पर विधायक की सदस्यता खुद-ब-खुद समाप्त हो जाती है। जब इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया तो सिंघार ने नवंबर 2024 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

मंगलवार को चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की। इसमें निर्मला सप्रे के वकील संजय अग्रवाल ने उनके कांग्रेस में ही होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में सप्रे की विधानसभा सदस्यता को समाप्त करने का सवाल ही नहीं उठता। वहीं, शासन की तरफ से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट को बताया कि स्पीकर के सामने मामले की सुनवाई जारी है। उनके बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। इसके बाद उमंग सिंघार के वकील ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा कि वे 9 अप्रैल तक पार्टी व्हिप की प्रतियां पेश कर देंगे। सप्रे के बीजेपी में शामिल होने के सबूत सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। सीएम मोहन यादव के साथ भी उनकी कई तस्वीरें और पोस्ट वायरल हैं। सिंघार की तरफ से दी गई दलील पर कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट के आधार पर संबंधित व्यक्ति की स्थिति तय नहीं हो सकती है।

डीवीके फाउंडेशन ने ईडब्ल्यूएस छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और 20,000 रु. के मेरिट पुरस्कार शुरू किए

नई दिल्लीः डीवीके फाउंडेशन की छात्रवृत्ति पहल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के लिए तैयार है। यह पहल वित्तीय बाधाओं को दूर करके और आवश्यक शैक्षणिक सहायता प्रदान करके यह लक्ष्य हासिल करेगी। अध्ययन सामग्री, डिजिटल संसाधन और योग्यता-आधारित प्रोत्साहन सहित संरचित सहायता के माध्यम से, यह कार्यक्रम छात्रों को सीखने पर ध्यान केंद्रित करने, शैक्षणिक परिणामों में सुधार करने और अपनी पूरी क्षमता को उजागर करने में सक्षम बनाएगा। यह पहल दर्शाती है कि लक्षित शैक्षिक सहायता किस प्रकार समान अवसर पैदा कर सकती है, युवा प्रतिभाओं को सशक्त बना सकती है और अधिक समावेशी एवं कुशल भावी पीढ़ी के निर्माण में योगदान दे सकती है।

डीवीके फाउंडेशन ने उत्तर प्रदेश राज्य के नंबर 1 बोर्डिंग स्कूल, भक्तिवेदांत गुरुकुल और इंटरनेशनल स्कूल, वृंदावन में अल्पसंख्यक वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों के लिए एक विशेष छात्रवृत्ति शुरू की है। इस पहल के तहत मेधावी छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने और उज्ज्वल भविष्य बनाने में मदद करने के लिए वित्तीय सहायता, अध्ययन सामग्री और पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस संबंध में डीवीके फाउंडेशन और बीजीआईएस के बीच हाल ही में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस पहल के तहत, चयनित छात्रों को, जिन्हें डीवी कपूर स्कॉलर्स के नाम से जाना जाता है, अध्ययन सामग्री, यूनिफॉर्म, लैपटॉप और पुरस्कारों के रूप में सहायता प्रदान की जाएगी ताकि वे शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। फाउंडेशन का उद्देश्य मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करना और उनकी शैक्षिक प्रगति के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। छात्रवृत्ति में कई लाभ शामिल हैं, जैसे कि कक्षा VIII, IX और XI के चयनित छात्रों के लिए स्कूल की सिफारिश और फाउंडेशन की स्वीकृति के आधार पर 20,000 तक का वार्षिक मेरिट पुरस्कार। यह कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2025-26 से शुरू हुआ है और छात्र के स्नातक होने तक जारी रहेगा। स्कूल धनराशि का जिम्मेदारी से प्रबंधन करेगा और सहमत शर्तों के अनुसार उसका वितरण करेगा।

पाक की ओर से भारतीय रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट पर गोलीबारी, नहीं हुआ कोई नुकसान

जम्मू,(ईएमएस)। पाकिस्तानी रेंजरों ने मंगलवार देर रात जम्मू के कानाचक सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक भारतीय रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट पर गोलीबारी की। विमान कुछ घंटों के लिए नियमित उड़ान पर था जब उस पर गोलीबारी की गई। फिलहाल आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारतीय क्षेत्र के अंदर नियमित निगरानी उड़ान में रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) को निशाना बनाते हुए पाकिस्तानी चौकियों से कुल पांच राउंड फायरिंग की गई। खीरी पोस्ट से चार राउंड और असलम पोस्ट से एक राउंड।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरपीए नियंत्रण रेखा से लेकर अंतरराष्ट्रीय सीमा तक अपनी उड़ान भर रहा था। आरपीए ने अपना मिशन पूरा किया। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि घटना के समय भारतीय आरपीए अपने क्षेत्र में काम कर रही थी। गोलीबारी के बावजूद विमान को कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि इसे भारतीय सेना या भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित किया जा रहा था, लेकिन यह उस बेस पर सुरक्षित रूप से उतर गया जहां से इसने उड़ान भरी थी।

चारधाम यात्रा में इस बार सुरक्षित और व्यवस्थित परिवहन की व्यवस्था

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड राज्य में आस्था, पर्यटन और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए परिवहन विभाग ने तैयारियां अंतिम रूप में पहुंचा दी हैं। इस वर्ष यात्रा के लिए तीन हजार से अधिक वाहनों की व्यवस्था की गई है। इनमें 2000 से अधिक बसें और 800 से अधिक टैक्सी व मैक्सी कैब शामिल हैं। परिवहन विभाग ने केवल राज्य की परिवहन कंपनियों और बस यूनियनों तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि स्कूल और कॉलेजों की बसों को भी रिजर्व में रखा गया है। आवश्यकता पड़ने पर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली से अतिरिक्त बसें मंगाने की योजना भी बनाई गई है।

चारधाम—बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री—में हर साल लाखों श्रद्धालु देश और विदेश से पहुंचते हैं। अधिकांश यात्री व्यावसायिक वाहनों के माध्यम से यात्रा करते हैं, इसलिए बड़ी संख्या में वाहनों की आवश्यकता होती है। इसे देखते हुए परिवहन विभाग ने संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर विस्तृत कार्ययोजना बनाई है। नौ परिवहन कंपनियों के संयुक्त रोटेशन से बसों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। एसटीए ने चारधाम यात्रा के लिए बस किराया प्रति किलोमीटर तय किया है। इसमें प्रतीक्षा शुल्क को अलग रखा गया है और सभी आपरेटरों को चेतावनी दी गई है कि निर्धारित किराए से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस वर्ष यात्रा को और सुव्यवस्थित बनाने के लिए ऑनलाइन ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। यदि यात्रियों की संख्या अधिक होती है और ऑनलाइन प्रक्रिया में कठिनाई आती है, तो आवश्यकता पड़ने पर इन कार्डों को ऑफलाइन भी जारी किया जाएगा।

जेट फ्यूल 100% महंगा, लेकिन भारत में दाम नहीं बढ़ेंगेःसरकार ने कीमतों पर 25% का कैप लगाया; घरेलू उड़ानों का किराया कंट्रोल में रहेगा

नई दिल्लीः अंतरराष्ट्रीय बाजार में एटीएफ यानी जेट फ्यूल 100% से ज्यादा महंगा हो गया है। इस तेजी के बावजूद सरकार ने एटीएफ में बढ़ोतरी को सिर्फ 25% तक सीमित रखने का फैसला किया है।

आज से हवाई ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में कितनी बढ़ोतरी हुई है?

अंतरराष्ट्रीय बाजार को देखते हुए भारत में हवाई ईंधन के दाम 100% से ज्यादा बढ़ने की आशंका थी। लेकिन सरकार ने हस्तक्षेप करते हुए इसे केवल 25% तक सीमित कर दिया है। दिल्ली में अब एटीएफ 1,04,927 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है, जो मार्च में 96,638 रुपए थी।

सरकार को यह फैसला क्यों लेना पड़ा?

पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक, 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' बंद होने की वजह से ग्लोबल एनर्जी मार्केट में असाधारण स्थिति पैदा हो गई है। अगर सरकार दखल नहीं देती, तो ईंधन के दाम दोगुने से ज्यादा हो जाते। घरेलू हवाई सफर को पहुंच में रखने के लिए यह फैसला लिया गया है।

क्या इसका फायदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी मिलेगा?

नहीं। सरकार ने साफ किया है कि यह राहत केवल घरेलू उड़ानों के लिए है। जो फ्लाइट्स विदेश जा रही हैं, उन्हें एटीएफ की बढ़ी हुई कीमत ही चुकानी होगी। अंतरराष्ट्रीय रूट पर चलने वाली फ्लाइट्स जेट फ्यूल के लिए वही रेट देंगी जो दुनिया के बाकी हिस्सों में चल रहे हैं।

इसका आम यात्रियों के टिकट पर क्या असर पड़ेगा?

चूंकि सरकार ने ईंधन की बढ़त को 25% पर रोक दिया है, इसलिए घरेलू उड़ानों के किराए में 'अचानक और बहुत ज्यादा' उछाल नहीं आएगा। हालांकि, 25% की बढ़ोतरी भी कम नहीं है, इसलिए एयरलाइंस टिकट की कीमतों में मामूली इजाफा कर सकती हैं।

'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' का बंद होना भारत के लिए क्यों चिंता की बात है?

यह समुद्री रास्ता कच्चे तेल की सप्लाई के लिए दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण पॉइंट है। इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण यह रास्ता ब्लॉक हो गया है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा यहीं से आयात करता है। सप्लाई रुकने से कीमतें बढ़ गई है।

एटीएफ के दाम कब और कैसे तय होते हैं?

भारत में साल 2001 से एटीएफ की कीमतें विनियमित हैं। इनका निर्धारण अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर हर महीने की पहली तारीख को सरकारी तेल कंपनियां करती हैं।

क्या आने वाले समय में राहत बढ़ सकती है?

यह पूरी तरह से पश्चिम एशिया के हालातों पर निर्भर करता है। सरकार ने फिलहाल 'स्टैगर्ड' (किस्तवार) तरीके से दाम बढ़ाए हैं ताकि एकदम से दाम न बढ़े। अगर तनाव कम होता है और सप्लाई बहाल होती है, तो भविष्य में कीमतें स्थिर हो सकती हैं।

अगर सरकार ने 25% का कैप लगाया है तो दाम अभी 8-9% ही क्यों बढ़े हैं?

सरकार ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चाहे 100% की तेजी आए, भारत में तेल कंपनियां एक बार में 25% से ज्यादा दाम नहीं बढ़ाएंगी। इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें 25% ही बढ़ाना है। 25% की पहली किस्त हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में 100% की तेजी कच्चे तेल के दामों में है। जब इसे भारत में प्रोसेस करके एटीएफ बनाया जाता है, तो उसमें रिफाइनिंग कॉस्ट, लॉजिस्टिक्स और टैक्स भी शामिल होते हैं। सरकार ने फिलहाल सिर्फ बेसिक कॉस्ट के एक हिस्से को ही पास-ऑन करने की अनुमति दी है। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) वह खास ईंधन है जिसका इस्तेमाल हवाई जहाजों के टर्बाइन इंजनों में किया जाता है। किसी भी एयरलाइन के कुल खर्च का लगभग 40% हिस्सा सिर्फ ईंधन पर खर्च होता है, इसीलिए एटीएफ के दाम सीधे हवाई किराए को प्रभावित करते हैं।

ईरान में अमेरिका के निशाने पर हैं अल-कायदा के आतंकी: रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन(ईएमएस)। ईरान के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ अपने अभियान को और अधिक विस्तार देने के संकेत दिए हैं। पेंटागन ने स्पष्ट किया है कि ईरान के भीतर सक्रिय अल-कायदा से जुड़े तत्व अब अमेरिकी सेना के सीधे निशाने पर हैं। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस बात पर जोर दिया कि ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियानों के बावजूद, अमेरिका का प्राथमिक ध्यान आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर पूरी तरह केंद्रित है। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कड़े शब्दों में कहा कि अल-कायदा अभी भी अमेरिका का प्रमुख दुश्मन बना हुआ है और ईरान में इस संगठन के कई सदस्य उनकी टारगेट लिस्ट में शामिल हैं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति अल-कायदा से जुड़ा है और ईरानी क्षेत्र का उपयोग अपनी गतिविधियों के लिए कर रहा है, तो उसे एक वैध सैन्य लक्ष्य माना जाएगा। पेंटागन के इस रुख से यह स्पष्ट हो गया है कि अगर ईरानी शासन आतंकवादियों को शरण देना जारी रखता है, तो उन ठिकानों पर अमेरिकी हमले निश्चित हैं। यह बयान उन खुफिया रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें ईरान के भीतर अल-कायदा नेतृत्व की मौजूदगी की आशंका जताई गई थी।

इस सैन्य रणनीति के साथ-साथ जॉइंट चीफ्स के चेयरमैन जनरल डैन केन ने भी संकेत दिया कि ईरान की सैन्य संरचना पर दबाव लगातार बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग केंद्रों, हथियारों के भंडारण स्थलों और अनुसंधान सुविधाओं के खिलाफ सटीक हमले जारी रखे हुए है। इस दबाव का उद्देश्य न केवल ईरान की सैन्य शक्ति को कम करना है, बल्कि उग्रवादी समूहों के लिए उपलब्ध संसाधनों और सुरक्षित पनाहगाहों को भी नष्ट करना है।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी सैन्य अभियान अंतरराष्ट्रीय कानूनों और स्थापित प्रक्रियाओं के तहत ही संचालित किए जा रहे हैं। जनरल केन के अनुसार, किसी भी हमले से पहले नागरिक जोखिमों और कानूनी पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाता है। अमेरिका के इन ताजा बयानों से यह संकेत मिलता है कि अब यह संघर्ष केवल दो देशों की पारंपरिक सेनाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह ईरानी क्षेत्र में मौजूद गैर-राज्य तत्वों और आतंकवादी नेटवर्कों के खिलाफ एक व्यापक युद्ध का रूप ले सकता है। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वह अपनी क्षेत्रीय स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे को निष्क्रिय करने में संकोच नहीं करेगा।

ईरान होर्मुज से निकलने वाले जहाजों से लेगा टैक्स, समुद्र के अधिकारों पर उठे सवाल

पश्चिम एशिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय तनाव एक बार फिर चरम पर है। ईरान ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना संप्रभु दावा जताते हुए यहाँ से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूलने की बात कही है, जिसने इस रणनीतिक जलमार्ग पर अधिकार और नियंत्रण की एक नई वैश्विक बहस छेड़ दी है। लगभग 50 किलोमीटर चौड़े इस जलडमरूमध्य का मुख्य नौवहन मार्ग मात्र 15 किलोमीटर चौड़ा है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त तेल परिवहन रास्तों में गिना जाता है।

समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र के नियमों के अनुसार, कोई भी देश अपनी तटरेखा से केवल 12 समुद्री मील तक के जल क्षेत्र पर ही पूर्ण अधिकार रख सकता है। इसी आधार पर ईरान खुद को खाड़ी क्षेत्र की सबसे प्रभावशाली शक्ति मानते हुए नियंत्रण की बात कर रहा है। हालांकि, भौगोलिक और कानूनी दृष्टि से यह दावा एकपक्षीय प्रतीत होता है क्योंकि ओमान भी खुद को इस जलमार्ग का गेटकीपर मानता है। ओमान का मुसंदम प्रायद्वीप इस मार्ग के मुहाने पर स्थित है और अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए सबसे सुरक्षित और गहरा समुद्री रास्ता ओमान के क्षेत्रीय जल क्षेत्र से होकर गुजरता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में ओमान और ईरान के बीच समन्वय के पुराने समझौते अस्तित्व में हैं।

इसके अतिरिक्त, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की समुद्री सीमाएं भी इस क्षेत्र से जुड़ी हैं। ईरान और यूएई के बीच अबू मूसा और टुनब द्वीपों को लेकर चल रहा पुराना विवाद इस क्षेत्र की सामरिक जटिलता को और बढ़ा देता है। अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत यहाँ मीडियन लाइन यानी मध्य रेखा का सिद्धांत लागू होता है, जिसके अनुसार समुद्र को संबंधित देशों के बीच बराबर बांटा जाता है। इस व्यवस्था के तहत ईरान और ओमान अपने-अपने हिस्सों में अधिकार तो रखते हैं, लेकिन वे अंतरराष्ट्रीय जहाजों की निर्बाध आवाजाही को कानूनी रूप से नहीं रोक सकते। स्पष्ट है कि होर्मुज पर किसी एक देश का पूर्ण एकाधिकार नहीं है। ईरान के ताजा दावे ने न केवल क्षेत्रीय संतुलन को चुनौती दी है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए भी एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है।

जिस तेल टेंकर को कुवैती तेल टैंकर समझ ईरान ने बनाया निशाना, वह निकला चीन का

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान को चीन का सबसे करीबी रणनीतिक और ट्रेड पार्टनर है। ईरान को इस जंग में चीन से सपोर्ट मिलने की बात भी कही जा रही है, लेकिन खबर मिली है कि यूएई के तट के पास जिस कुवैती तेल टैंकर को ईरान ने निशाना बनाया, वह चीन का 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर जा रहा था।

मीडिया रिपोर्ट में समुद्री खुफिया कंपनी के मुताबिक कुवैती ध्वज वाले विशालकाय टैंकर 'अल-सलमी' पर यूएई के तट से दूर अंधेरे में एक मिसाइल से हमला किया गया। हमले के बाद टैंकर में भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, जहाज के चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और फिलहाल तेल रिसाव की कोई बड़ी रिपोर्ट सामने नहीं आई है। दुबई के अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है, लेकिन अपनी पुरानी परंपरा के मुताबिक उन्होंने जहाज के नाम का आधिकारिक खुलासा करने से परहेज किया।

आंकड़ों के मुताबिक इस जहाज पर करीब 1.2 मिलियन बैरल सऊदी कच्चा तेल और 800,000 बैरल कुवैती कच्चा तेल लदा था। यह जहाज पिछले महीने ही लोड हुआ था और यह चीन का प्रमुख औद्योगिक शहर किंगदाओ जा रहा था। चीन अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है और ईरान उसका एक बड़ा सहयोगी है। ऐसे में ईरान के प्रभाव वाले क्षेत्र में चीन की ओर जा रहे टैंकर पर हमला होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या यह हमला किसी 'गलत पहचान' की वजह से हुआ? बता दें 2011 में निर्मित 'अल-सलमी' का स्वामित्व कुवैत की सरकारी ऑयल टैंकर कंपनी के पास है1 कुवैत और चीन के बीच तेल व्यापार के इस महत्वपूर्ण माध्यम को निशाना बनाकर हमलावरों ने वैश्विक तेल बाजार में भी अस्थिरता पैदा कर दी है। चीन और ईरान के बीच 25 साल का रणनीतिक समझौता है, जिसमें अरबों डॉलर का निवेश और तेल की गारंटी शामिल है। यह घटना दर्शाती है कि युद्ध की आग जब फैलती है, तो वह यह नहीं देखती कि निशाना दोस्त है या दुश्मन। बीच समंदर में 'स्वाहा' हुआ 20 लाख बैरल तेल केवल एक आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि यह चीन की उस सुरक्षा गारंटी पर भी सवालिया निशान है जो वह अपने व्यापारिक मार्गों के लिए दुनिया को देता आया है। अब देखना यह होगा कि बीजिंग इस पर क्या कड़ा रुख अपनाता है या फिर 'दोस्ती' के नाम पर इस नुकसान सहन करता है।

यूएस विदेश मंत्री रुबियो का दावा कहा- अमेरिका अपने ऐतिहासिक लक्ष्य में हो रहा है कामयाब

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान के संदर्भ में जारी सैन्य कार्रवाई और कूटनीतिक रुख पर कड़ा बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में अत्यंत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने एक साक्षात्कार के दौरान विश्वास व्यक्त किया कि अमेरिकी सेना द्वारा चलाए जा रहे सैन्य अभियान असाधारण दक्षता का प्रदर्शन कर रहे हैं और वर्तमान में यह अभियान निर्धारित समय सीमा से काफी आगे चल रहा है।

मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका अब अपनी मंजिल के बेहद करीब है। उन्होंने इन सैन्य कार्रवाइयों को आधुनिक सैन्य इतिहास के सबसे सफल सामरिक अभियानों में से एक बताया। रुबियो के अनुसार, अमेरिकी सेना ने जिस सटीकता और प्रभावशीलता के साथ अपने लक्ष्यों को साधा है, वह भविष्य के लिए एक मिसाल कायम करेगा। उन्होंने उन आलोचनाओं को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिनमें यह कहा जा रहा था कि वर्तमान स्थिति को कूटनीति के माध्यम से टाला जा सकता था। विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि ईरान को कई बार बातचीत के अवसर दिए गए थे, लेकिन तेहरान ने हर बार गंभीरता दिखाने के बजाय टालमटोल की रणनीति अपनाई। रूबियो ने जोर देकर कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में इस तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इस सैन्य हस्तक्षेप को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते हुए कहा कि ईरान एक ऐसे अगले उत्तर कोरिया बनने की राह पर था, जिसका नेतृत्व कट्टरपंथी धर्मगुरुओं के हाथ में होता। रुबियो ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि समय रहते ये कदम नहीं उठाए जाते, तो ईरान के पास ऐसी अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें विकसित हो जातीं, जो सीधे अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम होतीं।

वाशिंगटन के रुख को स्पष्ट करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भविष्य में भी बातचीत के लिए अपने दरवाजे खुले रखेगा, लेकिन वह कूटनीति को किसी भी प्रकार की देरी करने की चाल के रूप में इस्तेमाल नहीं होने देगा। उन्होंने साफ किया कि बातचीत की विफलता को अमेरिका की रक्षा करने और किसी भी वास्तविक खतरे को खत्म करने की क्षमता में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। रुबियो का यह बयान अमेरिका के उस दोहरे और सख्त दृष्टिकोण को रेखांकित करता है, जहां एक तरफ सैन्य अभियानों की गति और प्रभावशीलता पर अटूट विश्वास है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए कूटनीतिक विकल्पों को सीमित और परिणामोन्मुखी बनाने की तैयारी है।

इराक में अवार्डी अमेरिकी पत्रकार का अपहरण, घसीटकर कार में बैठाकर हुए फरार

बगदाद,(ईएमएस)। इराक की राजधानी बगदाद में मंगलवार को सड़कों पर चहल-पहल थी, तभी कुछ अज्ञात नकाबपोश आए और एक अमेरिकी पत्रकार को पकड़कर ले गए। ये अवॉर्ड विनिंग अमेरिकी पत्रकार शेली किटल्सन थीं, जिनका बीच बाजार अपहरण कर लिया गया है। इराकी आंतरिक मंत्रालय और पुलिस सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। ये पूरी खौफनाक घटना सीसीटीवी में साफ दिखाई दे रही है। मीडिया रिपोर्ट में चश्मदीदों और पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शेली किटल्सन अपनी कार से कहीं जा रही थीं, तभी दो गाड़ियों ने उनका रास्ता रोक लिया। फुटेज में दिख रहा है कि हथियारबंद नकाबपोशों ने शेली की कार का दरवाजा जबरन खोला और उन्हें अपनी गाड़ी की ओर ले गए। चश्मदीदों का कहना है कि शेली चिल्लाती रहीं, लेकिन अपहरणकर्ता ने उन्हें बंदूक की बट मारकर चुप करा दिया और अपनी गाड़ी में बैठाकर फरार हो गए। शेली किटल्सन कोई साधारण नाम नहीं हैं, वे एक जांबाज और अवॉर्ड विनिंग जर्नलिस्ट हैं जो लंबे समय से मिडिल ईस्ट के खतरनाक इलाकों से रिपोर्टिंग कर रही हैं। शेली के पास अमेरिकी पासपोर्ट है, जो इस किडनैपिंग को एक अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मुद्दा बनाता है। शेली अक्सर इराक और सीरिया में सक्रिय आतंकी गुटों और मिलिशिया के खिलाफ लिखती रही हैं। माना जा रहा है कि उनकी हालिया रिपोर्टिंग की वजह से ही वे किसी ताकतवर गुट के निशाने पर आ गईं।

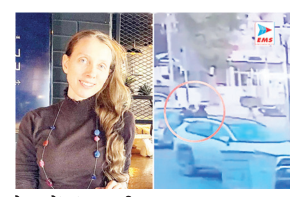

गुप्त तरीके से मिडिल ईस्ट पहुंचे अमेरिकी रक्षा मंत्री, ईरान को भनक तक नहीं लगी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट की जंग में अमेरिका एक बार फिर से कंफ्यूज है। एक तरफ ट्रंप और उनकी सेना मिलकर पीस टॉक की बात कर रहे हैं तो दूसरी तरफ ईरान पर हमले की तैयारी की जा रही है। हालांकि, ट्रंप और उनके रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ लगातार मीडिया के साथ बात कर रहे हैं। बुधवार को प्रेस ब्रीफिंग में हेगसेथ ने खुलासा किया कि पिछले हफ्ते वो खुद मिडिल ईस्ट दौरे पर पहुंचे थे, इस सीक्रेट विजिट में वह ट्रंप के आदेश पर एक बड़े हमले की तैयारी करके आए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अज्ञात इलाके में हेगसेथ का दौरा ऐसे वक्त पर हुआ है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ एक बड़े 'ग्राउंड इन्वेजन' यानी जमीनी हमले का आदेश देने की तैयारी में हैं। हेगसेथ ने सुरक्षा कारणों से उन ठिकानों के नाम बताने से मना कर दिया जहां वे गए थे, ताकि वे ईरान के निशाने पर न आ जाएं। उन्होंने बताया कि ये दौरा पूरी तरह से सरप्राइज था और सैनिकों को उनके आने की भनक तक नहीं थी। उन्होंने कहा कि ये दौरा मेरे लिए सम्मान की बात थी। मैंने वहां अमेरिका के दुनिया के सबसे बेहतरीन योद्धाओं को देखा, एक ऐसा ब्रदरहुड जो अपने मिशन के प्रति पूरी तरह समर्पित था। हेगसेथ ने ईरान को मनोवैज्ञानिक चेतावनी दे डाली। उन्होंने कहा कि आप तब तक युद्ध नहीं जीत सकते जब तक आप अपने दुश्मन को ये बताते रहें कि आप क्या करने वाले हैं या क्या नहीं। हमारा दुश्मन इस वक्त सोच रहा होगा कि हम 15 अलग-अलग तरीकों से उन पर जमीनी हमला कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पेंटागन ईरान में हफ्तों तक चलने वाले जमीनी ऑपरेशनों की तैयारी कर रहा है, जिसमें हजारों सैनिक और मरीन शामिल हो सकते हैं। इस बीच, अमेरिका ने ईरान के उस हथियार डिपो पर भीषण हवाई हमला किया है, जहां एनरिच्ड यूरेनियम रखे होने का शक था। ट्रंप ने खुद 'ट्रुथ सोशल' पर इस्फहान में हुए हमले का वीडियो शेयर किया है, जिसमें 2,000 पाउंड के बंकर-बस्टर बम रात के अंधेरे में तबाही मचाते दिख रहे हैं। खबरें है कि ट्रंप ईरान के भीतर अपनी 'स्पेशल फोर्सेस' भेजकर इस्फहान जैसे ठिकानों से यूरेनियम का भंडार जब्त करने की योजना बना रहे हैं। नासा के सैटेलाइट डेटा ने भी इस्फहान के पास माउंट सोफेह इलाके में भीषण आग और धमाकों की पुष्टि की है।

वेस्टबैंक इलाके में फिलिस्तीनी लोग बैनर लेकर इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए। इससे पहले इजरायल ने अपने नये कानून में हमले के लिए दोषी फिलिस्तीनियों को मौत की सजा देने की बात कही थी।

दुर्घटनाग्रस्त हुआ अमेरिका का एफ-35 फाइटर जेट, पायलट ने इजेक्ट कर बचाई खुद की जान

नेवादा(ईएमएस)। अमेरिका के नेवादा राज्य में लास वेगास के पास स्थित नेलिस एयर फोर्स बेस पर एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहाँ वायुसेना का एक अत्याधुनिक एफ-35 फाइटर जेट उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरुआती अपुष्ट खबरों में इस विमान के एफ -15 होने की चर्चा थी, लेकिन बाद में आधिकारिक सूत्रों और सैन्य बयानों के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि क्रैश होने वाला विमान वास्तव में एफ -35 फाइटर जेट था। यह घटना नेवादा के क्लार्क काउंटी इलाके में हुई, जिससे सैन्य हलकों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

वायुसेना द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह हादसा अमेरिकी समयानुसार शाम करीब 5 बजे के आसपास हुआ। जैसे ही विमान में तकनीकी खराबी या असंतुलन की स्थिति पैदा हुई, बेस पर तुरंत इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिया गया। राहत की बात यह रही कि विमान के जमीन से टकराने से ठीक पहले पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए सुरक्षित तरीके से इजेक्ट कर लिया। हालांकि, हादसे के शुरुआती कुछ समय तक पायलट का लोकेशन स्पष्ट नहीं हो पा रहा था, जिसके कारण तत्काल प्रभाव से एक सघन सर्च ऑपरेशन (खोजी अभियान) चलाया गया।करीब 5 बजकर 42 मिनट पर राहत टीमों को पायलट को खोजने में सफलता मिली। जांच के बाद पता चला कि पायलट सुरक्षित है और उसे केवल मामूली चोटें आई हैं, जिसके बाद उसे उपचार के लिए मेडिकल टीम के पास भेज दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान का मलबा लास वेगास से लगभग 25 मील उत्तर-पूर्व में स्थित इंडियन स्प्रिंग्स इलाके के पास मिला है। यह इलाका आबादी से दूर होने के कारण जमीन पर किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

वर्तमान में अमेरिकी वायुसेना की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें और सुरक्षाकर्मी मौके पर तैनात हैं और पूरे प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है। हालांकि शुरुआती कयासों में तकनीकी खराबी या उड़ान के दौरान संतुलन खोने की बात कही जा रही है, लेकिन हादसे के वास्तविक कारणों का अभी तक आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है।

ट्रंप की 'सेव एक्ट' नीति ने बढ़ाई चिंता, लाखों प्रवासी मतदाताओं पर पड़ेगा असर!

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थित 'फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र' नीति और प्रस्तावित 'सेव एक्ट' को लेकर भारतीय-अमेरिकी समुदाय में चिंता बढ़ती जा रही है। यदि यह विधेयक सीनेट में पारित होता है, तो आगामी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले नए नियम लागू हो सकते हैं, जिससे लाखों प्रवासी मतदाताओं पर असर पड़ने की आशंका है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक विशेष रूप से टेक्सास और फ्लोरिडा जैसे रिपब्लिकन शासित राज्यों में रहने वाले प्रवासियों के बीच भय का माहौल है। आशंका जताई जा रही है कि मतदान केंद्रों पर कड़े दस्तावेज सत्यापन के चलते वे सीधे फेडरल एजेंसियों और इमिग्रेशन अधिकारियों की निगरानी में आ सकते हैं। दस्तावेजों में मामूली त्रुटि भी उनके नागरिकता अधिकारों पर सवाल खड़े कर सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस डर के कारण करीब 12.5 लाख भारतीय-अमेरिकी मतदाता मतदान प्रक्रिया से दूरी बना सकते हैं। इससे न केवल उनकी राजनीतिक भागीदारी प्रभावित होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भूमिका भी कमजोर होगी।

इसी बीच एच-1बी वीजा को लेकर भी सख्ती बढ़ाई है। टेक्सास के गवर्नर ने घोषणा की कि राज्य सरकार अब एच-1बी वीजा पर विदेशी नागरिकों की नियुक्ति नहीं करेगी और न ही सरकारी या शैक्षणिक संस्थाएं उन्हें प्रायोजित करेंगी। फ्लोरिडा ने भी इसी तरह के कदम उठाए हैं। इन फैसलों का सबसे ज्यादा असर भारतीय पेशेवरों पर पड़ने की संभावना है, जो बड़ी संख्या में इन राज्यों में कार्यरत हैं। फ्लोरिडा में रहने वाले एक भारतीय मूल के नागरिक का कहना है कि यह मुद्दा केवल मतदान का नहीं, बल्कि प्रवासियों की पहचान और अधिकारों से जुड़ा है। उनका मानना है कि यदि मतदान केंद्रों पर इमिग्रेशन एजेंट तैनात किए जाते हैं, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है, खासकर उन बुजुर्गों के लिए जिनके दस्तावेज अद्यतन नहीं हैं। टेक्सास के व्यवसायी जो पहले ट्रम्प समर्थक रहे हैं, अब असहज हैं।

जंग खत्म करने को तड़प रहे ट्रंप बोले- कुछ ही हफ्तों में बुला लेंगे अमेरिकी सेना

वॉशिंगटन (ईएमएस)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य संघर्ष अब अपने दूसरे महीने में प्रवेश कर चुका है, जिससे पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल है। इस युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा बयान देकर सबको चौंका दिया है। ट्रंप ने संकेत दिया है कि अमेरिकी सेना अगले दो से तीन हफ्तों के भीतर ईरान से बाहर निकल सकती है। हालांकि, यह घोषणा सैन्य दबाव कम करने के बजाय कूटनीतिक दांवपेच अधिक लग रही है। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें होर्मुज जलडमरूमध्य के खुले रहने या बंद होने से कोई विशेष सरोकार नहीं है और वे इस व्यापारिक मार्ग के बिना भी ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने की क्षमता रखते हैं। राष्ट्रपति का यह रुख वैश्विक तेल बाजार और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर रहा है, क्योंकि यह मार्ग वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए जीवनरेखा माना जाता है। दूसरी ओर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शांति की पहल करते हुए कहा है कि यदि भविष्य में दोबारा संघर्ष न होने की पुख्ता गारंटी दी जाए, तो उनका देश तुरंत युद्ध खत्म करने के लिए तैयार है। लेकिन जमीनी हकीकत इस कूटनीति से इतर नजर आती है। तेहरान में हाल ही में धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिसके बाद वहां के एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया गया। इसके साथ ही, ईरान की शक्तिशाली सैन्य इकाई इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका को सीधी धमकी दी है।

बेलग्रेड में सर्बियाई पुलिस छात्रों की रैली पर नजर रखती हुई। ये छात्र पुलिस के यूनिवर्सिटी कार्यालय की जांच का विरोध कर रहे हैं।

पाकिस्तान की नहीं गली दाल, अब अमेरिका सीधे ईरान से कर रहा बात, बनती दिख रही सहमति

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी सैन्य और कूटनीतिक गतिरोध अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। ताजा घटनाक्रमों से यह संकेत मिल रहे हैं कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच पर्दे के पीछे सीधे संवाद की लाइन खुल गई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पुष्टि की है कि उन्हें पश्चिम एशिया में तैनात अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से सीधे संदेश प्राप्त हुए हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसे औपचारिक वार्ता नहीं कहा जा सकता, लेकिन संपर्क बना हुआ है। यह सीधी बातचीत मध्यस्थता की कोशिश कर रहे पाकिस्तान जैसे देशों के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखी जा रही है, क्योंकि अब तेहरान ने किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को लगभग खारिज कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों ने भी इन कूटनीतिक अटकलों को बल दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ मजबूत बातचीत जारी है और अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। हालांकि, अमेरिकी रक्षा विभाग का रुख अब भी सख्त बना हुआ है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन समझौते की दिशा में कदम जरूर बढ़ा रहा है, लेकिन वह बमों के साथ बातचीत की नीति पर कायम रहेगा। इसका अर्थ है कि सैन्य दबाव और कूटनीतिक संवाद साथ-साथ चलेंगे।

परमाणु हथियारों की होड़ का जिन्न आया बोतल से बाहर, सऊदी, तुर्की, जापान ने भरी हुंकार

- ग्रॉसी बोले- ज्यादा देशों के पास परमाणु से दुनिया सुरक्षित नहीं, बारुद के ढेर पर बैठ जाएगी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका-इजराल लगातार ईरान पर बमबारी कर रहे हैं। वहीं ईरान भी लगातार उनके हमलों का जवाब पूरी ताकत से दे रहा है। इस युद्ध ने दुनिया को एक ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां से वापसी का रास्ता धुंधला नजर आता है। पिछले एक साल में अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर दो बड़े हमले किए। इन हमलों का मुख्य मकसद ईरान की परमाणु क्षमता को खत्म करना था, जिसे अमेरिका और इजराइल अपने लिए खतरा मानते हैं। ईरान में पिछले पांच हफ्तों से सैन्य अभियान जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जानकारों का मानना है कि इस

जंग ने दुनिया भर में परमाणु हथियारों की होड़ के उस जिन्न को बोतल से बाहर निकाल दिया है, जिसे दशकों तक काबू में रखने की कोशिश की गई थी। ईरान में शासन बदलने और उसके परमाणु कार्यक्रम को जमींदोज करने की जिद अब उल्टी पड़ती नजर आ रही है। यूरोप से लेकर पूर्वी एशिया तक के देश अपनी परमाणु नीति पर दोबारा विचार करने को मजबूर हैं। कई देश अब इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि क्या उन्हें अपने शक्तिशाली सहयोगियों पर आंख मूंदकर भरोसा करना चाहिए? ट्रंप प्रशासन की अनिश्चितता और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच, अब अपनी संप्रभुता बचाने के लिए खुद के परमाणु हथियार बनाने का विकल्प सबसे ऊपर आ गया है। यह शीत युद्ध के बाद बनी वैश्विक व्यवस्था से एक बहुत बड़ा भटकाव है। एक वक्त था जब कई देश अमेरिका की परमाणु छतरी के नीचे खुद को महफूज मानते थे, लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। यूरोप में जर्मनी और पोलैंड जैसे देश अब फ्रांस के उस प्रस्ताव पर गंभीरता से चर्चा कर रहे हैं, जिसमें यूरोपीय परमाणु गारंटी की बात कही गई है। उन्हें डर है कि अमेरिका किसी भी वक्त अपने हाथ खींच सकता है। वहीं, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में जापान और दक्षिण कोरिया की चिंताएं भी चरम पर हैं। खुद अमेरिका ने भी संकेत दिए हैं कि वह 33 साल के अंतराल के बाद परमाणु परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है। रूस की पोसीडॉन अंडरवाटर ड्रोन और ब्यूरेवेस्टनिक क्रूज मिसाइल जैसी तकनीक ने अमेरिका की नींद उड़ा दी है। सऊदी अधिकारियों ने पहले ही साफ कर दिया था कि अगर ईरान बम बनाता है, तो वे भी पीछे नहीं रहेंगे। हाल ही में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रक्षा समझौते ने इस आग में घी डालने का काम किया है। पाकिस्तान ने संकेत दिए हैं कि जरूरत पड़ने पर उसके परमाणु हथियार सऊदी अरब के लिए उपलब्ध रहेंगे। नाटो सदस्य तुर्की भी इस दौड़ से बाहर नहीं रहना चाहता। तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान परमाणु शक्ति बनता है, तो तुर्की को भी इस रेस में शामिल होना पड़ेगा। ईरान के खिलाफ मौजूदा सैन्य कार्रवाई ने दुनिया को एक कड़ा सबक दिया है। लीबिया और यूक्रेन जैसे देशों का उदाहरण सबके सामने है, जिन्होंने अपने परमाणु विकल्प छोड़ दिए और बाद में उन्हें बाहरी हमलों का सामना करना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने इस प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि ज्यादा देशों के पास परमाणु हथियार होने से दुनिया सुरक्षित नहीं, बल्कि और भी खतरनाक हो जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि आज का माहौल परमाणु हथियारों के पक्ष में वैसा ही है जैसा पहले कभी नहीं था। अगर देशों को लगता है कि सामूहिक सुरक्षा का वादा सिर्फ एक दिखावा है, तो वे निश्चित रूप से सबसे बड़े हथियार की ओर ही देखेंगे। ईरान युद्ध ने उस अंतरराष्ट्रीय तंत्र की पोल खोल दी है जो परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए बनाया गया था। ईरान की संसद में अब एनपीटी से बाहर निकलने के लिए बिल पेश किया जा रहा है। उनका तर्क है कि जब यह संधि उनके ठिकानों की रक्षा नहीं कर सकती, तो इसमें रहने का कोई मतलब नहीं है। अप्रैल 2026 में न्यूयॉर्क में होने वाली एनपीटी रिव्यू कॉन्फ्रेंस में बड़े टकराव की आशंका है।

शुभमन ने हार के लिए कमजोर बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

मुल्लापुर (ईएमएस)। गुजरात टाइटंस टीम को आईपीएल के 19 वें सत्र के अपने पहले ही मैच में पंजाब किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। 3 विकेट से मिली इस हार से गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल निराश है। शुभमन ने हार के लिए टीम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि हम अगर 10 से 15 रन और बनाते तो हालात अलग होते। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस ने निर्धारित 20 ओवरों में 162 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को पंजाब किंग्स ने 19.1 ओवर में ही 7 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। मैच में हार के लिए शुभमन ने खराब बल्लेबाज को कारण बताया है। उन्होंने कहा कि टीम ने अगर 10 से 15 रन और ज्यादा बनाए होते तो ये मैच उनके हाथों में आ जाता।

शुभमन ने कहा कि मुझे लगता है कि हमने अच्छी गेंदबाजी की, पर अंतिम पांच-छह ओवरों में रन नहीं बना पाये। उन्होंने स्वीकार किया है कि टीम 10 से 15 रन कम बना पायी थी। साथ ही कहा कि इस पिच पर 200 से अधिक रन नहीं बन सकते थे पर कहा कि 162 के लक्ष्य का बचाव करना आसान नहीं था। शुभमन ने कहा "बल्लेबाजी करते समय यह 210-220 रन वाली पिच नहीं लग रही थी पर मुझे लगता है कि अगर हमने 175 रन बना लिए होते तो हालात कुछ और होते।" उन्होंने कहा कि पहली पारी में गेंद के पुरानी हो जाने के बाद उस पर रन बनाना कठिन हो गया था, जबकि दूसरी पारी में बारिश के कारण पिच पर गेंद तेजी से आर रही थी जिसके कारण विरोध टीम के बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान हो गया। गिल ने कहा कि गेंद पुरानी होने के बाद उसे सीधे मैदान पर मारना कठिन हो गया। दूसरी पारी में बारिश जारी रही, जिससे गेंद गीली हो गई, इसका लाभ बल्लेबाजों को मिला। इसलिए मुझे नहीं लगता कि दूसरी पारी में बारिश उतनी रुकी। फिर भी, मुझे लगता है कि हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने दबाव बनाए रखा।

वहीं प्रसिद्ध कृष्णा को देर से गेंदबाजी में लाने को लेकर गिल ने कहा "मैं सोच सकता था, लेकिन वह सही समय पर आए विकेट लिए और हमें 17वें और 18वें ओवर तक मैच में बनाए रखा। उस समय हमने सोचा, जब पिच थोड़ी धीमी हो रही थी, तो शायद कोई तेज और पतला गेंदबाज हमें कुछ विकेट दिला सकता था। वो नेट प्रैक्टिस में काफी अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे।" वहीं शुभमन ने नए गेंदबाज हैं। उन्होंने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की और मुझे लगता है कि अंत में भी वो काफी अच्छे खिलाड़ी साबित होंगे। वह काफी मेहनत करते हैं और हमारे लिए एक अच्छे फील्डर भी हैं। दरअसल, मैं उनसे कुछ महीने पहले कैंप के दौरान मिला था और नई गेंद से उनकी गेंदबाजी से मैं बहुत प्रभावित हुआ था। उम्मीद है कि उन्हें कुछ मैचों में नई गेंदबाजी का अवसर मिलेगा।"

आईपीएल में ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ में रिकेल्टन और डफी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के शुरुआती मैच जारी है। ऐसे में अभी से सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए संभावितों के नाम आने शुरु हो गये हैं। अभी तक सबसे अधिक रनों के मामले में शीर्ष पांच पर मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन हैं। जिन्होंने एक ही मैच में 81 रन बनाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सनराइजर्स के ईशान किशन हैं जिनके 80 रन हैं। वहीं तीसरे नंबर पर मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा 78 रनों के साथ हैं। चौथे स्थान पर कूपर कोनोली हैं उनके 72 रन हैं जबकि विराट कोहली 69 रनों के साथ ही पांचवें नंबर पर हैं। वहीं आईपीएल 2026 पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर जैकब डफी जबकि दूसरे स्थान पर प्रसिद्ध कृष्णा हैं। तीसरे स्थान पर विजयकुमार विषाक जबकि चौथे पर शार्दुल ठाकुर हैं और पांचवें स्थान पर रोमारियो शेफर्ड हैं। इन सभी गेंदबाजों के नाम 3-3 विकेट हैं पर जैकब डफी का औसत 7.33 का है इसी कारण वह नंबर एक पर हैं। ।

सीए ने केन्द्रीय अनुबंध में 21 खिलाड़ियों को शामिल किया, मैक्सवेल सहित कई दिग्गजों को नहीं मिली जगह

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने नए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। इसमें 21 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। वहीं ग्लेन मैक्सवेल सहित कई खिलाड़ियों को इसमें जगह नहीं मिली है। इस करार में कुछ नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। वहीं कुछ खिलाड़ियों को अधिक रकम मिली है। कॉन्सट्स, मैट रेनशॉ और झाय रिचर्डसन को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने नये टेस्ट खिलाड़ियों ब्रेंडन डॉगेट और जेक वेदरल्ड को इस बार शामिल किया है। वहीं माइकल नेसर और टॉड मर्फी को भी इस सूची में जगह मिली है। झाय रिचर्डसन, लांस मॉरिस, पूर्व टेस्ट ओपनर सैम कोंस्टास के अलावा ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और विक्टोरियन मैट शॉर्ट को इस सूची से हटा दिया गया है। इसके अलावा उस्मान ख्वाजा को भी अनुबंध में जगह नहीं मिली है। ख्वाजा ने एशेज के के बाद टेस्ट से संन्यास ले लिया था। अनुबंधित खिलाड़ी हैं। जेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, ब्रेंडन डॉगेट, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर और एडम जैम्पा। सीए के अनुसार जिन खिलाड़ियों के साथ अनुबंध नहीं है, वे अगले 12 महीनों में अनुबंध पा सकते हैं।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में बेथ को पीछे छोड़कर जॉर्जिया शीर्ष पर पहुंची

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर परिषद (आईसीसी) की महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। जॉर्जिया वॉल ने अपनी ही साथी खिलाड़ी बेथ मूनी को पीछे छोड़ा है। जॉर्जिया 8 स्थान ऊपर आयी हैं। वहीं भारत की स्मृति मंधाना दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड की अमेलिया केर पहले नंबर पर हैं। वहीं वेस्टइंडीज की हीली मैथ्यूज अब दूसरे स्थान पर आ गयी हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में रेणुका सिंह ठाकुर पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो शीर्ष पर सादिया इकबाल हैं, जबकि दूसरे स्थान पर सोफी एक्लेस्टोन हैं। तीसरे पायदान पर दीप्ति शर्मा, चौथे नंबर पर लॉरेन बेल और पांचवें पायदान पर रेणुका सिंह ठाकुर हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग पर नजर डालें तो शीर्ष पर अमेलिया केर हैं। दूसरे पायदान पर हीली मैथ्यूज, तीसरे पर दीप्ति शर्मा, चौथे पर एश्ली गार्डनर और चमारी अट्टापट्टू पांचवें नंबर पर हैं। नई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आईसीसी ने जो लेटेस्ट रैंकिंग जारी की है, उसमें नई नंबर वन बल्लेबाज और नई नंबर वन ऑलराउंडर देखने को मिली है। जॉर्जिया वॉल ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नंबर वन स्थान हासिल कया है।

आरसीबी में सभी को अपनी भूमिका पता है : कुणाल

बेंगलुरू (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने आईपीएल में 19 वें सत्र की शुरुआत शानदार जीत से की है। जिसके बाद से ही टीम में उत्साह का माहौल है। इस प्रकार टीम अपना खिताब बरकरार रखने के लिए तैयार नजर आती है। पहले मैच में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिन ऑलाउंडर कुणाल पंड्या का कहना है कि टीम पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर हुई है। कुणाल के अनुसार पिछले साथ पिछले साल टीम नई थी पर इस बार खिलाड़ी एकदूसरे से घुल मिल गये हैं और सभी को अपनी भूमिका पता है। इससे किसी प्रकार का संशय नहीं रहता है। आरसीबी ने पिछले सत्र में पहली बार । खिताबी जीत दर्ज की थी। कृणाल ने कहा, इस साल टीम में बदलाव नहीं हुए है। सभी पहले से खेल रहे हैं, ऐसे में टीम संतुलन भी बेहतर हुआ है। इस साल खिलाड़ियों को अपनी भूमिका के साथ ही ताकत और कमजोरी पता है। उन्होंने कहा, जब मैं बड़े अवसरों पर खेलता हूं तो मुझे लगता है कि अगर भगवान आपको यहां तक लाए हैं तो कोई कारण होगा और मुझे लगता है कि ये बड़े मौके मेरे लिए ही बने हैं। मुझे पहले दबाव महसूस होता था पर अब में शांत रहने का प्रयास करता हूं। जिससे की बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। उन्होंने कहा कि टीम में अनुभवी खिलाड़ी विराट

कोहली से सभी प्रेरित रहते हैं। उनका खेल के प्रति जो जुनून है उसकी कोई बराबरी नहीं सकता है।

श्रेयस अय्यर पर लगा 12 लाख जुर्माना

आईपीएल मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पंजाब टीम की धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए श्रेयस पर ये जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से कहा गया है कि पंजाब किंग्स ने धीमी ओवर गति के साथ ही आचार संहिता का उल्लंघन किया है। इसी कारण पंजाब के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। । टीम पंजाब किंग्स टीम अपने

घरेलू मैदान में खेले गये इस मैच में टाइटन्स के खिलाफ समय पर आखिरी ओवर को शुरू नहीं कर पाई थी। पहली पेनल्टी तो मैच में ही पंजाब किंग्स पर लग गई थी, जब एक फील्डर को टीम बाहर नहीं रख पाई थी। पांच की जगह चार ही फील्डर बाउंड्री लाइन पर थे। वहीं, अब उन पर स्लो ओवर रेट के लिए फाइन भी लगा है। नियम के अनुसार एक बार टीम इस अपराध के लिए दोषी पाई जाती है तो टीम की मैच फीस भी काटी जाती है कप्तान को दोगुन जुर्माना भरना पड़ता है। इसके अलावा कप्तान पर एक मैच के लिए प्रतिबंध भी लगता है।

अर्शदीप आईपीएल में सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे खिलाड़ी बने

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल

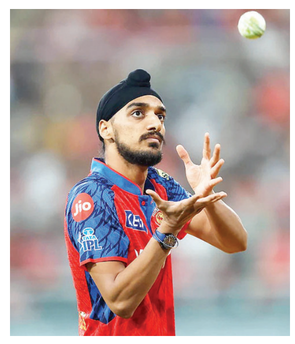

मुकाबले के एक ही ओवर में 11 गेंदें फेंककर एक अनचाहा रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे गेंदबाज बन गये हैं। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा और हार्दिक पंड्या सहित पांच गेंदबाजों के नाम संयुक्त रुप से आईपीएल में सबसे लंबा ओवर करने का रिकार्ड है। वहीं गुजरात के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप ने पारी के 20वें ओवर में कुल 11 गेंदें फेंकी। इसके बाद अर्शदीप ने नए ओवर की पहली ही गेंद वाइड की। अगली दो गेंदों पर कोई रन नहीं बना। राहुल ओवर की तीसरी गेंद पर तेवतिया ने चौका लगा दिया। अर्शदीप ने इसके बाद एक नो-बॉल और दो वाइड गेंदें की। वहीं पांचवीं गेंद पर तेवतिया ने एक रन लिया। वहीं अगली ही गेंद अर्शदीप ने वाइड की।

वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले : माइकल वॉन

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा है उसे भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। वैभव ने जिस प्रकार राजस्थान रॉयल्य की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिग्स के खिलाफ 15 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया उससे वॉन हैरान हैं। वॉन ने कहा कि वैभव को अब आने वाले समय में इंग्लैड दौरे पर भेजना चाहिये। उनका मानना है कि इस उभरते हुए बल्लेबाज को एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार किया जाना चाहिये। वॉन के अनुसार अगर वैभव इंग्लैड दौरे के लिए सीमित ओवरों के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं बना पाते, तो भी उन्हें तीन टी20 मैचों की टीम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने और माहौल समझने का अनुभव मिलेगा।

वॉन ने कहा, "वो भारतीय टीम में कब शामिल किया जाता है मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। अगर मैं भारतीय क्रिकेट में होता, तो मैं उसे उस दौरे पर ले जाता। जरूरी नहीं कि वो अभी टीम में खेल रहे खिलाड़ियों की जगह ले पर उसे टीम के माहौल में लाना जरूरी है। उसे टीम के साथ लाओ, अगर एक-दो मैच खेलने का मौका मिले तो शानदार, लेकिन उसे दौरे पर ले जाओ। उन्होंने साथ ही कहा, "मैं उसे भारतीय टीम के साथ थोड़ा अनुभव दिलाता। जरूरी नहीं कि वो सीधे टीम में शामिल हो पर उसका टीम के साथ रहना अनुभव के हिसाब से अच्छा रहेगा। उसके प्रदर्शन पर किसी को भी संदेह नहीं है।" पिछले एक साल में वैभव ने काफी रन बनाए हैं। सिर्फ आईपीएल ही नहीं अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाका किया है। उन्होंने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में शतक लगाये हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन बनाये। इसके अलावा अंडर-19 विश्वकप में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इस बल्लेबाज ने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल में 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा दिखायी थी। उसे बाद से ही वैभव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

मोटे बल्ले से बल्लेबाजी करते हुए पकड़े गये तेवतिया

मुल्लापुर(ईएमएस)। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज राहुल तेवतिया आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में उस समय फंस गये जब अंपायर ने मोटे बल्ले का प्रयोग करने के लिए उन्हें पकड़ लिया। अंपायर ने जांच में पाया कि तेवतिया का बल्ला मोटा था। इस प्रकार के बल्ले को वैध नहीं माना जाता है। इसके बाद अंपायर ने तेवतिया को बल्ला बदलने के लिए कहा। तेवतिया ने अंपायर की बात मानते हुए एकदम से बल्ला बदल लिया। आईपीएल में मैच के दौरान कभी भी बल्ले की जांच हो जाती है। अंपायरों के पास एक बैट गेज होता है, जिसकी जांच में अगर बल्ला अगर नहीं निकलता है तो उस बल्ले को बदल दिया जाता है। तेवतिया के मामले में भी ऐसा ही हुआ। वहीं तेवतिया ने कहा कि उनके बल्ले के पीछे स्टीकर लगा हुआ है, जिसकी वजह से बल्ला मोटा नजर आ रहा है पर अंपायरों ने उनकी नहीं सुनी और बल्ला बदलवा दिया। एमसीसी के नियमों के अनुसार बल्लेब की मोटाई 67एमएम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और किनारे 40एमएस से ज्यादा मोटे न हों। मोटे बल्ले के लिए कोई तय सजा नहीं है पर आईपीएल आचारसहिता के हिसाब ने 50 फीसदी तक की मैच फीस काटी जा सकती है।

फीफा विश्वकप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी इटली, बोस्निया ने पेनल्टी शूट आउट में 4-1 से हराया

बर्लिन (ईएमएस)। इटली की टीम एक बार फिर फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इटली को बोस्निया के खिलाफ हुए क्वालीफाइंग मुकाबले में पेनल्टी शूट आउट में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा है। ये तीसरी बार बार है जब इटली की टीम विश्वकप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। ये मुकाबला अतिरिक्त समय में भी 1-1 से बराबरी पर रहा। वहीं इसके बाद शूटआउट में बोस्निया की टीम जीत गयी। इस जीत के साथ ही बोस्निया की टीम करीब 12 साल बाद विश्कवप के लिए क्वालीफाई कर पायी है। इससे पहले बोस्निया ने साल 2014 के बाद पहली बार विश्व कप मेंजगह बनायी है। इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनाजोला कहा है कि विश्वकप से बाहर होने से हम सब निराश हैं। वहीं मुख्य कोच ने भी कहा है कि वह प्रशंसकों से माफी मांगते हैं। टीम काफी प्रयासों के बाद भी क्वालीफाई नहीं कर पायी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इटली की शुरुआत सही रही थी पर मोइज कीन ने बोस्निया के गोलकीपर निकोला वासिलज को छका कर अपनी टीम को 15वें मिनट में ही एक गोल से बढ़त दिला दी। हाफटाइम से पहले इटली के सेंटर-बैक एलेसेंड्रो बास्टोनी को फाउल के कारण बाहर कर दिया गया। इसके बाद 10 खिलाड़ियों से खेल रही इटली ने वापसी का प्रयास किया पर बोस्निया ने दबाव बनाया और अंत में 79वें मिनट में हारिस तबाकोविक ने स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। अतिरिक्त समय में कोई भी टीम जीत नहीं पाई, जिससे मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया। यहां इटली की ओर से केवल सैंड्रो टोनाली ही गोल कर पाये। वहीं बोस्निया ने चार गोल दाग दिये। वहीं एक अन्य मैच में चेक रिपब्लिक ने डेनमार्क के खिलाफ शूटआउट में 5-3 से जीत हासिल की और 2026 के फाइनल में जगह बनायी। एक अन्य मुकाबले में स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से हराकर विश्वकप के लिए क्वालीफाई किया। एक अन्य मुकाबले में तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से हराकर विश्वकप में जगह बनायी। फीफा विश्कप इसी साल जून में खेला जाएगा।

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुझे टी20 के लिए योग्य नहीं माना जा रहा : शमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उन्हें पिछले पांच से छह साल में 130 विकेट लेने के बाद भी टी20 के लिए उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। शमी के अनुसार उन्होंने एकदिवसीय में सबसे तेजी से 200 विकेट लिए हैं। टी20 प्रारुप में भी उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है। इसके बाद भी उन्हें टी20 मैचों में अवसर नहीं मिल रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने माना कि आईपीएल के पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था पर इसके पहले के सत्र में उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल था। शमी ने साल 2023 में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किय था। इसके बाद भी उन्हें टी20 के लायक नहीं माना जा रहा है। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 5-6 सालों में उन्होंने 130 के करीब विकेट लिए हैं, फिर भी उन्हें टी20 गेंदबाज नहीं समझा जाता, ऐसे में वह क्या कर सकते हैं। शमी ने कहा, 'आईपीएल के बाद पिछला रिकॉर्ड देखने पर पता चलता है कि देश कोई भी अन्य गेंदबाज मेरे करीब नहीं पहुंचा है। इसके बाद भी मुझे टी20 का गेंदबाज नहीं कहा जाता है।' इसके बाद उन्होंने कहा कि आईपीएल में पर्पल कैप के बाद भी उनको टी20 का गेंदबाज नहीं माना जाता।शमी पिदले दो से तीन साल से टेस्ट में शामिल नहीं हैं। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अंतिम बार साल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी भारत की तरफ से संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उसके बाद से ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। इस दौरान घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है हालांकि इसके बाद भी उन्हें एशिया कप और टी20 क्रिकेट विश्व कप में जगह नहीं मिली। शमी का अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भी खेलना संदिग्ध है।

गौरतलब है कि शमी आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन करते आए हैं पर पिछला सीजन उनके लिए अच्छा नहीं गया था। आईपीएल 2025 में वह सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे लेकिन 9 मैच में सिर्फ 6 विकेट ही ले पाये थे। शमी 2019 से लेकर 2024 तक लगातार आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स की तरफ से 2019 में 19 विकेट, 2020 में 20 विकेट और 2021 में 19 लिए थे। 2022 में शमी गुजरात टाइटंस के साथ चले गए और उन्होंने 20 विकेट झटके। आईपीएल 2023 में उन्होंने 28 विकेट झटके और पर्पल कैप जीता। आईपीएल 2024 में वह नहीं खेले थे और पिछले साल यानी आईपीएल 2025 में वह सिर्फ 6 विकेट ही ले पाए थे। इस बार वह लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम में शामिली हैं। उनके आने से सुपरजायंट्स की गेंदबाजी मजबूत हुई है।

मकाओं में मिस्र की हना गोडा महिलाओं के एकल मुकाबले में भाग लेती हुई।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के जिम्बाब्वे दौरे का कार्यक्रम जारी किया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम इंडिया जुलाई में टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। बीसीसीआई के अनुसार पांच मैचों की इस सीरीज के सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे। सीरीज 23 जुलाई से शुरु होगी और सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2024 में जिम्बाब्वे का दौरा किया था, जहां दोनों टीमों के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली गई थी।

बोर्ड ने ये भी कहा है कि जिम्बाब्वे टीम जनवरी 2027 में भारत का दौरा करेगी। इस दौरे में दोनो के बची तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। यह मैच कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में खेले जाएंगे। इसका कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा।

वहीं जिम्बावे क्रिकेट बोर्ड भारतीय टीम के दौरे को लेकर उत्साहित है। बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, भारत के खिलाफ मैच से हमारी टीम को काफी कुछ सीखने को मिलता है। ये मुकाबले हमारे खिलाड़ियों के लिए विश्व विजेता टीम के खिलाफ अपने को परखने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा, भारत का दौरा करना हमारे लिए सम्मान की बात है और इससे दोनों देशों के क्रिकेट संबंध और बेहतर होंगे।

भारत का जिम्बाब्वे दौरा
23 जुलाई, पहला टी20 मैच, हरारे
25 जुलाई, दूसरा टी20 मैच, हरारे
26 जुलाई, तीसरा टीम20 मैच, हरारे।

माल्टा और गोजो में खेले जाएंगे राष्ट्रमंडल खेल : सैंडलियर

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रमंडल युवा खेल अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में खेले जाएंगे। इन खेलों का उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक खेल स्पर्धायें होंगी। इससे युवाओं को अभी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबॉल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलॉन, वॉटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल रहेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने कहा, माल्टा 2027 एक रोमांचक और अच्छे खेलों का वादा करता है। साथ ही कहा विश्व स्तर की सुविधाएं भी इसमें युवाओं को मिलेंगी जिससे भविष्य के सितारे निकलेंगे। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इन खेलों में नौकायन और वाटर पोलो का भी पहली बार आयोजन होगा। माल्टा में राष्ट्रमंडल के 74 देशों और क्षेत्रों से लगभग 1,200 एथलीटों के 14 से 18 वर्ष की आयु वर्ग में भाग लेने की उम्मीद है।

वेलड्रोम में एशियाई ट्रैक साइक्लिंग चैम्पियनशिप के अंतिम चरण में पहुंचे प्रतियोगी।

गुवाहाटी और रांची जैसे नये केन्द्रों पर टेस्ट मैचों का आयोजन खुशी की बात : गांगुली

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट मुकाबले नागपुर, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद, चेन्नई में आयोजित किया जाना एक अच्छा संकेत है। गांगुली ने कहा कि देश में हर जगह मैचों का आयोजन होना अच्छा कदम है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बार कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों की जगह पर अन्य स्थानों पर मुकाबले आयोजित किये हैं जिससे इन जगहों पर भी खेल ढ़ांचा बेहतर हो सके। ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। गांगुली बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) के प्रमुख भी हैं। उनका कहना है कि कैब प्रमुख होने के कारण ईडन गार्डंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट होना उनके लिए खुशी की बात होती है पर उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे नये केंद्रों

पर रखे गये हैं। बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह ही भारतीय क्रिकेट टीम के घरेलू सत्र की घोषणा करते हुए कहा कि इस बार कोलकाता और मुंबई में टेस्ट मुकाबले नहीं रखे जाएंगे। गांगुली ने कहा, ईडन गार्डंस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब अध्यक्ष होने के कारण मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हों। उन्होंने कहा, हम सभी चाहते हैं कि कोलकाता में ज्यादा मैच हो पर हमें यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिए। गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं। वहीं अहमदाबाद के स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था। वहीं मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था। बोर्ड के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता में तीन जनवरी , 2027 और मुंबई में (9 जनवरी, 2027 में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय रखे गये हैं। दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय मैच भी होगा। उन्होंने कहा, पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है। इसलिए मुझे चेन्नई, गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है। वहां सुविधायें काफी अच्छी है। वहीं पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा, हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई , दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे। उसका अपना आकर्षण था। इसलिए मुझे लगता है कि अब भी ऐसा ही होना चाहिए।

तेज गेंदबाज से मैच रैफरी तक पहुंचे श्रीनाथ

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और वर्तमान में आईसीसी मैच रैफरी जवागल श्रीनाथ ने भारतीय टीम में अपनी अलग ही पहचान बनायी है। आमतौर पर लाइम लाइट से दूर रहे श्रीनाथ एक ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने उस दौर में गेंदबाज की कमान संभाली जब भारतीय टीम में स्पिनरों का दबदबा था। इसके बाद भी श्रीनाथ ने अपनी रफ्तार और सटीक लाइन व लैंथ से अपनी अलग पहचान बनायी। उन्होंने जब तेज गेंदबाजी की कमान संभाली तब महान ऑलराउंडर कपिल देव संन्यास के करीब थे। ऐसे में सभी की अपेक्षाएं बढ़ी हुई थीं। श्रीनाथ ने अपने को साबित भी किया उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1996 में अहमदाबाद में 21 रन देकर 6 विकेट झटककर भारत को अविश्वसनीय जीत दिलाई थी. वह भारत के पहले ऐसे गेंदबाज थे जिन्होंने लगातार 150 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी की। वहीं साल 2002 में श्रीनाथ ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। श्रीनाथ ने इसके बाद 2003 विश्वकप में जबरदस्त गेंदबाजी की और सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। भारतीय टीम के फाइनल तक के सफर में उनकी अहम भूमिका रही। श्रीनाथ ने अपने करियर में 315 एकदिवसीय और 236 टेस्ट विकेटों लिए। संन्यास के बाद भी वह अंपायर के तौर पर खेल से जुड़े रहे।

टेक कंपनी ओरेकल ने 30 हजार कर्मचारी निकालेः इनमें 12 हजार भारतीय; सुबह मेल कर लिखा- आज लास्ट वर्किंग डे

नई दिल्लीः दुनिया के 6वें सबसे अमीर कारोबारी लैरी एलिसन की टेक कंपनी ओरेकल ने करीब 30 हजार कर्मचारियों को निकाल दिया है। इनमें भारत के 12 हजार कर्मचारी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अगले महीने छंटनी का दूसरा दौर भी शुरू कर सकती है। कर्मचारियों को सुबह 6 बजे इनबॉक्स में टर्मिनेशन लेटर मिले। इसमें लिखा था कि आज उनका लास्ट वर्किंग डे है। कुछ ही मिनटों में उनका सिस्टम एक्सेस बंद कर दिया गया।

कंपनी ने छंटनी की वजह नहीं बताई

कंपनी ने छंटनी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बिजनेस इनसाइडर के मुताबिक, ओरेकल ने कई देशों में कर्मचारियों को ईमेल भेजकर बताया कि कंपनी बदलाव कर रही है, जिसके तहत कुछ पद खत्म किए गए हैं और उनके लिए आखिरी वर्किंग डे है।

कंपनी ने कर्मचारियों को काम के लिए धन्यवाद भी कहा। साथ ही कहा कि आगे की प्रक्रिया, जैसे सेवरेंस पैकेज (नौकरी खत्म होने पर मिलने वाला पैसा) और नई नौकरी ढूंढने में मदद से जुड़ी जानकारी के लिए वे अपना पर्सनल ईमेल एड्रेस दें।

छंटनी को लेकर 2 दावे

1. AI की वजह से कर्मचारियों को निकाला- एक सीनियर मैनेजर माइकल शेफर्ड ने लिंक्डइन पर लिखा कि सीनियर इंजीनियर्स, आर्किटेक्ट्स, ऑपरेशंस लीडर्स, प्रोग्राम मैनेजर्स और टेक्निकल स्पेशलिस्ट्स को नौकरी से निकाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह छंटनी परफॉर्मेंस के आधार पर नहीं की गई है।

इधर, बीबीसी की एक रिपोर्ट में सीनियर कर्मचारियों के हवाले से बताया है कि कंपनी AI में भारी निवेश कर रही है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है। ओरेकल अंदरूनी तौर पर AI टूल्स का इस्तेमाल कर रही है। इसकी मदद से कम कर्मचारी ज्यादा काम कर पा रहे हैं।

2. 16 घंटे की शिफ्ट का विरोध करने पर निकाला

ओरेकल के पूर्व कर्मचारी मेरुगु श्रीधर का कहना है कि उन्हें सितंबर में नौकरी से निकाल दिया गया था। उन्होंने कंपनी में 16 घंटे की लंबी शिफ्ट के खिलाफ आवाज उठाई थी। उनका दावा है कि इसी वजह से उन्हें बाहर किया गया। श्रीधर ने यह भी कहा कि इस मामले में अमेरिका में काम कर रहे भारतीय मूल के कर्मचारी सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

एक्सपर्ट ने इनविजिबल लेऑफ बताया

एक्सपर्ट्स इसे 'इनविजिबल लेऑफ' कह रहे हैं, जिसमें कंपनियां बिना बड़ी घोषणा किए चुपचाप धीरे-धीरे कर्मचारियों की संख्या कम कर रही हैं। पिछले तीन महीनों में अमेजन, मेटा और डेल जैसी कंपनियों में मिलाकर 94 हजार से ज्यादा लोग नौकरी खो चुके हैं।

दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों में शामिल ओरेकल

ओरेकल एक बड़ी अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो डेटा मैनेजमेंट और क्लाउड सर्विसेस देती है। इसकी स्थापना 1977 में लैरी एलिसन और उनके साथियों ने की थी।

ओरेकल का सबसे बड़ा काम कंपनियों और संस्थानों का डेटा सुरक्षित तरीके से स्टोर करना और उसे मैनेज करना है। दुनिया की कई बड़ी बैंकिंग, सरकारी और बिजनेस संस्थाएं ओरेकल के डेटाबेस सिस्टम का इस्तेमाल करती हैं। ओरेकल कंपनी क्लाउड सर्विस भी देती है, जिससे कंपनियां अपना डेटा सुरक्षित रख सकती हैं और एक्सेस कर सकती हैं। भारत में भी कई बैंक, इनकम टैक्स विभाग और बड़ी कंपनियां ओरेकल की तकनीक का इस्तेमाल करती हैं।

महाराष्ट्र में प्याज सस्ता, उत्पादक संघ ने की एमआईएस लागू करने की मांग

- किसानों के वित्तीय संकट को देखते हुए सरकार से तुरंत कदम उठाने की अपील

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को तुरंत लागू करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्याज की कीमतों में तेज गिरावट ने किसानों को गंभीर वित्तीय संकट में डाल दिया है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के एक पदाधिकारी ने कहा कि कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी स्पष्ट रूप से संकटग्रस्त बिक्री की स्थिति को दर्शाती है और एमआईएस लागू करने के मानदंड पूरे करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।

उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार को ज्ञापन भेजकर बताया कि पूरे राज्य में प्याज उत्पादक मंडियों में कीमतों में गिरावट से भारी नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमआईएस लागू होने पर सरकार खरीदार के रूप में प्रवेश करके कीमतों को स्थिर, घबराहट में बिक्री रोकने और व्यापारियों द्वारा दरें दबाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में मदद कर सकती है। किसानों को फिलहाल प्याज के लिए *300–800 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे हैं, जबकि उत्पादन लागत 1,500–1,800 रुपये प्रति क्विंटल है। इस स्थिति में किसान मजबूरी में कम दाम पर बिक्री कर रहे हैं और कई मामलों में सड़क पर प्याज फेंकने को मजबूर हैं। उन्होंने मांग की कि तालुका स्तर पर सरकारी खरीद केंद्र स्थापित किए जाएं, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाए और मूल्य कमी भुगतान योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

भारतीय रेलवे तैयार कर रहा है कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन में बड़ा बदलाव

- नई नीति यात्रियों को समय पर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रेलवे कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। आधिकारिक घोषणा की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इसे जल्द ही सार्वजनिक किया जा सकता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इस दिशा में संकेत दिए थे। नई नीति का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को समय पर अपने टिकट रद्द करने के लिए प्रेरित करना और आखिरी समय पर कैंसिलेशन से होने वाले नुकसान को कम करना है। **प्रस्तावित नियमों के अनुसार रिफंड राशि यात्रा शुरू होने से पहले कितने घंटे में टिकट कैंसिल किया गया, इस पर निर्भर करेगी-**

- 72 घंटे से पहले कैंसिलेशनः अधिकतम रिफंड मिलेगा, केवल न्यूनतम फ्लैट शुल्क कटेगा।
- 24 से 72 घंटे पहलेः कुल किराए का 25 प्रतिशत काटा जाएगा।
- 8 से 24 घंटे पहलेः केवल 50 प्रतिशत राशि वापस मिलेगी।
- 8 घंटे से कम समय मेंः कोई रिफंड नहीं मिलेगा।

नई व्यवस्था का सबसे अधिक असर उन यात्रियों पर पड़ेगा जिनकी यात्रा योजनाएं अक्सर बदलती रहती हैं। इसमें व्यवसायी यात्री, तत्काल टिकट लेने वाले और ऐसे परिवार शामिल हैं जिनकी प्लानिंग अचानक बदल जाती है। ऐसे यात्रियों को अब समय पर कैंसिलेशन का निर्णय लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा उन्हें अधिक शुल्क देना पड़ेगा। रेलवे का लक्ष्य है कि यात्रियों को समय पर निर्णय लेने की आदत विकसित हो और आखिरी समय पर टिकट कैंसिल करने पर अधिक वित्तीय नुकसान को रोका जा सके। इससे रेलवे का रिफंड प्रबंधन भी सरल होगा और टिकट की बुकिंग सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुनिश्चित बनेगी।

अपग्रेड की योजना ऑफलाइन शिक्षा विस्तार, 50 केंद्रों का लक्ष्य

- कंपनी वर्तमान में 20 शहरों में कर रही है 23 केंद्र संचालित

नई दिल्ली (ईएमएस)। एडटेक कंपनी अपग्रेड ऑफलाइन शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विस्तार कर रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 27 के अंत तक 50 केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है। मौजूदा समय में कंपनी के पास 23 केंद्र हैं और अप्रैल में पानीपत, सिलीगुड़ी और चंडीगढ़ में नए केंद्र शुरू होने वाले हैं। कंपनी वर्तमान में 20 शहरों में 23 केंद्र संचालित कर रही है। इनमें पुणे, बेंगलूरु, अहमदाबाद, भोपाल, हैदराबाद, गुरुग्राम, रायपुर, जयपुर जैसे बड़े शहर शामिल हैं। कंपनी का उद्देश्य मझोले और छोटे शहरों में अपनी उपस्थिति मजबूत करना है। ऑफलाइन कारोबार के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि योजना अगले 12 महीनों में पूरी होने की संभावना है। अपग्रेड के ऑफलाइन पाठ्यक्रम मुख्य रूप से 21 से 26 वर्ष के युवाओं को लक्षित करते हैं, जो स्नातक या स्नातक पूर्ण कर चुके हैं और नौकरी के लिए नवीनतम कौशल सीखना चाहते हैं। इनमें से लगभग 70 प्रतिशत छात्र एसटीईएम क्षेत्र से हैं। कंपनी क्लासरूम शिक्षण और प्रैक्टिकल प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को सक्षम बनाती है। बेंगलूरु, पुणे और हैदराबाद में कामकाजी पेशेवरों के लिए वीकेंड क्लासेस उपलब्ध हैं।

सरकार ने मार्च में 2 लाख करोड़ जीएसटी वसूलाः 2025-26 में 22 लाख करोड़ कलेक्शन हुआ

नई दिल्लीः इस साल मार्च में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 8.8% बढ़कर 2 लाख करोड़ के पार निकल गया। एक साल पहले मार्च 2025 में यह 1.83 लाख करोड़ था। वहीं नेट जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 8.2% बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए रहा। मार्च 2025 में यह आंकड़ा 1.64 लाख करोड़ रहा था। आज 1 अप्रैल को ये आंकड़े जारी किए गए हैं। ग्रॉस जीएसटी सरकार का कुल जमा किया गया टैक्स है, जबकि नेट जीएसटी वह राशि है जो ग्रॉस कलेक्शन में से करदाताओं यानी टेक्सपेयर्स को लौटाए गए रिफंड को घटाने के बाद बचती है।

जीएसटी कलेक्शन 10 महीने में सबसे ज्यादा

जीएसटी कलेक्शन का यह आंकड़ा 10 महीने में सबसे ज्यादा है। इससे पहले मई 2025 में सरकार ने 2.01 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी वसूला था।

पूरे वित्त वर्ष 2026 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 8.3% बढ़कर 22.27 लाख करोड़ हो गया। नेट जीएसटी कलेक्शन 7.1% बढ़कर 19.34 लाख करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2025 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 20.25 लाख करोड़ रुपए और नेट जीएसटी कलेक्शन 18.07 लाख करोड़ रुपए रहा था।

टोटल रिफंड 13.8% बढ़कर 0.22 लाख करोड़ रुपए रहा

वहीं टोटल रिफंड सालाना आधार पर 13.8% बढ़कर 0.22 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। मार्च 2025 में यह आंकड़ा 0.19 लाख करोड़ था। ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू (Cजीएसटी, Sजीएसटी, Iजीएसटी) 1.46 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें सालाना आधार पर 5.9% की बढ़ोतरी हुई। जबकि ग्रॉस इम्पोर्ट रेवेन्यू (Iजीएसटी) 0.54 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 17.8% रहा।
वहीं मार्च 2026 में नेट सेस रेवेन्यू घटकर -177 करोड़ रुपए रहा। मार्च 2025 में यह 12,043 करोड़ रुपए रहा था।

जीएसटी कलेक्शन में महाराष्ट्र-कर्नाटक सबसे आगे रहे

जीएसटी कलेक्शन में महाराष्ट्र (+17%), कर्नाटक(+14%) और तेलंगाना (+19%) जैसे बड़े राज्यों ने ग्रोथ दर्ज की है। वहीं हरियाणा, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में ग्रोथ धीमी रही है।

सबसे ज्यादा टैक्स कलेक्शन अप्रैल 2025 में हुआ था

सरकार ने अप्रैल 2025 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) से 2.37 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। सालाना आधार पर इसमें 12.6% की बढ़ोतरी हुई थी। यह जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड है। इससे पहले हाईएस्ट जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड अप्रैल 2024 में बना था।

दैनिक पंचांग

2 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

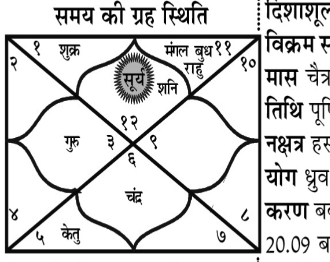

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.32 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	08.12 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.10 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.40 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.52 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.02 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.17 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.33 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मकर	01.38 बजे से
		कुंभ	03.25 बजे से
		मीन	04.57 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 92 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 07.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 17.39 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 14.20 बजे को समाप्त।
करण बव 07.42 बजे तदनन्तर बालव 20.09 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 51'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872667
जूलियन दिन 2461132.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 13
विशेष हनुमान जयंती, धरती पुजा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7964

बाएँ से दाएँ
1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

ऊपर से नीचे
1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

शब्द पहेली - 7963 का हल

फि	त	र	त	■	स	ला	म	त
रं	■	त	ल	ब	गा	र	■	मी
गी	ला	■	■	द	■	■	ह	ज
■	ल	■	क	न	क	■	म	■
ध	कि	या	ना	■	या	या	व	र
■	ता	■	त	म	स	■	त	■
ऐ	ब	■	■	ना	■	■	न	न
न	■	ख	ल	ना	य	क	■	क
क	र	त	ब	■	म	ल	म	ल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7505

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	16	20	25	■	19	21	16	17	■
13	2		6	■	4		8		27
18		4		■		7		8	22
15	7		3	■	2		3		16
27		6		9		■	■	■	■
■	■	■	■		8		2		29
26		5		7	■	6		5	15
23	5		6		■		8		21
21		5		7	■	3		7	12
■	16	18	18	34	■	24	16	22	■

अंकजाल 7504 का हल

■	14	21	21	■	32	21	12	19	■
12	2	7	3	■	4	5	4	9	22
14	2	7	5	■	8	7	5	3	23
16	8	2	6	■	7	9	3	7	26
21	2	5	7	2	5	■	■	■	■
■	■	■	■	7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
29	8	8	5	8	■	4	6	8	18
■	21	15	16	30	■	19	18	22	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6449

3		1			2	
	36	6	32	2	27	1
5		7	4		6	
4	33		32		31	4
		3		5		2
7	34		29		39	
2		5	1		4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6448 का हल

5	3	1	4	6	7	2
4	25	2	32	2	36	7
1	5	4	6	7	2	3
6	31	3	42	5	33	6
3	2	7	6	4	5	1
7	37	5	35	3	30	5
2	5	6	3	1	7	4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5809

39		50		39		2	=	25
	■		■		■		■	
26		2		13		13	=	39
	■		■		■		■	
25		3		50		1	=	25
	■		■		■		■	
10		5		20		10	=	15
=	■	=	■	=	■	=	■	
28		27		22		17	=	24 / 6

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5808

50	+	2	-	5	+	5	=	52
+	■	+	■	+	■	x	■	-
52	+	80	-	78	-	10	=	44
-	■	-	■	-	■	÷	■	+
97	-	58	-	25	+	2	=	16
+	■	-	■	-	■	+	■	-
20	x	3	-	20	÷	2	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
25	-	21	+	38	-	27	=	4 / 15

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल- 7496

शब्द जाल में 'या' से शुरु होनेवाली 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

या	द	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वि	ल	क	या	दों	का	मौ	स	म	ड़
क	स	या	ल	र्म	छ	स	या	दी	ख	क
क	या	ल	र	क	वी	स	र	ल	श	क
क	री	दो	ग	क	ज	र	ग	ग	झ	क
जी	जिं	ल	प	नु	स	उ	द्दा	ण	घ	या
ती	दा	ल	श	सं	प	म	र	कौ	ला	दों
क	बा	या	र	मे	रा	क	फ	ना	श	की
क	द	ल	प	न	क	स	रा	औ	प	क
क	र	ल	प	व	जी	या	ऐ	ओ	प	स
क	क	ल	प	या	द	स	व्य	ब	प	म

यादें, याद, यादगार, यार गद्दार, यार कसम, यार मेरा, यारी जिंदाबाद, याराना, यादों का मौसम, यादों की कसम.

शब्दजाल - 7495 का हल

मो	म	मा	चु	प	चु	प	के	ह	क	ल
हो	ला	सू	ह	वि	ल	जी	स	ल	क	भी
हे	वी	मा	द	अ	रा	त	र	म	ल	ग
रा	र	दा	ल	ल	क	स	ओ	ह	सु	म
फे	मु	न	ष	वी	म	मी	त	ल	न	भा
री	मी	स्कु	स	जि	क	क	प	च	स	ग
के	ह	बु	रा	टी	म	ली	टे	ल	र	दा
न	पू	कु	द	ह	प	नी	का	ला	पा	नी
हं	गा	मा	सू	ह	ट	ने	ने	ल	जी	क
सा	त	रं	ग	के	स	प	ने	री	क	ल
म	ह	न	ह	ज	तु	द	न	ज	ल	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1671 अकबर द्वारा समाप्त किया गया जजिया कर औरंगजेब ने पुनः लागू किया.
1872 अमेरिकी आविष्कारक एफ.बी. मोर्स का निधन.
1915 स्विटरजरलैंड और इटली को जोड़ने वाली रेल सुरंग का उद्घाटन.
1933 क्रिकेट के प्रसिद्ध खिलाड़ी रणजीत सिंह का निधन.
1942 कांग्रेस ने क्रिप्स प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया.
1947 सुरक्षा परिषद ने जापान के कब्जे वाले प्रशांत सागर द्वीपों के लिए अमेरिका को न्यासी नियुक्त किया .
1961 फ्रांसीसी समुदाय के तहत मेडागास्कर स्वतंत्र हुआ.
1971 असम के भीतर ही मेघालय स्वायत्त पहाड़ी राज्य बना.
1996 रूस और बेलारूस ने राजनीतिक और आर्थिक सहयोग समझोता किया.
1998 कोंकण रेलमार्ग से हजरत निजामुद्दीन से तिरुवनंतपुरम तक राजधानी एक्सप्रेस की शुरुवात.

संक्षिप्त खबरें

सांसद विद्युत वरण महतो की पहल, राज्य में एनएच-18 व 43 की बदलेगी तस्वीर

जमशेदपुरः जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो की मेहनत रंग लाई. अब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने झारखंड के NH-18 व NH-43 के महत्वपूर्ण जगहों पर फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण के लिए 80.24 करोड़ के टेंडर की मंजूरी दी है. लंबे समय से बहरागोड़ा और आसपास के क्षेत्रों में हो रही सड़क दुर्घटनाओं और ट्रैफिक जाम की समस्या को सांसद विद्युत वरण महतो ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की. जिसके बाद मामले में मंत्रालय से तुरंत कार्रवाई हुई. अब फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण के लिए एक निजी कंस्ट्रक्शन कंपनी को जिम्मा सौंपा गया है. प्रोजेक्ट के तहत NH-43 व NH-32 जंक्शन प्वाइंट पर सर्विस रोड के साथ फ्लाईओवर बनेगा, जो लंबी दूरी के वाहनों को शहर के ट्रैफिक से अलग करेगा. साथ ही बहरागोड़ा बस स्टैंड और PWD चौक के पास वाहन अंडरपास (VUP) बनने से स्थानीय यात्रियों और दुकानदारों को भारी वाहनों के खतरों से सुरक्षा मिलेगी. वहीं NH-18 पर भी सर्विस रोड और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा. यह परियोजना ईपीसी (EPC) मोड पर आधारित है. सांसद विद्युत वरण महतो ने इस स्वीकृति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इन फ्लाईओवर्स और अंडरपास के निर्माण से न केवल क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी भारी कमी आएगी.

झारखंड विधानसभा ने 2026-27 के लिए 25 समितियों का किया गठन, जिम्मेदारियां तय

रांचीः झारखंड विधानसभा सचिवालय की ओर से वर्ष 2026-27 के लिए कुल 25 स्थायी समितियों का गठन किया गया है। यह गठन विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो की अध्यक्षता में किया गया है। सभी समितियों का कार्यकाल एक वर्ष अथवा पुनर्गठन तक प्रभावी रहेगा। जानकारी के अनुसार नियम समिति, विशेषाधिकार समिति और याचिका समिति के सभापति स्वयं विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो होंगे। याचिका समिति में उदय शंकर सिंह, नागेन्द्र महतो, ममता देवी और निर्मल महतो को सदस्य बनाया गया है। लोक लेखा समिति की कमान मनोज कुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि प्राक्कलन समिति के सभापति हेमलाल मुर्मू बनाए गए हैं। सरकारी उपक्रम समिति के सभापति निरल पुरती, प्रत्यायुक्त विधान समिति के सरयू राय तथा अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के सभापति स्टीफन मरांडी होंगे। महिला एवं बाल विकास समिति की अध्यक्षता कल्पना मुर्मू सोरेन करेंगी। इसके अलावा विभिन्न समितियों में दशरथ गागरई, बसंत सोरेन, अरूप चटर्जी, भूषण तिर्की, चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह, प्रदीप यादव, प्रकाश राम, सत्येन्द्र नाथ तिवारी, सुरेश पासवान, उमाकान्त रजक, रामचन्द्र सिंह, सविता महतो, नीरा यादव, रामेश्वर उरांव और विकास कुमार मुंडा को सभापति बनाया गया है। सभी समितियों के सचिव के रूप में विधानसभा सचिव कार्य करेंगे। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी गुलाम मो. सरफराज ने दी।

किसके पास कितने बॉडीगार्ड्स और कितने हथियार 24 घंटे में राज्य पुलिस मुख्यालय ने मांगी जानकारी

रांचीः झारखंड पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिलों के एसएसपी/एसपी को पत्र लिखकर बॉडीगार्ड्स के सबंध में विभिन्न पहलुओं से संबंधित कुछ जानकारियां 24 घंटे के अंदर मांगी है. इस संबंध में झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा पत्र जारी किया गया है. झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा झारखंड के विशिष्ट, अति विशिष्ट तथा अन्य व्यक्तियों को कितने अंगरक्षक उपलब्ध करवाए गए हैं, अंगरक्षकों की संख्या क्या है उनकी प्रतिनियुक्ति कब से है उनके पास कितने हथियार हैं और बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाने की अनुशंसा किसके द्वारा की गई थी इसकी पूरी जानकारी 24 घंटे के अंदर सभी जिलों से मांगी है. पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि राज्य के विभिन्न जिलों में वीआईपी से लेकर आम लोगों को जो बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं, उसकी पूरी विवरणी की आवश्यकता है. इस संबंध में निर्देश दिया जाता है कि अंगरक्षकों से संबंधित विवरणी 24 घंटे के अंदर पुलिस मुख्यालय झारखंड रांची को उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें. पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार सभी जिलों के एसएसपी/एसपी को यह बताना है कि उनके द्वारा कितने विशिष्ट ,अति विशिष्ट और अन्य व्यक्तियों को कितने बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं. व्यक्ति विशेष और उनके पास कितने बॉडीगार्ड हैं, नाम सहित सूची बनाकर पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध करवाना है. सूची में अमुक व्यक्ति को कितने बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं, इसकी भी पूरी जानकारी देनी है. इसके अलावा जिन व्यक्तियों को बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं. वह बॉडीगार्ड किस तिथि से उनके पास उपलब्ध हैं. इसकी पूरी विवरणी भी पुलिस मुख्यालय के द्वारा मांगी गई है. पुलिस मुख्यालय के पत्र में यह भी लिखा गया है कि विशेष व्यक्तियों को जो बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं, उन्हें किस तरह के हथियार दिए गए हैं, उसकी विवरणी भी सूची में शामिल करनी है. सबसे महत्वपूर्ण जिला पुलिस को यह भी बताना है कि किसके अनुशंसा पर अमुक व्यक्ति को बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाया गया है.

झारखंड स्वास्थ्य सेवाओं में देश का तीसरा अग्रणी राज्य

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन में 56% तक पहुँचा आंकड़ा

संवाददाता रांचीः झारखंड ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन में देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्ता सुधार की दिशा में तेज प्रगति दर्ज की गई है।

बुधवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, डी आई सी डॉ. सिद्धार्थ सान्याल सहित सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

हम आपको बता दें कि सरकार के द्वारा वित्तीय प्रोत्साहन के तहत गुणवत्ता आश्वसन मानक प्राप्त करने वाली स्वास्थ्य संस्थानों को प्रति बेड 10000 सालाना, 3 साल तक देने का प्रावधान है। जिसमें से 25% राशि उक्त स्वास्थ्य संस्थान में कार्य करने वाले पदाधिकारी एवं कर्मियों के बीच वितरित किए जाने का भी प्रावधान है। शेष 75% राशी से प्राथमिकता के आधार पर उक्त स्वास्थ्य संस्थान में जन सुविधा को उन्नत किए जाने का

भी प्रावधान है। साथ ही सर्टिफिकेट प्राप्त संस्थान को आयुष्मान भारत योजना के तहत दिए जाने वाले राशि में भी 15% की बढ़ोतरी किए जाने का प्रावधान है।

बैठक में बताया गया कि मार्च 2025 तक जहाँ केवल 8 प्रतिशत स्वास्थ्य केंद्र ही राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन प्रमाणित थे, वहीं मार्च 2026 तक यह आंकड़ा बढ़कर 56 प्रतिशत हो गया है। राज्य सरकार ने दिसंबर 2026 तक सभी स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत प्रमाणित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिला स्तर पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों एवं कर्मियों को सम्मानित करने की योजना भी बनाई गई है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत अस्पतालों में बुनियादी ढांचे में सुधार, दवाओं की नियमित उपलब्धता, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती तथा उन्नत जांच सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे मरीजों को बेहतर उपचार मिल रहा है।

इस दिशा में प्रशासन की सक्रिय भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह एवं एनएचएम अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा द्वारा नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से कार्यों की निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं में आए इस व्यापक सुधार से राज्य की आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा है और सरकारी अस्पतालों के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

झारखंड में मातृ मृत्यु दर पर गहन समीक्षा, 5 जिलों में 100 प्रतिशत रिपोर्टिंग

संवाददाता, रांचीः स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को नेपाल हाउस में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में मातृ मृत्यु की वर्तमान स्थिति, एचएमआईएस पोर्टल पर रिपोर्टिंग की प्रक्रिया और मृत्यु के कारणों की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलावार प्रदर्शन की समीक्षा में यह सामने आया कि खूंटी, लोहरदगा, रामगढ़, साहिबगंज और सिमडेगा जिलों ने मातृ मृत्यु की 100 प्रतिशत रिपोर्टिंग सुनिश्चित की है। वहीं बोकारो, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, रांची और पश्चिम सिंहभूम जिलों में लक्ष्य से अधिक रिपोर्टिंग दर्ज की गई। अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलों को रिपोर्टिंग की गुणवत्ता, सटीकता और समयबद्धता बनाए रखने का निर्देश दिया। मातृ मृत्यु के कारणों के विश्लेषण में प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव 15.5 प्रतिशत मामलों में प्रमुख कारण पाया गया। इसके अलावा उच्च रक्तचाप अथवा एक्लेम्पसिया 12.5 प्रतिशत और संक्रमण (सेप्सिस) 6.9 प्रतिशत मामलों में मृत्यु का कारण रहा। बैठक में सभी जिलों को प्रत्येक मातृ मृत्यु मामले की अनिवार्य वर्बल ऑटोप्सी कराने और विश्लेषण रिपोर्ट ससमय अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

शिशु मृत्यु के कारणों की समीक्षा में सेप्सिस, श्वास संबंधी समस्या, निमोनिया और समय से पहले जन्म प्रमुख कारण पाए गए। शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए संस्थागत प्रसव की गुणवत्ता सुधारने, लेबर रूम में कार्यरत नर्सों के प्रशिक्षण तथा सभी प्रसव संस्थानों में बेबी वार्मर की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

इसके साथ ही सुरक्षित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर आईईसी सामग्री के व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया गया। बैठक के अंत में अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलों को प्रत्येक मामले का गहन विश्लेषण कर ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में मातृ एवं शिशु मृत्यु की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोका जा सके।

केंद्र सरकार से मिली राशि पर सियासी बयानबाजी शुरू

भारतीय जनता पार्टी ने थपथपाई अपनी पीठ

रांचीः केंद्र सरकार ने झारखंड को वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत तक 15वें वित्त आयोग के तहत करीब 2254 करोड़ रुपए की राशि मुहैया कराई है, जो अब तक की सर्वाधिक रकम है. इधर केंद्र से राज्य सरकार के ग्रामीण विकास विभाग को मिली भारी भरकम राशि पर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है.

बीजेपी ने इसका स्वागत करते हुए कहा है कि कल तक केंद्र से सहयोग नहीं मिलने का आरोप लगाने वालों के मुंह पर यह तमाचा है. बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार से मिली राशि का सदुपयोग होना चाहिए ना कि दुरुपयोग, बीजेपी इस पर नजर रखेगी और सरकार को भी चाहिए कि जिस मद का पैसा मिला है, उसका सही से खर्च हो.

राशि का होगा सदुपयोगः ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा यह राशि काफी जद्दोजहद के बाद मिली है. मुझे उम्मीद है कि इस राशि का सदुपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में होगा. मुझे उम्मीद है कि हमारे, जो पंचायती राज के प्रतिनिधि हैं, वो अपने क्षेत्र में जो बुनियादी सुविधा खासकर पेयजल एवं अन्य साधनों पर खर्च कर जनता तक इसका लाभ पहुंचाने का काम करेंगे.

झारखंड को मिले करीब 2254 करोड़ रुपएः राज्य के 4345 पंचायतों में विकास कार्य के लिए बड़े पैमाने पर राशि मुहैया कराई गई है. केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय साल 2025-26 के अंत तक झारखंड को 15वें वित्त आयोग के तहत करीब 2254 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है. इस राशि को राज्य के पंचायतों को मिलने वाली राशि के नजरिए से आंके तो हर एक पंचायत के हिस्से में पिछले एक साल में करीब 51 लाख 80 हजार रुपए आयेंगे.

यह राशि राज्य गठन के बाद से अब तक मिलने वाली सर्वाधिक राशि है. सबसे बड़ी उपलब्धि ये है कि राज्य वित्त आयोग से पहली बार पंचायतों को अनुदान राशि दी गई है. इससे पहले 15वें वित्त आयोग के तहत झारखंड के हिस्से में वित्तीय वर्ष 2021-22 में 624.50 करोड़, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1271 करोड़, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1300 करोड़, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 653.50 करोड़ जबकि वित्तीय 2025-26 में यह राशि सर्वाधिक 2254 करोड़ रुपए राज्य के पंचायतों को मिली है.

मिडिल ईस्ट वार के कारण कंपनी के उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई हैः टीवी नरेंद्रन

जमशेदपुरः मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का असर अब देश की स्टील इंडस्ट्री पर भी दिखने लगा है। टाटा स्टील के सीईओ सह एमडी टी. वी. नरेंद्रन ने कहा कि युद्ध के कारण माल ढुलाई और बीमा खर्च बढ़ने से कंपनी की उत्पादन लागत में इजाफा हुआ है, हालांकि इसका असर कर्मचारियों पर नहीं पड़ेगा।

बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि समुद्री मार्गों में जोखिम बढ़ने से फ्रेट इंश्योरेंस 7 से 10 डॉलर तक महंगा हुआ है। इससे परिचालन लागत पर दबाव बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि टाटा स्टील की सब्सिडियरी टिनप्लेट कंपनी पर युद्ध का सबसे ज्यादा असर पड़ा है, क्योंकि उसका परिचालन प्रोपेन गैस पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन बाधित होने से केवल दो दिन का स्टॉक बचा है। वैकल्पिक व्यवस्था से फिलहाल काम चल रहा है, लेकिन युद्ध लंबा चला तो संकट गहरा सकता है। फिर भी मौजूदा स्थिति का कर्मचारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बुढ़मू में रामनवमी पर ऐतिहासिक धोरधोड़ा धाम में छठ मेला सह शस्त्र प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता, बुढ़मूः श्री महावीर मंडल काटमकुली एवं बरौदी के संयुक्त तत्वाधान में रामनवमी के अवसर पर धोरधोड़ा धाम में बुधवार को छठ मेला सह अस्त्र-शस्त्र प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेन्द्र प्रकाश, आजसू के कार्यकारी जिलाध्यक्ष हकीम अंसारी एवं जिला परिषद सदस्य सुषमा देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि रामनवमी असत्य पर सत्य की विजय का पर्व है और यह हमें सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाह, नशापान, दहेज प्रथा और जुआ से दूर रहने की प्रेरणा देता है। प्रतियोगिता में रांची सहित अन्य जिलों से आए कुल 55 अखाड़ाधारियों ने भाग लिया। सभी अखाड़ों को आयोजन समिति की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मेले के सफल आयोजन में समिति के जगरनाथ महतो, रामप्रसाद महतो, विजयनाथ महतो, शिवशंकर महतो, अशोक सम्राट, मोतीराम महतो, सुरेंद्र महतो, राजेंद्र महतो एवं बलराम महतो की सराहनीय भूमिका रही।

आईआईआईटी रांची में ‘यंत्र 26’ का सफल आयोजन

रांची : रांची के बीएसएनएल ग्राउंड और खेलगांव परिसर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) रांची की ओर से प्रमुख टेक्नो-कल्चरल रोबोटिक्स फेस्ट यंत्र 26 (YANTRA 26) का आयोजन किया. इस फेस्ट में देशभर के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया.

आयोजन का मुख्य उद्देश्य रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन के क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देना था. कार्यक्रम के दौरान डेजर्ट डैश, रोबोसॉकर, विंगफ्यूरी और पाथफाइंडर जैसी रोमांचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं.

साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी माहौल को जीवंत बनाया, जिससे

तकनीक और मनोरंजन का आकर्षक समन्वय देखने को मिला. कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए कुल 50 से अधिक टीमों ने भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमता का प्रदर्शन किया.

संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयोजन टीम और प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मंच युवा इंजीनियरों में रचनात्मकता, व्यावहारिक सीख और समस्या-समाधान कौशल के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं.

उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के आयोजनों के लिए IIIT रांची प्रतिबद्ध है और ‘यंत्र’ 26 जैसे मंच विद्यार्थियों की नवाचार भावना व तकनीकी उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं. डॉ. रोशन सिंह (आयोजन अध्यक्ष), डॉ. चंद्र प्रकाश सिंह (संयोजक), डॉ. अभिनव कुमार और डॉ. धीरन कुमार महतो के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलापूर्वक संपन्न हुआ.

प्रमुख सहभागी संस्थान में गांधी इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी (ओडिशा), बीआईटी मेसरा, उषा मार्टिन विश्वविद्यालय, सरला बिरला विश्वविद्यालय, श्रीनाथ विश्वविद्यालय (जमशेदपुर), योगदा संस्थान महाविद्यालय और गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक लखनऊ शामिल रहे.

इसके अलावा बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (गोरखपुर), लेंडी इंस्टीट्यूट (आंध्र प्रदेश), कटिहार इंजीनियरिंग कॉलेज, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज (बांका), जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बोरावन) और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड ने भी कार्यक्रम में भाग लिया.

साकची में आधुनिक जिला स्तरीय दिशोम गुरु मेमोरियल पुस्तकालय का उद्घाटन

प्रतियोगी छात्रों, शोधार्थियों और पुस्तक प्रेमियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस नया अध्ययन केंद्र समर्पित

जमशेदपुरः साकची स्ट्रेट माइल रोड स्थित नवनिर्मित जिला स्तरीय पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस पुस्तकालय को आम जनता और पुस्तक प्रेमियों के लिए दिशोम गुरु मेमोरियल लाइब्रेरी के रूप में समर्पित किया गया है। उद्घाटन समारोह में जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू, पूर्व विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह तथा उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नवनिर्मित पुस्तकालय भवन अत्याधुनिक संरचना और सुविधाओं से युक्त है। करीब 22,500 वर्ग फीट क्षेत्रफल में बने इस बहुमंजिला भवन के प्रथम तल पर मुख्य लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, दुकानें और शौचालय की व्यवस्था की गई है। द्वितीय और तृतीय तल पर जिला विज्ञान केंद्र सह डिजिटल लाइब्रेरी और रीडिंग रूम विकसित किए गए हैं, जबकि चतुर्थ तल पर व्यावसायिक उपयोग के लिए सभागार उपलब्ध कराया गया है। भवन में दो लिफ्ट, दो सीढ़ियां, अग्निशामक यंत्र, पार्किंग और सुरक्षा के समुचित इंतजाम किए गए हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि दिशोम गुरु मेमोरियल लाइब्रेरी शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। विधायक पूर्णिमा दास साहू ने कहा कि यह पुस्तकालय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा और जमशेदपुर को अध्ययन के नए केंद्र के रूप में पहचान दिलाएगा।

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने बताया कि वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग 8 हजार पुस्तकों की व्यवस्था है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 30 हजार किया जाएगा। यहां इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, विज्ञान, सामान्य ज्ञान सहित नामचीन लेखकों की पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी, पत्रिकाएं और शांत अध्ययन वातावरण भी छात्रों को मिलेगा। पुस्तकालय के बेहतर संचालन के लिए पांच अधिकारियों की टीम गठित की गई है और नागरिकों से सुझाव व पुस्तक दान का भी आह्वान किया गया है।

खनन विभाग ने अवैध खनन पर की कार्रवाई, दो ट्रेक्टर व 1 हाईवा जप्त

बोकारोः बोकारो उपायुक्त के निर्देशानुसार बुधवार को बोकारो जिला अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर खनन विभाग ने छापामारी अभियान चलाया,जिसमें पेटरवार थानांतर्गत ओबरा के समीप अवैध रूप से स्टोन चिप्स खनिज का प्रेषण करते हुए 01 ट्रैक्टर एवं 01 मिनी हाईवा को पकड़ा गया,जिसे विधिवत जप्त कर पेटरवार थाना को सुपुर्द किया गया।कथारा ओपी थाना अन्तर्गत इंटेक वेल,असनापनी के समीप दामोदर नदी क्षेत्र में छापामारी अभियान चलाया गया, जिसमें अवैध रुप से बालू खनिज का उत्खनन कर लोड करते हुए 1 ट्रैक्टर को पकड़ा गया,जिसे विधिवत जप्त कर कथारा ओपी को सुपुर्द करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

कमर्शियल सिलेंडर फिर महंगा, 194–200 रुपये तक बढ़े दाम, रांची में कीमत 2258 रुपये पहुंची

रांचीः मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का असर भारत पर भी देखने को मिल रहा है. कच्चा तेल और गैस की किल्लत के बीच एक बार फिर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (19 किलो) के दाम बढ़ा दिए हैं. महीने की पहली तारीख से 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 194 रुपये से लेकर 220 रुपये तक महंगा हो गया है. हालांकि राहत की बात यह है कि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

बता दें कि इससे पहले 7 मार्च को भी कमर्शियल सिलेंडर 115 रुपये महंगा हुआ था. वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 60 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई थी. इसके बाद दिल्ली में सिलेंडर की कीमत 913, कोलकाता में 939, मुंबई में 912.50, चेन्नई में 928.50 और झारखंड में 970 रुपये हो गई थी.

हैदराबाद में 2321 में मिल रहा 19 कि.ग्रा. वाले सिलेंडरः दिल्ली

में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर अब 194 रुपये महंगा होकर 2078.50 रुपये का हो गया है, जो पहले 1884.50 रुपये में मिल रहा था. मुंबई में इसकी कीमत 196 रुपये बढ़कर 2031 रुपये पहुंच गई है.

चेन्नई की बात करें तो यहां कमर्शियल सिलेंडर 203 रुपये महंगा हो गया है, जिसके बाद इसकी कीमत 2246.50 रुपये हो गई है. वहीं कोलकाता में सिलेंडर के दाम 218 रुपये बढ़कर 2208 रुपये का हो गया है.

रांची में भी इसकी कीमत में 220 रुपये का इजाफा हुआ है और अब यह 2258 रुपये में मिल रहा है. अन्य शहरों की बात करें तो लखनऊ में यह 2201 रुपये, पटना में 2365 रुपये, जयपुर में 2031 रुपये, बेंगलुरु में 2161 रुपये और हैदराबाद में 2321 रुपये में मिल रहा है.

रेस्टोरेंट में खाना हो जाएगा महंगाः कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा. इसकी वजह से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे और छोटे फूड बिजनेस चलाने वालों की लागत बढ़ जाएगी, जिससे खाने-पीने की चीजें महंगी होने की संभावना है. खासकर छोटे कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि उनके मुनाफे पर दबाव पड़ेगा.

दरअसल मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है. होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें बढ़ गई हैं, जिसका असर भारत में भी देखने को मिल रहा है. इसी कारण तेल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ाने का फैसला लिया है.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।